Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories, Safety Equipment, Power Tools, Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 18 जुलाई, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-6 | अंक-199

भाजपा की नीतियों के खिलाफ बंगाल भाजपा ने उठाई आवाज

बंद करिए : सबका साथ, सबका विकास का बेमानी नारा, अब होगा नया नारा

जो हमारे साथ हम उनके साथ

- बंगाल भाजपा की कार्यसमिति में शुभेंदु अधिकारी की घोषणा
- बंगाल के भाजपा नेताओं ने किया शुभेंदु की मांग का समर्थन
- भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चे को तत्काल भंग करने की मांग
- असम के सीएम ने भी जनसंख्या कानून लागू करने को कहा

कोलकाता, 17 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल भाजपा ने केंद्रीय नेतृत्व की नीतियों के खिलाफ बगावत का बिगुल फूंक दिया है। भाजपा नेतृत्व का नारा, सबका साथ सबका विकास को खारिज करते हुए बंगाल भाजपा ने नारा दिया है जो हमारे साथ, हम उनके साथ। पश्चिम बंगाल भाजपा के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा, हम हिंदुओं को बचाएंगे और संविधान को बचाएंगे। उन्होंने आलाकमान से यह भी मांग की है कि पार्टी में अल्पसंख्यक मोर्चे की कतई जरूरत नहीं है, उसे तत्काल प्रभाव से भंग किया जाए। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के खिलाफ बगावत की शुरुआत पश्चिम बंगाल भाजपा की कार्यसमिति की बैठक में हुई। बगावत की मशाल शुभेंदु अधिकारी ने उठाई है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने भी भाजपा नेतृत्व द्वारा मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति अपनाने के खिलाफ विद्रोही तेवर अख्तियार किए हैं।

पश्चिम बंगाल के जुझारू नेता शुभेंदु अधिकारी ने कार्यसमिति की बैठक में साफ-साफ कहा, जो हमारे साथ, हम उनके साथ। यह बंद करिए, सबका साथ सबका विकास का नारा। हमें अल्पसंख्यक मोर्चे की भी कोई जरूरत नहीं है। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक हो रही है। इस बैठक में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने केंद्रीय नेतृत्व को इंगित करते हुए कहा, मैं राष्ट्रवादी मुस्लिमों की बात करता ▶10 पर

जनसंख्या असंतुलन रोकने का कानून शीघ्र आना चाहिए : हिमंत

गुवाहाटी, 17 जुलाई (एजेंसियां)। देश में सारी प्राथमिकताओं के ऊपर जनसंख्या नीति का निर्धारण होना चाहिए। क्योंकि जनसंख्या का असंतुलन अब धैर्य की सीमा से बाहर हो गया है। देश में शीघ्र ऐसा कानून बनना चाहिए, जिससे घुसपैठिए वनवासियों की बेटियों से शादी न कर सकें। जनसंख्या असंतुलन का सवाल, देश के लोगों के जीने मरने का सवाल हैं। मेरे जीने मरने का सवाल है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने यह बात कही। हिमंत बिस्व सरमा की बातें भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के साथ-साथ केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल उठा रही है। असम के सीएम ने पिछले दिनों झारखंड में भी जनसंख्या असंतुलन का मुद्दा उठाया था और कहा था कि झारखंड को मुस्लिमों का जमाई टोला नहीं बनने देना है। सीएम सरमा झारखंड राज्य के उप प्रभारी भी हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा विधानसभा चुनाव के लिहाज से झारखंड में सक्रिय हैं और भाजपा संगठन को मजबूत करने को काम कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया है कि इस चुनाव में राज्य से ▶10 पर

खुफिया सूचनाएं मिलने पर दिल्ली पुलिस अलर्ट

दिल्ली में भी हो सकता है ट्रंप जैसा हमला

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका की तरह दिल्ली में भी महत्वपूर्ण हस्तियों पर हमला हो सकता है। इस तरह की खुफिया सूचनाएं मिलने के बाद देश की राजधानी दिल्ली में सतर्कता बरती जा रही है। पिछले ही दिनों अमेरिका के पेंसिलवेनिया में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर कातिलाना हमला हुआ, जिसमें हमलावर की गोली ट्रंप का कान बेधती चली गई। ट्रंप की जान बाल-बाल बची। हमलावर समेत दो लोग मारे गए। बाद भी पार्टी की बैठक में एके-47 के साथ कुछ हमलावर घुस आए, जिसमें एक हमलावर मारा गया और दूसरा पकड़ा गया। इन घटनाओं के कारण दिल्ली पुलिस खास तौर पर अलर्ट मोड में है।

15 अगस्त पर आतंकी या फिर खालिस्तानी हमले की संभावनाओं के मद्देनजर दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने मंगलवार को अपने अधीनस्थ पुलिस अधिकारियों की बैठक ली। पुलिस आयुक्त ने कहा कि देश में 15 अगस्त को डोनाल्ड ट्रंप जैसा हमला हो सकता है। ऐसे में हमें सतर्क रहना होगा। आयुक्त ने मंगलवार को तैयारियों को लेकर दूसरी मीटिंग बुलाई थी। दूसरी तरफ, 15 अगस्त के दिन टारगेट किलिंग के खुफिया इनपुट मिले हैं। इसको लेकर पुलिस अभी से सतर्क नजर आ रही है।

15 अगस्त को लेकर दिल्ली पुलिस की विशेष तैयारी

दिल्ली पुलिस के अनुसार, 15 अगस्त की तैयारियां एक महीने पहले शुरू हो जाती हैं। तैयारियों को लेकर पुलिस आयुक्त ने मंगलवार को सीनियर अफसरों समेत सभी सीनियर पुलिस अधिकारियों को बैठक में बुलाया। उन्होंने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड पर हुए हमले का उदाहरण ▶10 पर

ट्रंप के कन्वेंशन में एक मारा गया, दूसरा पकड़ा गया

वाशिंगटन, 17 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के मिल्वौकी में चल रहे रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन सेंटर के पास पुलिस ने एक हथियारबंद व्यक्ति को ढेर कर दिया। मिल्वौकी में चल रहे रिपब्लिकन पार्टी के नेशनल कन्वेंशन में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मौजूद थे। ट्रंप पर हाल ही में हुए जानलेवा हमले के बाद रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। मारे गए व्यक्ति की पहचान 43 वर्षीय सैमुअल शार्पे के रूप में हुई है। पुलिस ने कन्वेंशन में घुसने की कोशिश करते एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जिसके पास एके-47 राइफल थी और वह मास्क पहने हुए था। एक बैग भी मिला जिसमें कारतूस की एक पूरी भरी हुई मैगजीन भी बरामद हुई।

अग्निवीर योजना पर उठ रहे सवालों के बीच बड़ी घोषणा

हरियाणा में अग्निवीरों को 10 प्रतिशत आरक्षण

बिना ब्याज मिलेगा लोन

चंडीगढ़, 17 जुलाई (एजेंसियां)। अग्निवीर योजना पर उठ रहे सवालों के बीच हरियाणा सरकार ने अग्निवीरों के लिए बड़ी घोषणा की है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने ऐलान किया है कि अग्निवीरों को प्रदेश में 10 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। चंडीगढ़ स्थित हरियाणा निवास में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को प्रेस वार्ता के जरिए अग्निवीरों के लिए कई बड़ी घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में अग्निवीरों को प्रदेश में नौकरियों में भर्ती में छूट मिलेगी।

सीएम सैनी ने कहा कि लगभग दो साल पहले 14 जून 2022 को अग्निवीर योजना लागू की गई थी। इसके तहत चार वर्ष के लिए भारतीय सेना में तैनाती की जाती है। अग्निवीर योजना से स्किल्ड और एक्टिव युवा तैयार होता है। मुख्यमंत्री ने एलान किया कि अग्निवीरों को पुलिस कांस्टेबल, माइनिंग, गार्ड, जेल गार्ड और एसपीओ की भर्ती में 10 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। ग्रुप सी में तीन वर्ष की आयु में छूट दी जाएगी। ग्रुप बी में पांच प्रतिशत ग्रुप ए में एक प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा।

अग्निवीर सैनिकों को 500000 तक बिना ब्याज का लोन दिया जाएगा। सरकार अग्निवीर सैनिकों को यातायात दुर्घटना में घायल होने पर मुआवजा देगी। सड़क दुर्घटना में घायलों का पूरा खर्च भी सरकार उठाएगी। इसके लिए हर जिले में कमेटी का गठन किया गया है। अगर पीड़ित की मौत हो जाती है तो परिजनों को मुआवजा मिलेगा। इस खर्च का वहन हरियाणा रोड सेफ्टी फंड से किया जाएगा। इस स्कीम के तहत बीमाकृत तथा बीमा रहित वाहनों और टक्कर मारकर भागने वाले मोटर वाहन दुर्घटनाओं के पीड़ितों को कैशलेस उपचार की सुविधा प्रदान की जाएगी।

इसके अलावा सीएम सैनी ने कहा कि यदि कोई अग्निवीर अपना उद्यम स्थापित करेगा तो उसमे पांच लाख तक कोई ब्याज नहीं मिलेगा। अग्निवीरों को आर्म लाइसेंस दिया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस ने अग्निवीर योजना को लेकर दुष्प्रचार किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्निवीर प्रधानमंत्री की लोकहित योजना है। इसलिए कांग्रेस इसके बारे में लोगों को भ्रमित करने का काम कर रही है।

तेलंगाना को देश के लिए आदर्श बनना चाहिए: रेवंत

आज चार बजे किसानों को मिलेंगे एक लाख रुपए

हैदराबाद, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को कहा कि राज्य को देश के लिए एक आदर्श के रूप में काम करना चाहिए, विशेष रूप से कृषि नीति में। श्री रेड्डी ने बुधवार को प्रजा भवन में आयोजित एक बैठक में कहा कि गुरुवार (कल) उनके जीवन का एक यादगार दिन होगा, क्योंकि किसानों को कृषि ऋण माफी योजना के तहत चार बजे एक लाख रुपए मिलेंगे। उन्होंने घोषणा की कि सात हजार करोड़ रुपये सीधे किसानों के खातों में जमा किए जाएंगे और महीने के अंत तक किसानों के दो लाख रुपये में से 1.5 लाख रुपये तक के कर्ज माफ कर दिये जायेंगे। उन्होंने कहा कि जब गांधी परिवार कोई वादा करता है, तो वह पक्का होता है।

श्री रेड्डी ने गुरुवार को कर्ज माफी के मद्देनजर पार्टी के नेतृत्व में एक रैली आयोजित करने का फैसला किया। उन्होंने उल्लेख किया कि राज्य सरकार ने 15 अगस्त से पहले दो लाख रुपये तक के कृषि ऋण माफ करने की योजना बनाई थी, लेकिन ऐसा पहले ही कर रही ▶10 पर

तेल टैंकर पलटा, 13 भारतीय समेत 16 लापता

ओमान, 17 जुलाई (एजेंसियां)। ओमान के तट पर सोमवार को एक तेल टैंकर के पलटने के बाद 13 भारतीयों सहित 16 सदस्यों का चालक दल लापता हो गया। इस दल में अन्य तीन सदस्य श्रीलंकाई थे। देश के समुद्री सुरक्षा केंद्र (एमएससी) ने घटना की आधिकारिक पुष्टि की है। एमएससी ने कहा कि कोमोरोस के झंडे वाला तेल टैंकर बंदरगाह शहर डुकुम के पास रास मद्रका के 25 समुद्री मील दक्षिण पूर्व में पलट गया। भारतीय नौसेना के आईएनएस तेग को बचाव और तलाश के लिए भेजा गया है।

डुकुम का बंदरगाह ओमान के दक्षिण-पश्चिम तट पर स्थित है, जो ओमान की प्रमुख तेल और गैस खनन परियोजनाओं के पास है। इसमें एक प्रमुख तेल रिफाइनरी भी शामिल है, जो ओमान की सबसे बड़ी आर्थिक परियोजना और डुकुम के विशाल औद्योगिक क्षेत्र का हिस्सा है। जहाज की पहचान प्रेस्टीज फाल्कन के रूप में की गई है। एमएससी ने कहा, जहाज के चालक दल के सदस्य अब भी लापता हैं। तलाश जारी है। नौवहन से जुड़ी वेबसाइट मैरीटाइम ट्रैफिक के मुताबिक, तेल टैंकर यमन के बंदरगाह शहर अदन की ओर जा रहा था। इस जहाज का निर्माण 2007 में किया गया था। यह 117 मीटर लंबा है।

भारतीय नौसेना, ओमान की नौसेना के साथ मिलकर समुद्र में बचाव और राहत अभियान चला रही है। ओमान के तट पर पलटे तेल टैंकर की मदद के लिए भारतीय

भारत सरकार ने रेस्क्यू के लिए नौसैनिक पोत भेजा

नौसेना ने अपना युद्धपोत आईएनएस तेग और एक सर्विलांस विमान पी-8 आई को तैनात किया है। भारतीय नौसेना, ओमान की नौसेना के साथ मिलकर समुद्र में बचाव और राहत अभियान चला रही है। तेल टैंकर के क्रू में शामिल 16 सदस्य लापता हैं, जिनमें से 13 भारतीय हैं। जिस जगह तेल टैंकर पलटा, भारतीय युद्धपोत उसी क्षेत्र में परिचालन कर रहा था। जिसके बाद भारतीय युद्धपोत को 15 जुलाई को खोज और बचाव अभियान चलाने का निर्देश दिया गया था। युद्धपोत ने 16 जुलाई की सुबह पलटते हुए तेल टैंकर का पता लगा लिया था।

समुद्री सुरक्षा केंद्र के अनुसार, समुद्र में पलटे जहाज की पहचान प्रेस्टीज फाल्कन के रूप में हुई है। यह जहाज दुबई के हमरिया बंदरगाह से यमन के अदन बंदरगाह जा रहा था। कोमोरोस का झंडा लगा यह जहाज ओमान के तट पर रास मद्रकाह इलाके से समुद्र में करीब 46 किलोमीटर दक्षिण पूर्व में पलट गया। इसके 16 सदस्यीय चालक दल में 13 भारतीय और तीन श्रीलंकाई नागरिक हैं। चालक दल के सभी सदस्य लापता हैं। जहाज अभी भी समुद्र में पलटा हुआ है। जहाज से तेल लीक हुआ है या नहीं, अभी इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

अधिकारियों ने बताया कि कोमोरोस के झंडे वाले जहाज फाल्कन प्रेस्टीज ने 14 जुलाई 2024 को लगभग 2200 बजे ओमान के तट से संकट की सूचना भेजी थी। ओमान में ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 23^0

भ्रष्टाचार पर ज़ीरो टॉलरेंस की ढोल : भाजपा नेताओं ने ही खोली पोल

मोदी हों या योगी, सरकारें भ्रष्ट नौकरशाहों के चंगुल में

भाजपा कार्यकर्ताओं का भी काम रिश्वत के बगैर नहीं होता

भाजपा नेताओं ने तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार पर उठाई उंगली

लखनऊ, 17 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में मदमस्त नौकरशाही के भ्रष्टाचार में पगे होने के खिलाफ अब भाजपा नेताओं के स्वर मुखर होने लगे हैं। भाजपा विधायक श्याम प्रकाश ने कहा है कि भाजपा कार्यकर्ताओं का कोई भी काम बगैर रिश्वत दिए नहीं होता। श्याम प्रकाश उत्तर प्रदेश में हरदोई जिले की गोपामऊ विधानसभा सीट से विधायक हैं।

2014 के लोकसभा चुनाव में जब भाजपा ने एनडीए की ओर से नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री का चेहरा बनाया था, तब पार्टी की ओर से दिया गया एक नारा काफी चर्चित हुआ था। नारा था, बहुत हुआ भ्रष्टाचार अबकी बार मोदी सरकार। 2024 के चुनाव में भी पीएम मोदी ने कहा, हमारे तीसरे टर्म में भ्रष्टाचार पर प्रहार और तेज होगा, ये मोदी की गारंटी है। लेकिन भाजपा के नेताओं और विधायकों को ही मोदी की गारंटी पर भरोसा नहीं रहा। मोदी सरकार के केंद्र में 10 साल और उत्तर प्रदेश में योगी के 7 साल के शासन के बाद उत्तर प्रदेश में ही पार्टी के विधायक खुलकर भ्रष्टाचार होने की बात कह रहे हैं।

इस मामले में हुआ यह था कि हरदोई के एसपी केसी गोस्वामी का तबादला हो गया था। उनकी जगह पर बिजनौर के एसपी नीरज कुमार जादौन की नियुक्ति की गई थी। मंगलवार को भाजपा के जिला उपाध्यक्ष कर्मवीर सिंह चौहान ने टिप्पणी की कि हरदोई के जनप्रतिनिधि ▶10 पर

फिर भी भारत ईमानदार देशों में शुमार!

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। इस साल जनवरी में ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा जारी की गई रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 के लिए करप्शन परसेप्शन इंडेक्स (सीपीआई) में भारत 180 देशों में से 93वें स्थान पर है। इस सूची में डेनमार्क को शीर्ष पर रखा गया था, इसके बाद फिनलैंड, न्यूजीलैंड और नॉर्वे का नंबर था। यह इंडेक्स देशों को 1 से 100 के बीच रेटिंग देता है। इसके मुताबिक 1 सबसे ज्यादा भ्रष्ट है और 100 अत्यंत ईमानदार है। इस दृष्टिकोण से देखें तो भारत ईमानदार देशों में शामिल है। भारत की रेटिंग पर एक नामवर बुद्धिजीवी ने कटाक्ष किया, कहीं इस रेटिंग में भी तो भ्रष्टाचार नहीं चलता?

TIBCON CAPACITORS
It's all about SAVING ENERGY AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

भारत एक रणनीतिक साझेदार और अमेरिका इस सहयोग को बढ़ाने के लिए तत्पर, दोनों देशों के रिश्तों पर पेंटागन

वॉशिंगटन, 17 जुलई (एजेंसियां)।

अमेरिका का रक्षा विभाग आए दिन भारत के साथ अपने संबंधों को सराहाता दिखता है। एक बार फिर पेंटागन ने साफ कर दिया कि भारत एक रणनीतिक सहयोगी है और अमेरिका इस साझेदारी को विकसित करने के लिए तत्पर है।

भारत एक रणनीतिक...

पेंटागन के प्रेस सचिव पैट राइडर ने वाशिंगटन में एक संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, भारत एक रणनीतिक साझेदार है। हम इस साझेदारी को आगे विकसित होते देखना चाहते हैं।यूक्रेन-रूस संघर्ष पर राइडर ने कहा, जब बात यूक्रेन और रूस के अवैध कब्जे और यूक्रेन पर हमले की बात आती है। आखिरकार यह यूक्रेन पर निर्भर करता है कि वह कब शांति के लिए बातचीत करने के लिए तैयार है।

यूक्रेन के बिना कोई फैसला नहीं

उन्होंने आगे कहा, अभी हमारा ध्यान यूक्रेन के साथ काम करने पर है ताकि उन्हें अपने देश की रक्षा करने, अपनी संप्रभुता की रक्षा करने और अपने क्षेत्र को वापस लेने के लिए जरूरी मदद की जा सके। हालांकि, यूक्रेन के बिना यूक्रेन के बारे में कोई फैसला नहीं लिया जा सकता है।

सितंबर में होगा तीसरा सम्मेलन

एक अधिकारी ने पिछले महीने बताया था कि तीसरा इंडस-एक्स शिखर सम्मेलन सितंबर 2024 में सिलिकॉन वैली में होगा, जिसमें रक्षा नवाचार के लिए निजी पूंजी का इस्तेमाल करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। शिखर सम्मेलन की सह-मेजबानी यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा की जाएगी।

कुछ वर्षों में कई सुरक्षा समझौते

दोनों देशों ने पिछले कुछ वर्षों में कई रक्षा और सुरक्षा समझौते किए हैं, जिसमें 2016 में लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (एलईएमओए) भी शामिल है, जो उनकी सेनाओं को मरम्मत और आपूर्ति की पुन:पूर्ति के लिए एक-दूसरे के अड्डों का उपयोग करने की अनुमति देता है।

न्यूज ब्रीफ

रिपब्लिकन कन्वेंशन में विवेक रामास्वामी ने दिया ऐसा जोशीला भाषण एलन मस्क ने भी खूब की तारीफ

वॉशिंगटन। रिपब्लिकन कन्वेंशन में पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की दावेदारी में शामिल रहे विवेक रामास्वामी ने संबोधित किया। इस दौरान रामास्वामी ने जोशीले अंदाज में अमेरिकी सपने की बात की और लोगों से डोनाल्ड ट्रंप को समर्थन देने की अपील की। रामास्वामी ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ही इस देश को एकजुट कर सकते हैं। विवेक रामास्वामी के भाषण की तारीफ अरबपति बिजनेसमैन एलन मस्क ने भी की है। विवेक रामास्वामी ने दिया जबरदस्त भाषण रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन को संबोधित करते हुए विवेक रामास्वामी ने कहा कि अगर आप देश में कानून व्यवस्था को फिर से स्थापित करना चाहते हैं तो ट्रंप को वोट करें। अगर आप इस देश की अर्थव्यवस्था को एकजुट करना चाहते हैं, अमेरिका को फिर से महान देश बनाना चाहते हैं तो ट्रंप को वोट करें। ट्रंप को वोट करने का एक कारण ये भी है कि डोनाल्ड ट्रंप सिर्फ शब्दों से नहीं बल्कि एक्शन से देश को एक कर सकते हैं और अमेरिका की पहचान यही है। रामास्वामी ने कहा कि अगर आप मेरी कही हर बात से असहमत हैं तो हमारा संदेश आपके लिए यही है - हम फिर भी आपके कहने के अधिकार की रक्षा करेंगे क्योंकि हम अमेरिकी होने के नाते ऐसे ही हैं। हम एक ऐसा देश हैं जहां हम पूरी तरह असहमत हो सकते हैं और फिर भी खाने की मेज पर साथ मिल सकते हैं। यही अमेरिकी होने का मतलब है। मस्क ने की तारीफ विवेक रामास्वामी के भाषण की मशहूर अरबपति एलन मस्क ने भी तारीफ की। विवेक रामास्वामी के भाषण की एक क्लिप सोशल मीडिया पर साझा करते हुए मस्क ने लिखा कि बहुत अच्छी बात कही। रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन की शुरुआत हुई थी। रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन अप्रवासन का मुद्दा उठा। बता दें कि रिपब्लिकन पार्टी और डोनाल्ड ट्रंप के एजेंडे में अवैध अप्रवासियों का मुद्दा सबसे अहम है। इस मुद्दे की वजह से रिपब्लिकन पार्टी की लोकप्रियता में भी उछाल आया है। उन परिवारों के बारे में जिक्र किया गया, जो अवैध अप्रवासियों द्वारा किए गए अपराध के पीड़ित हैं। इन्हीं में से एक मैरीलैंड की एक महिला राहेल मोरिन का परिवार भी शामिल हैं। मोरिन को अल सल्वाडोर के एक अवैध अप्रवासी ने दुष्कर्म के बाद मार डाला था।

संयुक्त राष्ट्र की नई रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा, पृथ्वी पर तेजी से गहरा रहा तिहरा संकट

संयुक्त राष्ट्र, 17 जुलई (एजेंसियां)।

वैश्विक स्तर पर मौजूदा दौर में ऐसे आठ महत्वपूर्ण बदलाव हो रहे हैं, जिनसे पृथ्वी पर मंडराते तिहरे संकटों (जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण व कचरा) के गहराने की गति तेज हो रही है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) और अंतरराष्ट्रीय विज्ञान परिषद (आईएससी) की एक नई रिपोर्ट में यह निष्कर्ष साझा किया गया है।

कोई भी देश रास्ते से आसानी से भटक सकता

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण एजेंसी की कार्यकारी निदेशक इंगेर ऐंडरसन ने कहा कि हम भूराजनैतिक उथलपुथल की पृष्ठभूमि में जिस तरह से बदलाव की तेज रफ़्तार, अनिश्चितता और टेक्नोलॉजी के विकास को देख रहे हैं, इसका अर्थ है कि कोई भी देश रास्ते से आसानी से भटक सकता है।

मानव गतिविधियों की वजह से नुकसान - मानव गतिविधियों की वजह से प्राकृतिक जगत का नुकसान हो रहा है। यही नहीं, कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) जैसी टैक्नॉलॉजी को इस्तेमाल में लाया जा रहा है। प्राकृतिक संसाधनों के लिए स्पर्धाएं और विषमताएं बढ़ती जा रही हैं और संस्थाओं में भरोसा खत्म होता जा रहा है। वैश्विक अग्रदृष्टि रिपोर्ट के अनुसार, ये सभी चुनौतियां आने वाले समय के लिए एक ऐसे संकट को तैयार कर रही हैं, जिसका मानवता और पृथ्वी पर खतरनाक प्रभाव पड़ सकता है। 18 संकेतकों की पहचान इन आठ बड़े बदलावों के साथ-साथ इस रिपोर्ट में बदलाव के 18 संकेतकों की पहचान की गई है, जिन्हें वैश्विक विशेषज्ञों ने क्षेत्रीय व हितधारकों के साथ विचार-विमर्श के बाद चिह्नित किया है। ये संकेतक भविष्य में संभावित व्यवधानों के प्रति सचेत करते हैं, ताकि दुनिया इनसे निपटने के लिए पहले से तैयार कर सके। इनमें अति-महत्वपूर्ण दुर्लभ पृथ्वी तत्वों, खनिजों व धातुओं के लिए बढ़ती मांग, गहरे समुद्र और स्ट्रैटोस्फ़ेयर से परे अंतरिक्ष में खनन की योजनाएं हैं। मगर, इन सभी गतिविधियों से प्रकृति व जैवविविधता के लिए खतरा उत्पन्न होने की आशंका है। प्रदूषण व कचरा बढ़ सकता है। पर्माफ्रोस्ट पिघल रही गर्माती जलवायु के कारण 'पर्माफ्रोस्ट', कम से कम दो वर्ष तक जमी रहने वाली भूमि की सतह, पिघल रही है, जिसका बड़े पैमाने पर पर्यावरण, पशुओं व मनुष्यों पर असर हुआ है। इस प्रक्रिया से पुरातन काल से जमे हुए ऐसे जीव बाहर आ रहे हैं, जोकि रोगजनक हो सकते हैं। एक बार पहले ही यह रूस के विशाल साइबेरिया क्षेत्र में एंथ्रैक्स के प्रकोप की वजह बन चुका है। यह बैक्टीरिया से होने वाली एक गंभीर संक्रामक बीमारी है।सशस्त्र टकरावों व हिंसा के उभरने, मानव स्वास्थ्य व पर्यावरण पर असर के अलावा जबरन विस्थापन मामलों को बदलाव के अहम संकेतम के रूप में चिह्नित किया गया है। इन उभरते हुए संकटों के बावजूद, रिपोर्ट बताती है कि बेहतर समाधानों व उपकरणों को साथ लेकर चलना, भावी व्यवधानों को समझने और उनसे निपटने की तैयारी करने का सर्वोत्तम तरीक़ा है। अंतरराष्ट्रीय विज्ञान परिषद के प्रमुख पीटर ग्लुकमैन ने कहा, अग्रदष्टि औजारों के एक उपयोगी पुलिन्दे को प्रदान करती है, ताकि अल्पकालिक समझ से बाहर निकल, भावी अवसरों व जोखिमों को चिह्नित किया जा सके और इसे वास्तव में बहुलतापूर्ण ढंग से किया जाना चाहिए। उपायों पर फिर से सोचना जरूरी इन बहुलवादी तौर-तरीकों को सुनिश्चित करने के लिए अनेक सिफरिशों को पेश किया गया है, जिनमें एक नए सामाजिक अनुबंध को अपनाया जाना भी है, ताकि विविध हितधारकों के साथ संपर्क व बातचीत को बढ़ावा दिया जा सके। इनमें आदिवासी जन को शामिल करना, युवजन को अपनी आवाज बुलंद करने का अवसर प्रदान करना और सकल घरेलू उत्पाद से आगे बढ़ करके प्रगति के लिए उपायों को फिर से सोचना भी हैं। यूनेप प्रमुख ऐंडरसन ने कहा कि बदलाव के इन संकेतकों की निगरानी और अग्रदृष्टि तौर-तरीकों के इस्तेमाल के जरिये, दुनिया अतीत की गलतियों को दोहराने से बच सकती है।

अफगानिस्तान में तूफान से 35 लोगों की मौत , 230 लोग घायल, 400 घर बर्बाद हुए

काबुल। अफगानिस्तान में मसूलाधार बारिश, ओलावृष्टि के साथ आए तूफान से 35 लोगों की जान चली गई जबकि 230 लोग घायल हो गए हैं। खामा प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, जलालाबाद शहर और नंगरहार प्रांत के आसपास के इलाकों में 400 से ज्यादा घर तबाह हो गए हैं। सूचना एवं संस्कृति विभाग ने जानमाल की पुष्टि की सूचना एवं संस्कृति विभाग ने नंगरहार के कई जिलों में हुई जानमाल की हानि की पुष्टि की है। सरकार ने जानकारी देते हुए बताया कि प्राकृतिक आपदा के बाद प्रभावित समुदायों के पुनर्वास के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए कार्रवाई की जा रही है। तेज बारिश और ओलावृष्टि से हुई तबाही प्रभावित लोगों के दर्द को कम करने और क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे को बहाल करने के लिए ठोस राहत उपायों की लगातार कोशिश की जा रही है। प्रारंभिक रिपोर्टों के मुताबिक लगभग चार सौ घर नष्ट हो गए हैं। जिसमें निवासियों और व्यवसायों को काफी वित्तीय नुकसान हुआ हैं। हालांकि मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है। सरकार बोली- हर जरूरतमंद को मदद पहुंचाने की कोशिश जारी अफगानी मीडिया के मुताबिक अधिकारी यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं कि हर जरूरतमंद को वह सहायता मिले जिसकी उन्हें जरूरत है।

अमेरिकी सीनेटर बॉब मेनेंडेज रिश्वतखोरी मामले में दोषी करार विदेशी एजेंट होने के लगे थे आरोप

वॉशिंगटन, 17 जुलई (एजेंसियां)।

अमेरिकी सीनेटर बॉब मेनेंडेज को रिश्वतखोरी मामले में दोषी करार दिया गया है। मेनेंडेज पर अपने पद के गलत इस्तेमाल और उद्योगपतियों को गलत फायदा पहुंचाने के एवज में रिश्वत लेने का दोषी पाया गया है। न्यूयॉर्क सिटी की एक संघीय अदालत ने बॉब मेनेंडेज को दोषी करार दिया।

विदेशी एजेंट होने के लगे थे आरोप

नौ हफ्ते तक चली सुनवाई के बाद अभियोजकों ने बॉब मेनेंडेज के खिलाफ सबूत पेश किए। जिनमें दावा किया गया कि न्यूजर्सी के डेमोक्रेट सांसद बॉब मेनेंडेज ने अपने पद का गलत इस्तेमाल किया। साथ ही अपने सहयोगियों को आपराधिक जांच से बचाया और अपने सहयोगियों और अपनी पत्नी को गलत तरीके से फायदा पहुंचाया। बॉब मेनेंडेज पर मिस्त्र के खुफिया विभाग के अधिकारियों से मिलने के भी आरोप लगे थे। आरोप था कि बॉब मेनेंडेज ने मिस्त्र को अमेरिका से करोड़ों डॉलर की सैन्य मदद दिलाने में मदद की। इसके चलते मेनेंडेज पर विदेशी एजेंट होने के भी आरोप लगे थे। इस्तीफे की उठी मांग मेनेंडेज पर विदेशी सरकारों और व्यापारिक सहयोगियों को फायदा पहुंचाने के एवज में सोने की छड़ें, एक मर्सिडीज कार और लाखों डॉलर नकद स्वीकार करने का आरोप था। बॉब मेनेंडेज कभी अमेरिकी संसद की शक्तिशाली विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष थे और अमेरिकी संसद के वरिष्ठ सांसदों में उनका शुमार होता है। न्यूयॉर्क की ज्यूरी ने 70 वर्षीय बॉब मेनेंडेज को सभी 16 मामलों में दोषी ठहराया। साथ ही मेनेंडेज के सहयोगी वेल हाना और फ्रेड डेब्स को भी दोषी ठहराया गया। बॉब मेनेंडेज को रिश्वत मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद डेमोक्रेट नेता चक शूमर ने उनके इस्तीफे की मांग की है। सीनेट में दूसरे नंबर के नेता डेमोक्रेट सीनेटर डिक डर्बिन ने भी मेनेंडेज से इस्तीफा मांगा है। मिस्त्र को फायदा पहुंचाने के आरोप अभियोजकों ने कहा कि सीनेटर मेनेंडेज ने मिस्त्र सरकार की ओर से एक विदेशी एजेंट के रूप में काम करने की साज़िश रची थी, जो अमेरिकी सैन्य सहायता के सबसे बड़े प्राप्तकर्ताओं में से एक है। मेनेंडेज़ पर आरोप है कि उन्होंने 2018 में व्यक्तिगत रूप से एक पत्र का मसौदा तैयार किया था, जिसे बाद में मिस्त्र के एक लॉबिस्ट ने सीनेटरों को भेजा था।

कमला हैरिस हो सकती हैं अमेरिका की राष्ट्रपति! बाइडन ने सियासी गलियारों में चल रही चर्चाओं को दी हवा

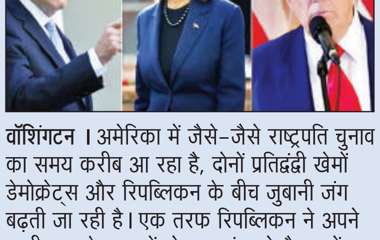

वॉशिंगटन। अमेरिका में जैसे-जैसे राष्ट्रपति चुनाव का समय करीब आ रहा है, दोनों प्रतिद्वंद्वी खेमों डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन के बीच जुबानी जंग बढ़ती जा रही है। एक तरफ रिपब्लिकन ने अपने उम्मीदवार के रूप में डोनाल्ड ट्रंप को मैदान में उतारा है। वहीं डेमोक्रेट्स ने आधिकारिक तौर पर अपने उम्मीदवार के नाम का एलान नहीं किया है। ऐसे में फिलहाल जो बाइडन और कमला हैरिस के नाम को लेकर संदेह बना हुआ है। कुछ रिपोर्ट में सामने आया है कि पार्टी के भीतर बाइडन को हटाने की मांग चल रही है। इस बीच, राष्ट्रपति जो बाइडन ने खुद कुछ ऐसा कह दिया कि सियासी गलियारों में हलचल पैदा हो गई है। चुनाव की दौड़ से हटाने की मांग बाइडन ने एनएएसीपी के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रपति बन सकती हैं। राष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब उन्हें चुनाव की दौड़ से हटाने को लेकर लगातार मांग चल रही है। 81 साल के डेमोक्रेट्स नेता ने मजे लेते हुए कहा, वह न केवल एक अच्छी उपराष्ट्रपति ही हैं, बल्कि अमेरिका की राष्ट्रपति भी हो सकती हैं।

बैंकॉक के लग्जरी होटल में दो अमेरिकी समेत छह की संदिग्ध मौत, जहर दिए जाने का शक, जांच में जुटी पुलिस

बैंकॉक। थाईलैंड के राजधानी शहर बैंकॉक में एक लग्जरी होटल के कमरे में छह लोग मृत पाए गए। पुलिस अधिकारियों को शक है कि इन लोगों को जहर दिया गया होगा। थाईलैंड के प्रधानमंत्री श्रेथा थाविसिन ने कहा कि मृतकों में से दो वियतनामी मूल के अमेरिकी हैं। जबकि चार वियतनामी नागरिक हैं। खबर के मुताबिक, मेट्रोपॉलिटन पुलिस ब्यूरो के मुख्य जांचकर्ता मेजर जनरल थीरादेज थुमसुथी ने बताया कि मृतकों में तीन पुरुष और तीन महिलाएं हैं। उन्होंने बताया कि घटनास्थल की प्रारंभिक जांच में यह माना जा रहा है कि उन्हें जहर दिया गया था। थीरादेज ने कहा कि इस बात के संकेत हैं कि सभी छह लोगों ने कॉफी या चाय पी थी। उन्होंने कहा कि शुरुआती पोस्टमॉर्टम में चोट के कोई निशान नहीं मिले। इसके अलावा, एक गाइड से भी पूछताछ की जा रही है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस आयुक्त लेफ्टिनेंट जनरल थिति सेंगसावांग ने पत्रकारों को बताया कि उनसे संघर्ष के कोई संकेत नहीं मिले हैं।

रिपब्लिकन सम्मेलन में प्रतिनिधियों ने ट्रंप के लिए दिखाई एकजुटता, कान में पट्टी बांधकर पहुंचे सांसद

वॉशिंगटन, 17 जुलई (एजेंसियां)।

अमेरिका में इस साल नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होने वाला है। राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को प्रबल दावेदार माना जा रहा है। पेंसिल्वेनिया में एक रैली के दौरान पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर हमला किया गया। इस हमले में डोनाल्ड ट्रंप घायल हो गए थे। इस घटना के बाद रिपब्लिकन नेशनल कंवेंशन में एरिजोना के स्टेसी गुडमैन और जो नेग्लिया समेत कई प्रतिनिधियों को कान पर पट्टी बांधे हुए देखा गया। यह पट्टी हमले के बाद ट्रंप द्वारा पहनी गई पट्टी की तरह ही थी। मीडिया से बात करते हुए जो नेग्लिया ने कहा, जब कल वह आए तो मैंने सोचा कि सच्चाई का सम्मान करने के लिए मैं क्या कर सकता हूं भी मेरा ध्यार उनकी पट्टी पर गया और मैंने सोचा मैं ऐसा कर सकता हूं। इसलिए मैंने इसे केवल ट्रंप का सम्मान करने के लिए लगाया है। नेग्लिया ने आगे कहा कि उन्होंने मिल्वौकी के रास्ते में पट्टियाँ बनाईं। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप के दाहिने कान पर पट्टी बंधी है। प्रतिनिधियों ने ट्रंप का गर्मजोशी से किया स्वागत आरएनसी में प्रतिनिधियों की तरफ से डोनाल्ड ट्रंप का एकर बार फिर से गर्मजोशी से स्वागत किया गया। यहां सांसदों ने आप्रवासन, अपराध और फेंटेनाइल संकट के बारे में चर्चा की। इस दौरान ट्रंप के साथ उनके नए साथी ओहियो के सीनेटर जेडी वेंस भी थे। दरअसल, उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए ट्रंप ने रिपब्लिकन उम्मीदवार के तौर पर जेटी वेंस के नाम का समर्थन किया। इस सम्मेलन के दूसरे दिन पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सीनेटर टेड क्रूज़, अर्कांसस गवर्नर सारा हकाबी सैंडर्स, फ्लोरिडा सीनेटर मार्को रुबियो, आवास और शहरी विकास के पूर्व सचिव बेन कार्सन और उनकी बहू लारा ट्रम्प को सुनने के लिए सटिक समय पर पहुंचे। उन्होंने निकी हेली की भी बात सुनी, जो राष्ट्रपति की दौड़ से बाहर होने वाली उनकी एक प्रतिद्वंद्वी थी।

इमरान की पीटीआई पर बैन की तैयारी, विरोध में उतरे नवाज की पार्टी के नेता, बोले-ऐसे परेशानी हल नहीं होगी

इस्लामाबाद, 17 जुलई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई को गैरकानूनी घोषित करने की योजना बना रही है। इस बीच, सत्तारूढ़ पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि सियासी दलों को गैरकानूनी बनाना किसी भी मुद्दे को हल करने का तरीका नहीं है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी के नेता जावेद लतीफ ने कहा कि स्थानीय राजनीतिक दल राष्ट्र और राज्य का समर्थन करते हैं।

उन्होंने दलील दी कि जो लोग राज्य के लिए खतरा पैदा करते हैं, उन्हें राष्ट्रीय राजनीतिक संगठनों के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने राष्ट्रीय विकास को आगे बढ़ाने वाले दलों की पहचान करने और सरकार को कमजोर करने वाली गोपनीय ताकतों को उजागर करने की जरूरत पर जोर दिया। लतीफ ने पाकिस्तान की मौजूदा स्थिति की तुलना केन्या से की और चेतावनी दी कि राष्ट्रीय राजनीतिक दलों को कमजोर करने से लोकतंत्र को खतरा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या कोई राष्ट्रीय दल या नेता इस तरह के कृत्यों के लिए जवाबदेह हो सकता है। उन्होंने नौ मई की घटना की भी निंदा की।

सियासी दलों से बातचीत के बाद लिया जाएगा फैसला वहीं, पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी पर प्रतिबंध लगाने का फैसला राजनीतिक दलों के साथ बातचीत के बाद किया जाएगा। मीडिया से बात करते हुए डार ने आरोप लगाया कि पीटीआई सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन से महंगाई बढ़ी। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने और महंगाई को कम करने की कोशिश के गठबंधन सरकार देश को दिवालिया होने से बचाने में कामयाब रही। डार ने आगे कहा कि चुनाव आयोग के पास सबूत हैं कि पीटीआई को बाहरी स्त्रोतों से पैसा मिलता है। उन्होंने कानून और संविधान का पालन करने की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि संघीय सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार द्वारा की गई हालिया टिप्पणी के बारे में किसी भी फैसले की समीक्षा पहले सहयोगियों के साथ की जाएगी।

अमेरिका में बच्चे गोलीबारी में ज्यादा मरते हैं, ट्रंप पर हुए हमले के बाद बंदूक संस्कृति के खिलाफ बाइडन

वॉशिंगटन, 17 जुलई (एजेंसियां)।

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए राष्ट्रपति जो बाइडन ने उनकी नीतियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने लाखों काले अमेरिकियों को स्वास्थ्य बीमा सेवा से बाहर करने के लिए ओबामाकेयर को रद्द किया। उन्होंने दो ट्रिलियन डॉलर की टैक्स कटौती की। अमेरिका में इस साल नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होने वाला है। इस चुनाव में राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मुख्य उम्मीदवार माने जा रहे हैं। पिछले हफ्ते चुनाव प्रचार के दौरान ट्रंप पर गोली चलाई गई थी। ट्रंप की हत्या के प्रयास के बाद राष्ट्रपति जो बाइडन ने स्थिति को आश्चर्यजनक बताया। उन्होंने अमेरिका में बंदूक संस्कृति को लेकर एक बड़ा बयान दिया। बाइडन ने कहा कि अमेरिका में बच्चे किसी अन्य कारणों की तुलना में गोलीबारी में ज्यादा मारे जाते हैं। उन्होंने यह बयान लास वेगस में एनएएसीपी राष्ट्रीय सम्मेलन में दिया। राष्ट्रीय सम्मेलन में राष्ट्रपति बाइडन ने लोगों से अमेरिका की सड़कों से हथियार हटाने का आह्वान किया। इसके अलावा उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों की भी आलोचना की। बाइडन ने कहा, अमेरिका में बच्चे किसी अन्य कारणों की तुलना में गोलीबारी में ज्यादा मारे जाते हैं। यह बहुत आश्चर्यजनक है। अगर हम इसके बारे में कुछ नहीं करते हैं तो यह कायरता है। अगर आप अमेरिका में हिंसा के खिलाफ खड़े होना चाहते हैं तो युद्ध के इन हथियारों को अमेरिका की सड़कों से हटाने के लिए मेरे साथ शामिल हों। बाइडन ने की ट्रंप की नीतियों की आलोचना पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए राष्ट्रपति जो बाइडन ने उनकी नीतियों की आलोचना की। उन्होंने कहा, ट्रंप ने लाखों काले अमेरिकियों को स्वास्थ्य बीमा सेवा से बाहर करने के लिए ओबामाकेयर को रद्द किया। उन्होंने दो ट्रिलियन डॉलर की टैक्स कटौती की। ऐसा करने से अमीर और बड़े निगम को बहुत लाख हुआ। यह किसी भी राष्ट्रपति के कार्यकाल में संघीय टैक्स में भारी वृद्धि है। उन्होंने ट्रंप को महामारी के कुप्रबंधन के लिए भी जिम्मेदार ठहराया। ट्रंप पर निशाना साधते हुए राष्ट्रपति बाइडन ने कहा, हमें जो करना चाहिए, इसके लिए उन्होंने (ट्रंप) कोई जगह नहीं छोड़ी। उन्होंने उन चीजों में निवेश किया, जो लोगों के जीवन को प्रभावित करती है। महामारी का यह कुप्रबंधन काले लोगों के लिए विनाशकारी था। बाइडन ने आगे कहा, जैसा कि हैरी ट्रूमैन ने कहा था, मैंने कभी किसी को नरक नहीं भेजा। मैंने केवल सच कहा, और सभी को लगा कि यह नरक है। खैर, बात ये है कि क्यों डौनाल्ड ट्रंप का कार्यकाल काले लोगों के लिए नरक बन गया था।

सरकारी नौकरियों में आरक्षण के मुद्दे पर हिंसक हुआ प्रदर्शन, छह की मौत, बंद करने पड़े स्कूल-कॉलेज

ढाका। बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्रणाली में सुधार की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई। इसमें तीन छात्रों सहित छह लोगों की मौत हो गई। जबकि 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए। चटगांव और रंगपुर में चार मौतें हुईं। बाद में पुलिस और प्रमुख समाचार समूहों ने ढाका और चटगांव में दो और लोगों की मौत की सूचना दी। खबरों के मुताबिक, आरक्षण प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर बांग्लादेश के प्रमुख शहरों में सड़कों पर विरोध प्रदर्शन हो रहे थे। इन प्रदर्शनों ने हिंसक रूप ले लिया। मृतको में कम से कम तीन छात्र शामिल हैं। जबकि करीब 400 अन्य घायल हुए। देशभर के सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के परिसरों में रातभर हिंसा भड़कने के बाद अधिकारियों ने चार प्रमुख शहरों में अर्द्धसैनिक बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के जवानों को बुला लिया। सरकार ने बढ़ती हिंसा के बीच स्कूलों और कॉलेजों को अगले आदेश तक बंद रखने का आदेश दिया है। देश के शिक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा, माध्यमिक और उच्च शिक्षा विभाग के दायरे में आने वाले सभी स्कूल, कॉलेज, मदरसे और पॉलिटेक्निक संस्थान छात्रों की सुरक्षा को देखते हुए अगले आदेश तक बंद रहेंगे। हिंसा ने आमतौर भीड़भाड़ वाली राजधानी को लगभग खाली कर दिया। शहर में अज्ञात लोगों ने दो बसों को आग लगाई गई, जब कई हिस्सों छिटपुट हिंसक झड़पें हुईं। जिससे सड़कों पर जाम लग गया और हजारों लोग सड़कों और अपने कार्यस्थलों पर फंस गए। झड़पें तब शुरू हुईं, जब सत्तारूढ़ अवामी लीग की छात्र शाखा के कार्यकर्ताओं का प्रदर्शनकारियों से आमना-सामना हुआ। प्रदर्शनकारियों इस बात पर जोर दे रहे थे कि मौजूदा आरक्षण प्रणाली सरकारी सेवाओं में मेधावी छात्रों के नामांकन पर रोक लगा रही है।

औषधि के उच्च मानक तय करना जरूरी : नड्डा

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने बुधवार को कहा कि औषधियों, सौंदर्य प्रसाधनों और चिकित्सा उपकरणों की विश्व स्तर पर गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए निरंतर उद्योगों से विचार विमर्श किया जाना चाहिए।

श्री नड्डा ने यहां औषधि चिकित्सा उपकरण और सौंदर्य प्रसाधन के नियामकों की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भारत को वैश्विक प्रतिष्ठा विश्व की फार्मेसी के अनुरूप औषधि विनियमन में वैश्विक नेता बनने के लिए, अपने परिचालन के पैमाने और अंतर्राष्ट्रीय अपेक्षाओं से मेल खाने वाले विश्व स्तरीय विनियामक ढांचे की आवश्यकता है। उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चंद्रा, भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) डॉ. राजीव सिंह रघुवंशी और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) तथा मंत्रालय के वरिष्ठ

अधिकारी मौजूद थे।

श्री नड्डा ने सीडीएससीओ पर अपने अनिवार्य क्रियाकलापों में वैश्विक मानकों को प्राप्त करने के लिए समय सीमा के साथ एक योजना तैयार करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एकरूपता, तकनीकी उन्नयन और भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण के उच्चतम मानकों पर ध्यान केंद्रित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि निर्यात की जा रही दवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए उचित प्रक्रिया तैयार की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि वैश्विक मानकों को प्राप्त करने के लिए, सी.डी.सी.एस.ओ. तथा औषधि एवं चिकित्सा उपकरण उद्योग में प्रक्रियाओं की पारदर्शिता पर ध्यान केन्द्रित करना होगा। उन्होंने कहा कि औषधि नियामक निकाय तथा उद्योग दोनों को पारदर्शिता के उच्चतम सिद्धांतों पर काम करना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि भारत में निर्मित तथा बेचे जाने वाले उत्पाद वैश्विक गुणवत्ता मानकों के उच्चतम मानकों को पूरा करते हों। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि दवा और चिकित्सा उपकरण उद्योग के साथ निरंतर संवाद बनाए रखना महत्वपूर्ण है, ताकि उनके मुद्दों को समझा जा सके और गुणवत्ता अपेक्षाओं और मानकों को पूरा करने के लिए उनका सहयोग किया जा सके।औषधि निर्माण में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र और गुणवत्ता मानकों को पूरा करने के लिए लघु उद्योगों के सामने आने वाली समस्याओं के विषय पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र के सामने आने वाली समस्याओं को समझा जाना चाहिए और उनकी क्षमता और उत्पादों की गुणवत्ता को मजबूत करने के लिए सहयोग करना चाहिए।

महाराष्ट्र में सीएम शिंदे ने चालू की लाडला भाई योजना

पंढरपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में चुनाव नजदीक आते ही एकनाथ शिंदे सरकार ने बेरोजगार युवाओं के लिए सरकारी खजाना खोल दिया है। लाडली बहना योजना की तर्ज पर अब लाडला भाई योजना लाई गई है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पंढरपुर के विट्ठल मंदिर में महापूजा के बाद मीडिया को इसकी जानकारी दी।

लाडला भाई योजना के तहत बारहवीं पास करने वाले युवाओं को छह हजार रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे। इस योजना के तहत डिप्लोमा करने वाले युवाओं को आठ हजार रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे। वहीं, ग्रेजुएट युवाओं को दस हजार रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे।

सीएम शिंदे ने कहा कि इस योजना के तहत हमारी सरकार हमारे राज्य के युवाओं को कारखानों में अप्रेंटिस करने के लिए पैसे देने जा रही है। इससे वे

कुशल होंगे। इतिहास में पहली बार किसी सरकार ने ऐसी योजना पेश की है। इस योजना के माध्यम से हमने बेरोजगारी का समाधान ढूंढ लिया है। इस योजना के माध्यम से युवा अन्य कारखानों में अनुभव और कुशलता हासिल करेंगे। अब महाराष्ट्र सरकार उन्हें बेरोजगारी से उबरने के लिए वजीफा देगी।

बता दें कि महाराष्ट्र में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की इस घोषणा को इसी से जोड़कर देखा जा रहा है। लोकसभा चुनाव में भाजपा, शिवसेना और एनसीपी के सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। इसके पीछे युवाओं में बेरोजगारी को लेकर बढ़ती नाराजगी को मुख्य वजह बताया गया था। दूसरी ओर, विपक्षी महाविकास अघाड़ी गठबंधन भी लगातार बेरोजगारी के मुद्दे को उठाता रहा है। ऐसे में शिंदे सरकार की इस घोषणा को विपक्ष के इस हथियार की काट के तौर पर देखा जा रहा है।

असम में बाल विवाह में 81 प्रतिशत की आई कमी

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। असम सरकार की सख्त और त्वरित कार्रवाई से राज्य में बाल विवाह में 81 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस के अवसर पर बुधवार को यहां जारी की गई रिपोर्ट टूवार्ड्स जस्टिस : इंडिंग चाइल्ड मैरेज के अनुसार असम में कानूनी कार्रवाई से बाल विवाह में 81 प्रतिशत की कमी आई है। राज्य के 30 प्रतिशत गांवों में बाल विवाह के पूरी तरह खत्म हो गए हैं और 40 प्रतिशत गांवों में इसमें उल्लेखनीय कमी आई है।

यह रिपोर्ट गैर सरकारी संगठन इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन के एक अध्ययन दल ने तैयार की है। असम और देश के बाकी हिस्सों से जुटाए गए आंकड़ों के अध्ययन के बाद तैयार की गई इस रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2021-22 से वर्ष 2023-24 के बीच असम में बाल विवाह के मामलों में 81 प्रतिशत की कमी आई है।

झारखंड सरकार विदेशी घुसपैठियों को दे रही संरक्षण : शिवराज चौहान

रांची, 17 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि मंत्री और झारखंड भाजपा के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार पर जोरदार जुबानी हमला बोला। रांची के हटिया विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की विजय संकल्प सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस सरकार ने बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण दे रखा है। इस वजह से राज्य की डेमोग्राफी बुरी तरह प्रभावित हुई है। अगर इस विधानसभा चुनाव के बाद यह सरकार फिर आ गई तो यह तय है कि इस राज्य के मूल निवासी आने वाले दिनों में अल्पसंख्यक होकर रह जाएंगे।

चौहान ने कहा कि इस राज्य की संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों को बचाने के लिए विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत जरूरी है। लोकसभा चुनाव में हमने राज्य की 14 में से 9 सीटें जीतीं और 81 में 50 विधानसभा सीटों पर बढ़त हासिल की। विधानसभा

चुनाव में भी हम महाविजय प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव का परिणाम साधारण परिणाम नहीं है, तभी तो तीसरी बार मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बने हैं। पीएम मोदी जी की गारंटी पर जनता ने मुहर लगाई है। सामने वाले 99 पर खुश हैं। आप इसी पर खुश रहिए, शासन हम चलाते रहेंगे। कृषि मंत्री ने कहा कि पांच साल पहले जब राज्य में रघुवर दास के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार थी, तो उस वक्त राज्य के किसानों को खेती के लिए प्रति एकड़ पांच हजार रुपए की आर्थिक मदद दी जाती थी। मौजूदा सरकार ने इसे खत्म कर दिया। इसी तरह उन्होंने महिलाओं के नाम पर पचास लाख तक की प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री मात्र एक रुपए में करने की व्यवस्था लागू की थी। इस सरकार ने महिलाओं से उनकी यह सहुलियत भी छीन ली। मोदी जी की सरकार ने राज्य में जल नल योजना के लिए करोड़ों की राशि दी, लेकिन इस सरकार ने उसका दुरुपयोग किया। इस राज्य में जल नल योजना की हालत सबसे बुरी है। चौहान ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार ने अपना एक भी वादा पूरा नहीं किया। उन्होंने राज्य में आपराधिक घटनाओं का आंकड़ा पेश करते हुए कहा कि हत्या, लूट, बलात्कार और दंगे की घटनाएं बेतहाशा बढ़ी हैं।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मिले विष्णुदेव साय नई परियोजना जल्द शुरू करने का किया आग्रह

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बुधवार को नई दिल्ली में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर राज्य की विभिन्न नई रेल परियोजनाओं पर चर्चा की। रेल भवन में हुई बैठक में मुख्यमंत्री साय ने राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए रेल नेटवर्क के विस्तार की आवश्यकता पर जोर दिया।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने रेल मंत्री वैष्णव से राज्य की चार प्रमुख रेल परियोजनाओं- धर्मजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा नई लाइन परियोजना, अंबिकापुर-बरवाडीह नई लाइन परियोजना, खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा नई रेल लाइन परियोजना और रावघाट-जगदलपुर नई रेल लाइन परियोजना को जल्द शुरू करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री साय ने बताया कि धर्मजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा

नई लाइन परियोजना क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है। यह पत्थलगांव, कुनकुरी, जशपुर नगर, गुमला आदि महत्वपूर्ण शहरों को जोड़ती है। यह उत्तरी छत्तीसगढ़ क्षेत्र को झारखंड से जोड़ेगी और कोरबा-धर्मजयगढ़ परियोजना का कार्य प्रगति पर है। इस परियोजना के माध्यम से औद्योगिक (कोरबा) क्षेत्र को लोहरदगा से जोड़ने की योजना है। इसके अतिरिक्त, यह क्षेत्र को पूर्व में कोरबा और रांची से होकर मध्य भारत से जोड़ेगी। परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 16,000 करोड़ रुपए है।

अंबिकापुर-बरवाडीह नई लाइन परियोजना को लेकर उन्होंने जानकारी दी कि इस परियोजना की मांग आजादी से पहले 1925 में की गई थी। लेकिन, 1948 में मंजूरी मिलने के बावजूद यह परियोजना अब तक अधूरी रही है। यह परियोजना अंबिकापुर (उत्तरी छत्तीसगढ़) को बरवाडीह (झारखंड) से जोड़ेगी और परसा, राजपुर, चंदनपुर जैसे महत्वपूर्ण शहरों को कनेक्ट करेगी। इस परियोजना के माध्यम से देश के उत्तरी और पूर्वी हिस्से में कोयला और अन्य खनिजों के परिवहन के लिए वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होगा। परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 9,000 करोड़ रुपए है। खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा नई रेल लाइन परियोजना के बारे में मुख्यमंत्री ने बताया कि यह परियोजना देश के पश्चिमी क्षेत्र में कोयला क्षेत्र, एसईसीएल और एमसीएल कोयला क्षेत्रों की निकासी के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करती है। यह बिलासपुर और रायपुर स्टेशनों को बायपास करते हुए बलौदाबाजार समेत समृद्ध क्षेत्र को कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 8,000 करोड़ रुपए है। रावघाट-जगदलपुर नई रेल लाइन परियोजना के बारे में सीएम ने रेल मंत्री से इस लाइन को जगदलपुर तक बढ़ाने की मांग की ताकि आदिवासी क्षेत्र का आर्थिक और सामाजिक विकास किया जा सके। यह परियोजना छत्तीसगढ़ के खनिज समृद्ध क्षेत्र से इस्पात उद्योगों तक लौह अयस्क की निकासी के कुशल और पर्यावरण अनुकूल साधन प्रदान करेगी।

खालिस्तानियों और इस्लामिस्तानियों को सियासत दे रही हवा पानी

गत 5 जुलाई को लुधियाना के भीड़भाड़ वाले इलाके में तीन निहंगों ने महान क्रांतिकारी सुखदेव के परिवार से जुड़े शिवसेना के नेता संदीप थापर पर जानलेवा हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। हमले के दौरान संदीप थापर का सुरक्षाकर्मी चुपचाप खड़ा रहा। थापर के साथ दिनदहाड़े जो हुआ, उससे स्पष्ट है कि पंजाब में फिर से कट्टरपंथी सिर उठा रहे हैं। वहीं पुलिस व्यवस्था और जनसाधारण अपने आप को असहाय महसूस कर रहे हैं।

हाल ही में सम्पन्न आम चुनाव में खडूर साहिब से कट्टरपंथी खालिस्तानी अमृतपाल सिंह व फरीदकोट लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के हत्यारे बेअन्त सिंह के बेटे सरबजीत सिंह खालसा ने भारी मतों से जीत हासिल की है। तभी से यह प्रश्न उठ रहा है कि क्या कट्टरपंथ के बढ़ने से ये अलगाववादी चुनाव जीते या इनके चुनाव जीतने से राज्य में अलगाववाद व कट्टरपंथ को बढ़ावा मिला? इन प्रश्नों का उत्तर यह है कि दोनों ही बातें सही हैं। इन उम्मीदवारों की जीत के पीछे कट्टरपंथ का उभार माना जा रहा है तो वहीं इनकी जीत से राज्य में खालिस्तानी तत्वों के हौसले भी बढ़े दिखाई दे रहे हैं।

राज्य में निहंग वेशधारियों की उग्रता का यह कोई पहला मामला नहीं है बल्कि इसकी एक लंबी शृंखला है। गुरु गोबिंद सिंह जी ने निहंग परम्परा खालसा पंथ की स्थापना के रूप में शुरू की थी। निहंगों की परम्परा बड़ी गौरवशाली रही है जिसने समय-समय पर विदेशी हमलावरों को मुंहतोड़ जवाब दिया। पंजाब में एक कहावत प्रसिद्ध है कि आ गए निहंग-बूहे खोल दयो निसंग अर्थात निहंग आ गए हैं, अपने-अपने घरों के दरवाजे खोल दो। यह कहावत उस समय प्रसिद्ध हुई थी जब देश में मुगलों का अत्याचारी शासन था और आम लोग भयभीत रहते थे। लेकिन कट्टरपंथ व अलगाववाद के उभार के कारण निहंगों में भी बहुत से इसकी चपेट में आ गए हैं।

कोरोनाकाल में देशवासियों ने देखा होगा कि किस तरह पटियाला में निहंगों ने एक पुलिस वाले का हाथ काट दिया था। गायों को चराने को लेकर 4 सितम्बर 2023 को राधास्वामी सम्प्रदाय के श्रद्धालुओं व निहंगों के बीच खूनी झड़प हुई। इसी महीने की 6 तारीख को अमृतसर में एक निहंग ने एक युवक की केवल इसलिए हत्या कर दी क्योंकि वह तम्बाकू खा रहा था। 15 अक्टूबर 2021 को सिंघू बार्डर पर किसान आन्दोलन के दौरान निहंगों ने बेअदबी के नाम पर एक दलित युवक को बर्बरता से काट-काट कर मारा था और उस तड़पते युवक को मरणासन्न अवस्था में लटकाकर रखा था।

मई 2023 में कुछ कट्टरपंथी निहंगों ने पटियाला के विश्व प्रसिद्ध काली माता मंदिर पर हमले का प्रयास किया। 6 जनवरी 2024 को कपूरथला में नशे में धुत एक निहंग ने बेअदबी के नाम पर गुरुद्वारा साहिब में एक युवक की हत्या कर दी। इसी साल 6 जून को जालंधर में निहंगों ने पुलिस पार्टी पर हमला कर एक पुलिस अधिकारी को घायल कर दिया। उक्त अधिकारी अपनी टीम

शुभ-लाभ सरोकार

के साथ निहंगों द्वारा शराब के ठेके के बाहर लगाया गया भड़काऊ बोर्ड हटाने गए थे। तीन महीने पहले जालन्धर में ही निहंगों ने बीड़ी/सिगरेट वाले खोखों को यह कहते हुए तोड़ डाला था कि ये गुरुद्वारे के मार्ग में पड़ते हैं। इस तरह की घटनाओं की लम्बी-चौड़ी फेरहिस्त है जो राज्य में बढ़ते कट्टरपंथ और अलगाववाद के बढ़ने के संकेत हैं।

पंजाब में राज्य भाजपा के चार बड़े नेताओं को जान से मारने की धमकी दी गई है। एक प्लास्टिक थैली में धमकी भरी चिट्ठी चंडीगढ़ स्थित पंजाब भाजपा कार्यालय में पहुंची है। इस चिट्ठी में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव मनजिंदर सिंह सिरसा, भाजपा सिख समन्वय समिति व राष्ट्रीय रेलवे कमेटी के सदस्य तेजिंदर सिंह सरां और भाजपा महासचिव परमिंदर बराड़ को जान से मारने की धमकी दी गई है। इसके अलावा इसमें भाजपा के प्रदेश संगठन महासचिव श्रीनिवासुलु का भी नाम है। दूसरी ओर अमृतसर में भी पूर्व भाजपा अध्यक्ष व पूर्व राज्यसभा सदस्य श्वेत मलिक को भी धमकियां मिली हैं। इस मामले में पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने पंजाब के डीजीपी गौरव यादव से बातचीत कर मामले की जांच करने की मांग की है।

पंजाब में हिंदू और सिखों के बीच खटास पैदा करने का काम दरअसल अंग्रेजों ने शुरू किया था। 1882 में ब्रिटिश काल में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईसीएस) के अधिकारी मैक्स आर्थर मैक्यालिफ ने हिंदू और सिख समाज में अलगाव के बीज बोए और सारा जोर यह साबित करने पर लगा दिया कि सिख और हिंदू एक नहीं हैं। उसने जो किया, कुछ ऐसा ही कट्टरपंथी संगठन और अलगाववादी फिर से पंजाब में कर रहे हैं।

वैसे यह बात अलग है कि आज भी गुरुद्वारों में जाने वाले श्रद्धालुओं में सिखों से भी अधिक संख्या हिंदुओं की होती है। दरअसल समाज में दरार डालने का जो काम विदेशी अंग्रेज नहीं कर पाए उसे राजनीति की आड़ में पंजाब में किया गया। पंजाब में अकालियों की ताकत बढ़ी तो कांग्रेस को दिक्कत हुई। लिहाजा उसने अकालियों की ताकत घटाने के लिए तरह-तरह के षड्यंत्र रचने शुरू कर दिए। इन्हीं षड्यंत्रों में से एक था राज्य में कट्टरपंथी नेता जरनैल सिंह भिंडरांवाले का उदय।

साल 1978 में सिखों व निरंकारी संप्रदाय के श्रद्धालुओं के बीच हुए टकराव में 17 सिख मारे गए और 100 के करीब जख्मी हो गए। इस घटना का लाभ उठाया जरनैल सिंह भिंडरांवाले व उसके साथियों ने। भिंडरावाले ने अपने जहरीले भाषणों से राज्य के युवाओं का दिमाग भटकाकर कर उसमें अलगाववाद व कट्टरपंथ के बीज बोए और राज्य में दो दशकों तक खालिस्तानी आतंकवाद की काली आंधी चलती रही। 1971 के युद्ध में भारत के हाथों पराजित होकर व बांग्लादेश के रूप में विभाजन की चोट खाए बैठे पाकिस्तान ने भी पंजाब में पलीता लगाना शुरू कर दिया। पाकिस्तान ने खालिस्तानी आतंकवाद का न केवल वित्तपोषण किया बल्कि आतंकियों को शरण व हथियार भी उपलब्ध करवाए। बाद में ऑपरेशन ब्लू स्टार में भिंडरांवाले और उसके साथी मारे गए। इसी का बदला लेने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या की गई। इसके बाद कहने को तो पंजाब में आतंकवाद की आग बुझा दी गई, लेकिन उसे हवा-पानी देकर लगातार सुलगाया जाता रहा। अब फिर से ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं।

आज पंजाब में आम आदमी पार्टी (आपा) की सरकार है। इसके मुखिया अरविंद केजरीवाल दिल्ली शराब घोटाले में जेल में बंद हैं। पंजाब में उनके खास भगवंत सिंह मान मुख्यमंत्री हैं। विदित हो कि केजरीवाल पर खालिस्तानियों का सहयोग लेने के आरोप लगते रहे हैं।

पंजाब में कट्टरपंथ लगातार पैर पसार रहा है। अमृतपाल सिंह और सरबजीत सिंह जैसे लोगों का लोकसभा चुनाव में जीतना इसी तरफ इशारा करता है। जब हम पंजाब में आतंकवाद व अलगाववाद की समस्या का जिक्र करते हैं तो हम विदेशों में बैठे उन कट्टरपंथियों की अनदेखी नहीं कर सकते जो राज्य में आतंकी आग बुझने नहीं देते। सोशल मीडिया ने उनके इस काम को और भी आसान बना दिया है। आज पंजाब में पनपा रहे गैंगस्टर, फिरौती के धंधे, नशे के व्यापार आदि कई तरह की आपराधिक गतिविधियों के लिए यह अलगाववादी, कट्टरपंथी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जिम्मेदार हैं। आज पंजाब भले ऊपर से शान्त दिखाई दे, लेकिन अलगाववादी और कट्टरपंथी तत्व एक बार फिर से राज्य को आतंकवाद की तरफ ले जाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे।

सुशासन बाबू ने कभी अपराधियों से समझौता नहीं किया : शाहनवाज हुसैन

पटना, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी के पिता की हत्या पर राजद प्रदेश सरकार पर लगातार हमला बोल रही है। इस बीच एनडीए के विभिन्न घटक दलों ने विपक्षी खेमे को उसका इतिहास याद दिलाया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने राजद के दौर को जंगलराज बताया।

शाहनवाज हुसैन ने कहा कि जो लोग जंगलराज कायम करने वाले रहे हैं, उन्हें ख्वाब में भी जंगलराज ही याद आता है। नीतीश कुमार सुशासन बाबू हैं,उन्होंने कभी अपराधियों से समझौता नहीं किया है। उन्होंने कहा कि जीतन सहनी की हत्या बहुत ही दुखद है। देश के गृह मंत्री अमित शाह और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश ने मुकेश सहनी से बात की है। उन्हें भरोसा दिलाया है कि जो भी अपराधी घटना को अंजाम देने में शामिल है, वो बचेंगे नहीं। पुलिस अपराधी के करीब पहुंच चुकी है। हम लोग जांच रिपोर्ट आने का इंतजार कर रहे हैं। बिहार के भीतर अपराध से कोई समझौता न हुआ है, नहीं होगा। विपक्ष के आरोपों पर जदयू नेता जयंत राज कुशवाहा ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, इतना बड़ा राज्य है, घटना हो जाती है। इस पर कार्रवाई भी हो रही है। हम आश्वासन देते हैं कि नीतीश कुमार के राज में कोई अपराधी बचने वाला नहीं है।

अपराधी कोई भी हो, उसे छोड़ने का काम नहीं किया जाएगा। किसी भी हालात में उसे कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी।

उन्होंने आगे कहा कि विपक्ष का काम है आरोप लगाना, वे लगा रहे हैं। कम से कम विपक्ष को ये तो समझ में आ रहा है कि अगर किसी के परिवार में घटना घटती है तो यह कितना दुखद है। नीतीश कुमार के इस्तीफे को लेकर उन्होंने कहा कि अगर तेजस्वी के डिप्टी सीएम होते कोई घटना घटती थी तो क्या वे इस्तीफा दे देते थे। सारे अधिकारी और नेता अपने दायरे में काम कर रहे हैं। इनका काम है कुछ भी बोलते रहना। भाजपा नेता संजय जायसवाल ने कहा कि हर अपराधी पकड़ा जाएगा। अपराध रुकना चाहिए। बिहार के वर्तमान सरकार की खासियत है आज तक कोई अपराधी बचा नहीं है। उन्होंने विपक्ष के आरोपों पर कहा कि उनके शासनकाल में घर पर अपहरण के फोन कॉल आते थे। हत्या हो जाती थी। उस समय नीतीश कुमार ने सभी अपराधियों का एनकाउंटर करवाया और उन्हें जेल में बंद कराया। डर से कुछ अपराधी तो राज्य छोड़कर भी भाग गए।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। परिवार के सदस्य कई चीज़ों की मांग कर सकते हैं। मुहब्बत की टीस आज रात आपको सोने नहीं देगी। अलग–अलग नज़रिए के चलते आपके और आपके जीवनसाथी के बीच वाद–विवाद हो सकता है। अपने साथी के लिए कोई बेहतरीन पकवान बनाना आपके फीके पड़े रिश्तों में गर्मजोशी भर सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सेहत बढ़िया रहेगी। आज इस राशि के कुछ बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने माता–पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। बिना किसी पूर्व सूचना के आज आपका कोई रिश्तेदार आपके घर पधार सकता है जिसकी वजह से आपका कीमती समय उनकी खातिरदारी में जाया हो सकता है।आपके लिए दिन बेहद रोमानी होने वाला है। आज किसी शादी में जा सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपके परिवार को आपसे बहुत ज़्यादा उम्मीदें हैं, जिसके चलते आप खीज महसूस कर सकते हैं। आपकी आर्थिक स्थिति भी इससे बिगड़ती है। अपने दोस्तों और परिवार के सहयोग के चलते आप नए आत्मविश्वास और रोमांच से भरपूर रहेंगे। आज प्रेम–संबंधों में अपने स्वतन्त्र विवेक का इस्तेमाल कीजिए। नए विचारों और आइडिया को जाँचने का बेहतरीन वक़्त। जीवन साथी के स्वास्थ्य को लेकर आप चिंतित रह सकते हैं। अपने अच्छे लेखन के साथ आज आप किसी अकल्पनीय उड़ान पर जा सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

कुछ ज़रूरी योजनाएँ क्रियान्वित होंगी और ताज़ा आर्थिक मुनाफ़ा पहुँचाएंगी। आज काम तनावभरा और थकाऊ होगा, लेकिन दोस्तों का साथ आपको ख़ुशमिज़ाज और ज़िंदादिल बनाए रखेगा। प्यार का बुखार आपके सर पर चढ़ने के लिए तैयार है। इसका अनुभव कीजिए। उन चीजों को दोहराना जिनका अब आपके जीवन में कोई महत्व नहीं है, आपके लिए ठीक नहीं है। ऐसा करके आप अपना वक्त ही बर्बाद करेंगे और कुछ नहीं। जिंदगी आपको अच्छे अहसास भी जरूर कराती है बस आपको इन अहसासों को समझने की जरुरत है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ख़र्चों पर क़ाबू रखने की कोशिश करें और सिर्फ़ ज़रूरी चीज़ें ही ख़रीदें। अपनी व्यस्त दिनचर्या में से थोड़ा–सा समय निकालकर अपने परिवार के साथ किसी आयोजन में शिरकत करें। यह न सिर्फ़ आपका दबाव कम करेगा, बल्कि आपकी झिझक भी मिटा देगा। आपका प्रिय आपको ख़ुश रखने के लिए कुछ ख़ास करेगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है। आज बच्चों के साथ समय बिताकर आप कुछ सुकून भरे पल जी सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। अगर आप अपनी रचनात्मक प्रतिभा को सही तरीक़े से इस्तेमाल करें तो वह काफ़ी फ़ायदेमंद साबित होगी। पढ़ाई–लिखाई में कम रुचि के चलते बच्चे आपको थोड़ा निराश कर सकते हैं। विवादित मुद्दों को उठाने से बचें,असजता की वजह से आप वैवाहिक जीवन में ख़ुद को फँसा हुआ अनुभव कर सकते हैं। छुट्टी ज़ाया हो गयी – इस पर सोचने की बजाय बाक़ी बचे दिन को आप किस प्रकार बेहतर बना सकते हैं, इस पर विचार करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन भूलकर भी किसी को पैसे उधार न दें और यदि देना जरुरी हो तो देने वाले से लिखित में लें कि वो पैसा वापस कब करेगा। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। शहर से बाहर यात्रा ज़्यादा आरामदेह नहीं रहेगी, लेकिन आवश्यक जान–पहचान बनाने के लिहाज़ से फ़ायदेमंद साबित होगी। अगर आप अपने जीवनसाथी से स्नेह की आशा रखते हैं, तो यह दिन आपकी आशाओं को पूरा कर सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपके भाई–बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप खुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। इस समय जो समस्याएँ आपको झेलनी पड़ रही हैं, वे क्षणिक हैं और समय के साथ वे ख़ुद–ब–ख़ुद ख़त्म हो जाएंगी। आज के दिन किसी के साथ छेड़खानी करने से बचें। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। इसलिए संयम बरतें, क्योंकि आपकी तल्ख़ी आस–पास के लोगों को दुःखी कर सकती है।एक प्यारी–सी मुस्कुराहट से अपने प्रेमी का दिन रोशन करें। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पुराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपको इतना बेहतरीन पहले कभी महसूस नहीं हुआ। आपको उनसे कोई बढ़िया सरप्राइज़ मिल सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आप माता–पिता को ख़ुश करने में कठिनाई महसूस करेंगे। उन्हें समझने और उनके नज़रिए से चीज़ों को देखने की कोशिश करें, आपको सकारात्मक परिणाम मिलेगा। उन्हें आपकी परवाह, स्नेह और समय की आवश्यकता है। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका सकारात्मक रुख़ आपके आसपास के लोगों को प्रभावित करेगा। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं। आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। आपको पहली नज़र में किसी से प्यार हो सकता है। आपका चुम्बकीय और ज़िन्दादिल व्यक्तित्व आपको सबके आकर्षण का केन्द्र बना देगा। किसी अच्छे स्पा में जाकर आप तरोताज़ा महसूस कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अगर आप लम्बे वक़्त के लिए निवेश करें, तो अच्छा–ख़ासा फ़ायदा हासिल कर सकते हैं। अपने जीवनसाथी का बोझ दूर करने के लिए घरेलू कामकाज में हाथ बटाएँ। इससे आपको साथ में काम करने का आनंद मिलेगा और जुड़ाव महसूस होगा। प्यार में थोड़ी निराशा आपको हतोत्साहित नहीं कर सकेगी। गप्पबाज़ी और अफ़वाहों से दूर रहें। वैवाहिक जीवन में आप कुछ निजता की ज़रूरत महसूस करेंगे। काम को करने से पहले ही उसके बारे में अच्छा बुरा न सोचें, बल्कि खुद को एकाग्र करने की कोशिश करें इससे सारे काम अच्छी तरह हो पाएंगे।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 18 जुलाई 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी रात्रि 08:46 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा रात्रि 03:25 तक
योग : शुक्ल प्रातः 06:12 तक
करण : बव प्रातः 09:01 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक रात्रि 03:25 तक
सूर्योदय : 05:51 , सूर्यास्त 06:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:43, सूर्यास्त 06:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्याम बाबा की बारस , गण्डमूल चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

चुनौतियों से घिरी भाजपा की नैया पार लगाने में जुटे अमित शाह

चंडीगढ़,17 जुलाई (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव में हरियाणा में आधी सीट गंवाने वाली भाजपा को हार से उबारने का जिम्मा अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संभाल लिया है। तीन हफ्ते में शाह दो बार हरियाणा का दौरे कर कार्यकर्ताओं में जोश भरने की कोशिश कर चुके हैं। दक्षिण हरियाणा से उन्होंने पिछड़े वर्ग को साधने का प्रयास किया। इससे पहले वह 29 जून को पंचकूला आए और 4500 से ज्यादा कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद किया।

हरियाणा में शाह के बार–बार आने की बड़ी वजह यह है कि पार्टी किसी भी कीमत पर हरियाणा को हाथ से निकलने देना नहीं चाहती। पार्टी का मानना है कि यदि हरियाणा में विपरीत परिणाम आए तो आगामी सालों में कई राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी को नुकसान उठाना पड़ सकता है।

कोर वोटर को जोड़ने के लिए बना रहे रणनीति

दूसरी वजह यह है कि हरियाणा में सरकार व भाजपा नेतृत्व नया है। सैनी को कुर्सी संभाले मात्र चार महीने हुए हैं, जबकि बड़ौली को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त हुए मात्र एक हफ्ता। इससे पहले सैनी ही प्रदेश अध्यक्ष का भी प्रभार संभाल रहे थे। ऐसी स्थिति में कोई कमी न रह जाए, इसलिए शाह ने कमान खुद ही अपने हाथों में रख ली है।

शाह रणनीति बनाने में माहिर माने जाते हैं। चुनावी मैदान में उतरने से पहले शाह ने चुनौतियों से जूझ रही भाजपा के लिए प्लान तैयार कर लिया है। उनकी रणनीति अगड़ी जातियों के साथ पिछड़ी व दलितों की आबादी को साधने की है। वहीं, भाजपा की सबसे बड़ी चुनौती अपने कोर वोटर को पार्टी के साथ जोड़ना और सत्ता विरोधी लहर को कम करना है। पिछले दो चुनावों में पिछड़ा वर्ग और दलित वोट भाजपा का कोर वोटर रहा है। उन्हें पता है कि यदि इस वर्ग को साध लिया तो पार्टी को हैट्रिक लगाने में कोई दिक्कत नहीं आएगी। मगर लोकसभा चुनाव के दौरान ओबीसी व दलित वोट बैंक भाजपा से खिसकर कर कांग्रेस की झोली में चला गया था। हालांकि चुनाव से ठीक पहले भाजपा ने पिछड़ा वर्ग के नायब सिंह सैनी को राज्य का सीएम बना दिया था। मगर फिर भी भाजपा को फायदा नहीं पहुंचा।

लोकनीति सीएसडीएस के मुताबिक लोकसभा चुनाव में भाजपा का 29 फीसदी ओबीसी वोट और दलितों का 34 फीसदी वोट बैंक कांग्रेस के खाते चला गया और इसी वजह से हरियाणा में पार्टी को पांच सीटों का नुकसान भी झेलना पड़ा। इसलिए भाजपा दोबारा से इन वोटों को हासिल करने में जुटी है। शाह की बनाई रणनीति के तहत ही महेंद्रगढ़ में बीसी सम्मेलन कराया गया। शाह ने मंच से कई बार बीसी वर्ग के उत्थान की बात दोहराई। उन्होंने मंच से यह भी कहा कि हमने एक गरीब घर के बीसी के बेटे को हरियाणा का मुख्यमंत्री बनाया है।

जनसुनवाई के दौरान किरोड़ी से मिलने सर्किट हाउस पहुंचे सांसद हरीश मीणा

सवाई माधोपुर,17 जुलाई (एजेंसियां)।

कृषि मंत्री एवं सवाई माधोपुर विधायक डॉ. किरोड़ीलाल मीणा पिछले तीन दिनों से सवाई माधोपुर में हैं। आज सर्किट हाउस में जनसुनवाई के दौरान टोंक–सवाई माधोपुर लोकसभा सीट के कांग्रेस सांसद हरीश मीणा उनसे मिलने सर्किट हाउस पहुंचे। इस दौरान डॉ. किरोड़ी ने हरीश मीणा का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस दौरान दोनों विपक्षी पार्टी के नेताओं के बीच लाजवाब केमेस्ट्री दिखाई दी।

सांसद हरीश मीणा ने कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा की जनसुनवाई में आए परिवादियों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली और कहा कि हम दोनों आपके लिए मिलकर काम करेंगे और आमजन के काम एवं क्षेत्र के विकास के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मिलकर लोगों की समस्याओं को उनके सामने रखकर समस्याओं के समाधान का प्रयास करेंगे।

आपसी मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने आपस में हंसी–ठिठोली भी खूब की। इस दौरान डॉ. किरोड़ी ने कहा कि हरीश मीणा उनसे बड़े हैं तो हरीश मीणा ने कहा कि नहीं आप मुझसे बड़े हैं। दोनों नेताओं ने जनसुनवाई के दौरान गाड़िया लुहारों की समस्याओं को सुना और हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।

वकील की जेब में रखे मोबाइल में अचानक लगी आग

अजमेर,17 जुलाई (एजेंसियां)।

अजमेर के जिला एवं सत्र न्यायालय में एक एडवोकेट के साथ बड़ा हादसा होने से टल गया। दरअसल वकील की जेब में रखा मोबाइल अचानक से गर्म होने लगा, इसके बाद उन्होंने तुरंत मोबाइल को निकाला तो उसमें से धुआं निकलने लगा और देखते–देखते मोबाइल ने आग पकड़ ली। एडवोकेट विक्रम मल्होत्रा ने बताया कि उन्होंने डेढ़ साल पहले रियल मी कंपनी का मोबाइल खरीदा था और आज अचानक से उनके मोबाइल में हीट की समस्या आने लगी, जिसके बाद उन्होंने अपने मोबाइल को जेब से बाहर निकाला तो उसमें से धुआं निकलने लगा। उन्होंने मोबाइल को जमीन पर फेंक दिया, जिसके बाद उसमें अचानक आग लग गई और मोबाइल जलकर राख हो गया।

उन्होंने बताया कि कल भी मोबाइल में से एक अलग तरह की आवाज आ रही थी और मोबाइल गर्म हो रहा था लेकिन आज बैटरी से धुआं निकलने के बाद उसमें आग लग गई ।

इमाम हुसैन की याद में नंगी तलवारों के साथ खेला हाईदौस

अजमेर,17 जुलाई (एजेंसियां)।

मुस्लिम समुदाय के लोग आज हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत को याद करके मोहर्रम मना रहे हैं। ख्वाजा की नगरी, अजमेर में रहने वाले वाले मुस्लिम समुदाय के लोगों ने आज नंगी तलवारों से हाईदौस खेलकर इमाम हुसैन के प्रति अपनी अकीदत पेश की। डोले शरीफ के जुलूस के दौरान निभाई जाने वाली इस खास परंपरा के लिए खुद अजमेर का पुलिस प्रशासन सैकड़ों लोगों को तलवारें मुहैया करवाता है और इसे खेले जाने के दौरान कई लोग तलवार की चोट से गंभीर रूप से जख्मी भी हो जाते हैं लेकिन कोई भी न तो कोई शिकवा करता है और ना ही पुलिस में मुकदमा दर्ज करवाया जाता है बल्कि घायल हुए लोग इसे अपनी खुशकिस्मती मानते हैं।

बीते पांच सौ सालों से चली आ रही इस परंपरा की खास बात यह है कि अजमेर का पुलिस प्रशासन खुद हाईदौस खेलने वाले लोगों को 100 तलवारें मुहैया करवाता है। माना जाता है कि आज के दिन कर्बला की पहाड़ियों में इस्लाम की रक्षा करने के दौरान हजरत इमाम हुसैन और उनके सैकड़ों साथियों को शहीद कर दिया गया था। उन्हीं की याद में अजमेर में हाईदौस खेला जाता है, जिसके तहत सैकड़ों लोग हाथों में तलवार थामे सिर्फ इस भावना से हाईदौस खेलते हैं कि काश वे भी उस समय मौजूद होते तो इमाम हुसैन से पहले अपनी जान न्योछावर कर देते।

खास बात यह है कि समूचे एशिया में तलवारों से हाईदौस खेलकर कर्बला की जंग का मंजर पेश किए जाने की यह परंपरा केवल दो ही जगह निभाई जाती है एक तो अजमेर में और दूसरा पाकिस्तान के हैदराबाद शहर में। आपको बता दें कि हाईदौस केवल अन्दरकोट कोटियान पंचायत समाज के लोग ही खेलते हैं। इस परंपरा की सबसे अच्छी बात यह है कि इसे खेलने के दौरान यदि कोई जख्मी भी हो जाता है तो वह चोट लगने के बाद किसी तरह की कोई दुश्मनी नहीं पालता और ना ही पुलिस में शिकायत दर्ज करवाता है। इसके लिए पुलिस प्रशासन की तरफ से भी खास सुरक्षा के प्रबंध किए जाते हैं। तोपों की गरज से शुरू होने वाले इस खेल मे सैकड़ों लोग हिस्सा लेते हैं, जो ढोल और ताशों की मातमी धुन के बीच डोले शरीफ की सवारी को अपने कंधों पर उठाकर सैराब करने के लिए निकल पड़ते हैं।

छात्रसंघ चुनाव बहाली को लेकर एनएसयूआई का प्रदर्शन

छात्र और पुलिसकर्मियों के बीच धक्का–मुक्की

भरतपुर,17 जुलाई (एजेंसियां)।

एनएसयूआई छात्रों ने यूनिवर्सिटी में छात्रसंघ चुनावों की बहाली को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। एनएसयूआई छात्र जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय से पैदल मार्च निकालते हुए सीएम जनसुनवाई केंद्र की ओर आगे बढ़े तो पुलिस बल ने उन्हें यातायात चौराहे पर रोक लिया। इस दौरान पुलिसकर्मी और एनएसयूआई छात्रों के बीच धक्का–मुक्की देखने को मिली। इसके बाद विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्र बीच सड़क पर बैठ गए और मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। एसडीएम ने मौके पर पहुंचकर ज्ञापन लेकर छात्रों को आश्वासन देते हुए कहा कि आपकी बात सीएम तक पहुंचा दी जाएगी।

एनएसयूआई जिला अध्यक्ष वीकेश फौजदार ने बताया कि संगठन ने छात्र संघ चुनाव की बहाली को लेकर जिला कलेक्ट्रेट से लेकर मुख्यमंत्री जनसुनवाई केंद्र तक शांतिप्रिय तरीके से पैदल मार्च निकला लेकिन पुलिस ने यातायात चौराहे पर हमें को रोका तो उनके साथ

धक्का–मुक्की हुई थी। विधानसभा चुनाव में भाजपा ने छात्रों को आश्वासन दिया था कि हमारी सरकार आती है तो हम छात्र संघ चुनावों को बहाल करेंगे। यह बात उन्होंने अपने घोषणा पत्र में भी कही थी।

अब सरकार बनने के बाद भाजपा अपने वादे से मुकर रही है। हाल ही में राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने छात्र संघ चुनाव को लेकर के जो बयान दिया था, उससे लगता है कि भाजपा सरकार चुनाव कराने के मूड में नहीं है। हमने छात्र संघ चुनाव की बहाली को लेकर एसडीएम को सीएम के नाम ज्ञापन सौंपा है। अगर सरकार द्वारा इस मामले पर कोई एक्शन नहीं लिया गया तो एनएसयूआई प्रदेश स्तर पर बड़ा आंदोलन करेगी।

नर्सरी की दीवार के पास मिला पांच महीने का भ्रूण

अलवर,17 जुलाई (एजेंसियां)।

अलवर शहर के मूंगस्का में नर्सरी की दीवार के पास पांच महीने का भ्रूण पड़ा मिला। सूचना मिलने पर पुलिस पॉलीथिन में लेकर जिला अस्पताल पहुंची। अरावली विहार थाने के एएसआई ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि मूंगस्का में नर्सरी की दीवार के पास खुले में भ्रूण पड़ा मिला, भ्रूण मृत मिला है। जो करीब पांच महीने का लगता है।

बता दें कि खुले में पड़ा होने के कारण आमजन की निगाह में आ गया। समय पर पता नहीं लगता तो भ्रूण को कुत्ते खा सकते थे। लेकिन उससे पहले ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। अब पुलिस मामले की जांच में लगी है। आसपास पूछताछ करने पर कोई जानकारी नहीं मिली है।

अलवर में अरावली विहार थाना क्षेत्र शांतिकुंज अनाज गोदाम के पीछे रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव मिला, जिसकी बुधवार को शिनाख्त सालपुरी निवासी रवि मीणा के रूप में हुई। पीड़ित परिवार ने बताया कि रवि की गुमशुदगी की रिपोर्ट अरावली विहार थाने में दर्ज करवाने गए थे। उस दौरान पता लगा कि रवि ट्रेन से कट चुका है। उसके बाद आसपास पूछताछ की तो पता लगा कि रवि मीणा कल दोपहर में अपने दोस्तों के साथ बर्थडे पार्टी मनाने के लिए गया था। जहां उसने दोस्तों के साथ पार्टी के दौरान शराब का सेवन किया और वह गांव के ही अन्य दो लड़कों के साथ बाइक पर बैठकर अपने गांव लौट रहा था। लेकिन उसका शव रेलवे ट्रैक पर मिला, जिसके चलते उन्होंने आशंका जाहिर की है कि रवि की हत्या की गई है।

शराब तस्करी के दो अलग–अलग मामले में दो वांछित तस्कर गिरफ्तार

सिरोही,17 जुलाई (एजेंसियां)।

सरोही में आबूरोड रीको पुलिस द्वारा शराब तस्करी के दो अलग–अलग मामले में वांछित दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपी बीते एक साल से फरार चल रहे थे तथा पुलिस से बचने के लिए बार–बार ठिकाने बदल रहे थे। दोनों आरोपी आबूरोड रीको थाना स्तर के टॉप–10 अपराधियों में सम्मिलित हैं।पुलिस के अनुसार, आबूरोड रीको थानाधिकारी सीताराम की अगुवाई में पुखराज, हेड कांस्टेबल केसाराम, कांस्टेबल ओमप्रकाश एवं मांगीलाल (मुख्य भूमिका), महेंद्र सिंह, साइबर सेल सिरोही के कांस्टेबल रमेश कुमार, सुरेश कुमार एवं नरेंद्र की टीम द्वारा बडोडा, पुलिस थाना जैसलमेर सदर, जिला जैसलमेर निवासी मूल सिंह पुत्र कवरराज सिंह राजपूत तथा आवल, पुलिस थाना अमीरगढ़, जिला पालनपुर निवासी नरेन्द्र सिंह पुत्र जैसल सिंह राजपूत को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, 20 अगस्त 2023 को मावल चौकी पर नाकाबंदी के दौरान गुजरात पासिंग ट्रक से पंजाब निर्मित अंग्रेजी शराब के 981 कार्टून जब्त किए गए थे। मामले में जब्तशुदा शराब का मालिक मूल सिंह करीब एक साल से फरार चल रहा था, जिसकी तलाश के लिए टीम बनाकर दस्तयाबी के प्रयास किए गए। लेकिन आरोपी गिरफ्तारी के भय से किसी एक जगह पर स्थाई रूप से नहीं रहकर ठिकाने बदलता रहा। इस पर वांछित आरोपी मूल सिंह को टॉप–10 अपराधियों की सूची में रखा गया।लगातार प्रयास के बाद उसे जोधपुर से दस्तयाब किया गया। इसी प्रकार दूसरे मामले में 29 नवंबर 2023 को मावल शराब के ठेके से गुजरात में सप्लाई के लिए शराब के 56 कार्टून भरने के मामले में मौके से एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया था।

900 करोड़ घोटाले वाले जेजेएम में चौथी बड़ी गिरफ्तारी

संजय बड़ाया को ईडी ने चार दिन की रिमांड पर लिया

जयपुर,17 जुलाई (एजेंसियां)।

राजस्थान में करीब 900 करोड़ रुपये के जल जीवन मिशन घोटाले को लेकर राजस्थान में चौथी गिरफ्तारी हो गई। मंगलवार देर शाम ईडी ने जल जीवन मिशन के ठेकेदारों को फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र जारी करवाने के मामले में पूर्व पीएचईडी मंत्री महेश जोशी के करीबी संजय बड़ाया को गिरफ्तार कर लिया।बता दें कि इसके बाद ईडी की टीम उन्हें बुधवार सुबह विशेष अदालत क्रम संख्या तीन, जयपुर के न्यायाधीश के गांधीनगर स्थित आवास लेकर गई। यहां से संजय बड़ाया को चार दिन के लिए ईडी की रिमांड में भेज दिया गया।

गौरतलब है कि इससे पहले ईडी ने जेजेएम में हुए घोटाले को लेकर बड़ाया के घर पर सर्च अभियान भी चलाया था। पिछली कांग्रेस सरकार में पीएचईडी मंत्री महेश जोशी के कार्यकाल में यह बड़ा मामला सामने आया था। बड़ाया और जोशी एक दूसरे के करीबी माने जाते हैं। घोटाले को लेकर राजस्थान के एक वरिष्ठ आईएएस के आवास तक भी ईडी पहुंची।

स्कूल में बच्चों को छोड़ने जा रहे व्यक्ति की सड़क हादसे में मौत

नारनौल,17 जुलाई (एजेंसियां)।

हरियाणा के नारनौल क्षेत्र में जैलाफ के पास गाड़ी की चपेट में आने से बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई। बाइक चालक अपने बच्चों को स्कूल में छोड़ने जा रहा था। लेकिन स्कूल में पहुंचने से पहले ही हादसा हो गया। इस दुर्घटना में बाइक पर सवार दोनों बच्चों को ज्यादा चोट नहीं लगी।

मिली जानकारी के अनुसार जाखनी निवासी सिंह राम अपने बच्चों को जैलाफ के स्कूल में छोड़ने जा रहा था। वह अभी स्कूल में पहुंचा भी नहीं था और एक अज्ञात वाहन चालक ने टक्कर मार दी। जिससे बाइक का संतुलन बिगड़ गया और पेड़ से बाइक टकरा गई।जिससे बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे एंबुलेंस की मदद से नारनौल के नागरिक अस्पताल में पंहुचाया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक जांच कर उसे मृत घोषित कर दिया।

30 जुलाई को मनाई जाएगी कामिका एकादशी

एकादशी तिथि हिंदू धर्म की महत्वपूर्ण तिथि मानी जाती है। हर माह की एकादशियों का अपना विशेष अर्थ होता है। इसी तरह सावन माह में कामिका एकादशी मनाई जाती है।

कामिका एकादशी तिथि

कामिका एकादशी का व्रत सावन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को रखा जाता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, इस बार सावन के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 30 जुलाई को शाम 4 बजकर 44 मिनट पर शुरू होगी।

व्रत का समय 31 जुलाई को दोपहर 3.55 बजे समाप्त होगा। कामिका एकादशी का व्रत उदय तिथि के अनुसार 31 जुलाई 2024, बुधवार को रखा जाएगा।

क्यों रखा जाता है कामिका एकादशी व्रत?

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, कामिका एकादशी का व्रत करने से भक्तों के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

सावन महीने में पड़ने के कारण इस व्रत का महत्व और भी बढ़ जाता है। देवशयनी एकादशी के बाद यह पहली एकादशी है जिसमें भगवान विष्णु योग निद्रा में होते हैं।

सावन माह में एकादशी होने के कारण इस व्रत से भगवान विष्णु के साथ-साथ भगवान शिव का भी आशीर्वाद मिलता है।

कामिका एकादशी के दिन करें ये काम

कामिका एकादशी व्रत से एक दिन पहले व्यक्ति को चावल खाना बंद कर देना चाहिए।

कामिका एकादशी के दिन सुबह सूर्योदय से पहले उठकर गंगा में स्नान करना चाहिए।

यदि किसी कारणवश गंगा स्नान नहीं कर पा रहे हैं, तो घर पर ही नहाने के पानी में थोड़ा सा गंगाजल मिलाकर स्नान कर लें।

इसके बाद पूजा के लिए पीले आसन पर बैठें। श्रीहरि का गंगाजल से अभिषेक करने के बाद उन्हें पीले वस्त्र पहनाएं।

कामिका एकादशी व्रत कथा पढ़ें और आरती के साथ पूजा संपन्न करें।

बेलपत्र के अलावा ये 8 पत्ते भी भगवान शिव को हैं अतिप्रिय, पूजा में जरूर करें उपयोग

22 जुलाई से सावन माह की शुरुआत होने जा रही है। इस माह भगवान शिव का पूजन करने से उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है, साथ ही भगवान शिव का रुद्राभिषेक करना भी शुभ माना गया है। यह माह भोलेनाथ को अति प्रिय है। सावन सोमवार पर भगवान शिव के निमित्त व्रत रखने से भक्तों की सभी मनोकामना पूर्ण होती है। यदि आप पूजा के दौरान कुछ पत्तों को भी पूजन सामग्री में शामिल करते हैं, तो इसके आपको शुभ फल मिलेंगे।

आंकड़े -हिंदू मान्यता के अनुसार, आंकड़े के फूल के साथ भगवान शिव को इसके पत्ते भी अति प्रिय है। आप पूजा के दौरान आंकड़े के पत्ते महादेव को 7, 9, 11 अथवा 21 के क्रम में चढ़ा सकते हैं।

पीपल- हिंदू धर्म में पीपल के वृक्ष का विशेष महत्व है। आप सोमवती अमावस्या पर भगवान शिव को बेलपत्र के स्थान पर पीपल के पत्ते भी अर्पित कर पूजा सकते हैं।

शमी- शिव महापुराण में शमी के पेड़ का जिक्र मिलता है। इसके अनुसार, आप पूजा के दौरान भगवान शिव को शमी के पत्ते अर्पित कर सकते हैं।

धतूरा-भगवान शिव को धतूरे के फल के साथ इसके पत्ते भी चढ़ाए जा सकते हैं। माना जाता है कि भगवान शिव को धतूरे के पत्ते प्रिय है। ऐसे में धतूरा न उपलब्ध होने पर आप इसके पत्ते भी चढ़ा सकते हैं।

भांग- भगवान शिव को पूजा के दौरान भांग अर्पित की जाती है। इसके साथ ही आप शिवलिंग पर भांग के पत्ते भी चढ़ा सकते हैं।

दूर्वा -भगवान शिव को आप दूर्वा भी अर्पित कर सकते हैं। हिंदू धर्म में दूर्वा को अमृत के समान माना गया है। इससे साधक की आयु लंबी होती है।

अपामार्ग -सोमवार को पूजा के दौरान आप भगवान शिव पर अपामार्ग के पत्ते अर्पित कर सकते हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से साधक को सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

बांस - भोलेनाथ को बांस के पत्ते चढ़ाना भी शुभ माना गया है। मान्यता के अनुसार इससे साधक को संतान प्राप्ति होती है।

क्यों 4 महीने विश्राम करते हैं भगवान विष्णु?

देवशयनी एकादशी का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। आज यानी 17 जुलाई को देवशयनी एकादशी मनाई जा रही है। इस दिन से भगवान विष्णु योग निद्रा में प्रवेश कर जाते हैं और अगले 4 महीनों तक योग निद्रा में ही रहते हैं।

देवशयनी एकादशी का व्रत आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को रखा जाता है। जिस दिन भगवान विष्णु शयन के लिए चले जाते हैं, उसी दिन से चातुर्मास प्रारंभ हो जाता है। इस दौरान सृष्टि का संचालन भगवान शिव करते हैं। भगवान विष्णु योग निद्रा में जाने के पीछे भी एक पौराणिक कथा प्रचलित है।

चातुर्मास से जुड़ी पौराणिक कथा

धर्मग्रंथों के अनुसार, राजा बलि ने तीनों लोकों पर विजय प्राप्त कर ली थी। जब भयभीत इंद्रदेव और सभी देवता बली से छुटकारा पाने के लिए भगवान विष्णु की शरण में गए, तो श्रीहरि ने वामन रूप धारण किया और राजा बलि से दान मांगने पहुंच गए। वामन अवतार लेकर भगवान विष्णु ने राजा बलि से तीन पग भूमि मांगी। प्रभु ने दो पग में धरती और आकाश नाप लिया। जब तीसरा कदम रखने के लिए कोई जगह नहीं बची तो राजा बलि ने अपना सिर आगे कर दिया। विष्णु जी बलि से बहुत प्रसन्न हुए।

देवी लक्ष्मी ने राजा बलि को बांधी राखी

राजा बलि की उदारता और भक्ति देखकर भगवान विष्णु ने बलि से वरदान मांगने को कहा। बलि ने भगवान से प्रार्थना की कि वह उसके साथ पाताल लोक में चलें और हमेशा वहीं रहें।

भगवान विष्णु ने अपने भक्त बलि की इच्छा पूरी की और पाताल लोक चले गए। इससे सभी देवी-देवता और देवी लक्ष्मी चिंतित हो गईं। देवी लक्ष्मी ने एक गरीब महिला का रूप धारण करके राजा बलि को राखी बांधी और उन्हें अपना भाई बना लिया।

भगवान विष्णु के शयन का कारण

देवी लक्ष्मी ने अपने भाई राजा बलि से भगवान विष्णु को पाताल लोक से मुक्त कराने का वचन मांगा। इस प्रकार भगवान विष्णु मुक्त हो गए। लेकिन भगवान विष्णु अपने भक्त को निराश नहीं करते हैं। इसी कारण उन्होंने आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी से कार्तिक मास की एकादशी तक पाताल लोक में निवास करने का वचन दिया है। यही कारण है कि चातुर्मास के दौरान भगवान विष्णु पाताल लोक में शयन के लिए चले जाते हैं।

क्यों महत्वपूर्ण मानी जाती है सावन पूर्णिमा?

सावन के महीने में भगवान शिव की पूजा का विशेष महत्व होता है। इस दौरान व्रत, स्नान और दान करने से पुण्य फलों की प्राप्ति होती है। उत्तर भारतीय राज्यों में श्रावण माह को सावन माह कहा जाता है, जिसमें भगवान शिव और देवी पार्वती की पूजा की जाती है।

वैदिक पंचांग के अनुसार, साल 2024 में सावन माह 22 जुलाई से 19 अगस्त तक रहेगा। 19 अगस्त 2024 को ही सावन पूर्णिमा का व्रत रखा जाएगा। आइए, जानते हैं कि सावन पूर्णिमा क्यों महत्वपूर्ण मानी जाती है और इससे कौन-से कार्य करने चाहिए।

श्रावण पूर्णिमा शुभ मुहूर्त 2024

हिंदू पंचांग के अनुसार, सावन पूर्णिमा यानी 19 अगस्त के दिन अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12:04 से 12:55 तक रहेगा। वहीं, स्नान-दान के लिए ब्रह्म मुहूर्त प्रात काल 4:32 से 5:20 तक रहेगा।

इस कारण महत्वपूर्ण होती है सावन पूर्णिमा

सावन पूर्णिमा पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस दिन पितरों का तर्पण किया जाता है। पितरों के तर्पण से घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। ऐसा करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है। इससे भविष्य में होने वाली अशुभ घटनाओं से मुक्ति मिलती है।

सावन पूर्णिमा के व्रत का पारण देवी लक्ष्मी की पूजा के साथ किया जाता है। इस दिन देवी लक्ष्मी की पूजा रात के समय की जाती है। ऐसा करने से जातक को कभी भी धन की कमी नहीं होती है। साथ ही आर्थिक स्थिति में सुधार होता है।

सावन पूर्णिमा पर करें ये कार्य

सावन पूर्णिमा के दिन प्रातः काल उठकर किसी पवित्र नदी में स्नान करना चाहिए।

स्नान के बाद देवी-देवताओं की आराधना करना चाहिए और जरूरतमंद लोगों को दान देना चाहिए।

दान जैसे कार्यों को करने से कुंडली में कमजोर ग्रहों की स्थिति मजबूत होती है और देवी-देवताओं का आशीर्वाद मिलता है।

सावन पूर्णिमा के दिन धन, वस्त्र और अनाज आदि का दान किया जा सकता है। ऐसा करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है।

31 जुलाई से पहले बिछड़े दिलों को मिलाएगा शुक्र ग्रह

इस परिवर्तन का होगा असर

सनातन धर्म में ज्योतिष को विशेष स्थान दिया गया है। ज्योतिष गणना कर कई अनुमान लगाए जाते हैं। इसका असर हमारे जीवन पर भी पड़ता है। माना जाता है कि प्रत्येक ग्रह की चाल हमारे जीवन में होने वाले परिवर्तनों का प्रमुख कारक होती है। यह ग्रह जब राशि परिवर्तन करते हैं, तो इसका जातकों की कुंडली पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरीके से असर पड़ता है।

ज्योतिष शास्त्र में शुक्र को शुभ ग्रह माना गया है इसके राशि परिवर्तन से जातकों की कुंडली में कई सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलते हैं और उसे जीवन में सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है। ज्योतिष गणना के अनुसार, शुक्र ग्रह ने 7 जुलाई को सुबह 4 बजकर 31 मिनट पर मिथुन राशि से कर्क राशि में गोचर किया था, शुक्र 31 जुलाई तक इसी भाव में रहेंगे और इसका सभी राशियों पर भाव के अनुसार प्रभाव पड़ेगा। खास तौर पर प्रेम प्रसंग के मामले में दो राशियों के जातकों को सकारात्मक परिणाम मिलेंगे।

किस राशि के जातकों को होगा लाभ

मकर राशि - शुक्र के राशि परिवर्तन से मकर राशि के जातकों की लव लाइफ में कई परिवर्तन देखने को मिलेंगे। जातकों को अपने पार्टनर का भरपूर साथ मिलेगा। नवविवाहित जोड़ों का जीवन सुखमय बना रहेगा। यदि आप लंबे समय से अपने प्रेमी या प्रेमिका से दूर है तो अब यह इंतजार भी खत्म होने वाला है।

मीन राशि -मीन राशि के जातकों की कुंडली में भी शुक्र शुभ प्रभाव डालेंगे। इस राशि के जातकों को अपने प्रेमी या प्रेमिका का भरपूर साथ मिलेगा। नवविवाहित जोड़े यात्रा पर जा सकते हैं।

कलयुग में इस रूप में अवतार लेंगे भगवान गणेश, पुराणों में मिलता है वर्णन

धर्म ग्रंथों के अनुसार, जब-जब संसार में अन्याय और अधर्म फैलने लगा, तब-तब भगवान विष्णु ने नया अवतार लेकर धर्म की पुन: स्थापना की। इनमें से श्रीहरि का 'कल्कि अवतार' अभी होना बाकी है। इसी तरह जब पृथ्वी पर पाप, अत्याचार और अधर्म अपने चरम पर पहुंच जाएंगे, तब भगवान गणेश मनुष्यों को धर्म का मार्ग दिखाने के लिए अवतार लेंगे।

पहले भी अवतार ले चुके हैं भगवान गणेश

पुराणों के अनुसार, जब पृथ्वी पर कलयुग अपने चरम पर होगा और हर तरफ बुराई का साम्राज्य होगा, तब गणपति जी पृथ्वी पर अवतरित होंगे।

इससे पहले भी भगवान गणेश कई अवतार ले चुके हैं। वे हर युग में अवतरित हुए हैं और उन्होंने दुष्टों का नाश किया है।

सतयुग में वे महोत्कट विनायक के रूप में प्रकट हुए, त्रेतायुग में वे मयूरेश्वर के नाम से जाने गए और द्वापर युग में वे शिवपुत्र गजानन के नाम से जाने गए।

अन्याय का नाश करने के लिए जन्म लेंगे भगवान गणेश

गणेश पुराण में वर्णन किया गया है कि जब ब्राह्मणों का मन वेदाध्ययन की बजाय अन्य कार्यों में लगने लगेगा। जब वे तप, यज्ञ और शुभ कर्म करना बंद कर देते हैं। जब लोग बारिश न होने के कारण नदी के किनारे खेती करने लगेंगे, तब भगवान गणेश कलयुग में अवतार लेंगे। जब लोग लालच के कारण एक-दूसरे को धोखा देने से नहीं हिचकिचाएंगे।

विद्वान और धार्मिक लोग भी लोभ के कारण धन कमाने के प्रयास में मूर्ख बन जाएंगे। उनके पास जो कुछ भी है वह भी खो जायेगा। जब लोग पराई स्त्रियों पर बुरी नजर रखेंगे और ताकतवर लोग कमजोर को परेशान करेंगे, तब इस धरती से अन्याय का नाश करने के लिए भगवान गणेश का जन्म होगा।

जब कलयुग में लोग धर्म का मार्ग छोड़कर अधर्म के मार्ग पर चलने लगेंगे या लोग अपने लालच को पूरा करने के लिए देवताओं की जगह आसुरी शक्तियों की पूजा करने लगेंगे। ब्राह्मण अपने अच्छे कर्म छोड़कर लालच के कारण अपना पेट भरने लगेंगे।

'धूम्रकेतु' रूप में अवतार लेंगे गणेश जी

जब वैश्य समाज के लोग मेहनत से धन कमाने की बजाय बुरे आचरण से धन कमाने लगेंगे, स्त्रियां अपने पति की भक्ति छोड़कर पाप का मार्ग अपना लेंगी। लोग अपने माता-पिता और बड़ों का अपमान करने लगेंगे, ऐसे में भगवान गणेश को धरती पर आना होगा और अवतार लेना होगा।

कलयुग में भगवान गणेश के अवतार को 'धूम्रकेतु' कहा जाएगा। भगवान गजानन इस अवतार में लोगों को ज्ञान देने और कलयुगी समाज में फैली बुराइयों को दूर करने के लिए अवतरित होंगे। यह भविष्यवाणी गणेश पुराण में की गई है।

सावन में भगवान शिव बनाएंगे बिगड़े काम, नहीं मिल रही सफलता, तो करें बस यह छोटा सा उपाय

पवित्र श्रावण माह की शुरुआत 22 जुलाई से होने जा रही है। यह महीना भगवान शिव को अति प्रिय है। इस पूरे ही महादेव के विशेष अनुष्ठान किए जाते हैं और मंदिरों में जलाभिषेक एवं रुद्राभिषेक कर भोलेनाथ को प्रसन्न करने का प्रयास किया जाता है।

हिंदू मान्यता के अनुसार भगवान शिव अपने भक्तों पर जल्द प्रसन्न हो जाते हैं और अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। यदि सावन में कुछ उपाय किए जाएं तो साधकों को जीवन में आने वाली कष्टों से मुक्ति मिलती है।

क्या है उपाय

नौकरी न लगने पर

यदि आप लंबे समय से नौकरी की तलाश में है और काफी प्रयास के बावजूद भी आपको इसमें सफलता नहीं मिल रही है तो आपको सावन माह से जुड़ा यह उपाय जरूर करें। सावन में भगवान शिव की पूजा के दौरान मां पार्वती का भी पूजन करें और उन्हें चांदी की पायल चढ़ाएं। मान्यता है कि ऐसा करने से करियर में आ रही समस्याएं खत्म हो जाती है। यदि आपको कारोबार में सफलता नहीं मिल रही है, आप भी यह उपाय कर सकते हैं।

शादी में बाधा आने पर

तमाम प्रयासों के बावजूद भी यदि आपकी शादी नहीं हो रही है, तो आप प्रत्येक सावन सोमवार को सच्चे मन से शिवलिंग पर जलाभिषेक करें। ऐसा करने से सड़क के विवाह में आ रही समस्याएं दूर होती है।

मनचाहा जीवनसाथी पाने के लिए

यदि आप मनचाहे जीवनसाथी की तलाश में हैं, तो आप सावन के प्रत्येक सोमवार को भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा करें। इस दिन जरूरतमंद और गरीब लोगों को दान करना भी शुभ माना गया है। ऐसा करने से भगवान शिव जल्दी प्रसन्न होते हैं।

अन्य समस्याओं के लिए

यदि आपको आपके जीवन में दूसरी समस्याएं भी आ रही है तो आप भोलेनाथ की कृपा प्राप्त करना के लिए प्रत्येक सावन सोमवार को महादेव का विधि पूर्वक पूजन करें और 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप करें ऐसा करने से जीवन के सभी कष्ट दूर होते हैं।

नाभा नटेश और प्रियदर्शी की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म डार्लिंग कल होगी रिलीज

स्टार निर्माताओं ने डार्लिंग एपी के अधिकार हासिल किए। नाभा नटेश और लोकप्रिय कॉमेडियन प्रियदर्शी की रोमांटिक कॉमेडी डार्लिंग अपने विचित्र हास्य और जीवंत ऊर्जा से दर्शकों को लुभाने के लिए पूरी तरह तैयार है। हाल ही में सेंसर की औपचारिकताएं पूरी करने वाली यह फिल्म 19 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।उत्साह को बढ़ाते हुए, टॉलीवुड के प्रमुख निर्माता और वितरक सुरेश बाबू और एशियन सुनील ने आंध्र प्रदेश के लिए सिनेमाघरों में रिलीज के अधिकार हासिल कर लिए हैं, जिससे पूरे राज्य में व्यापक और प्रभावशाली रिलीज सुनिश्चित होगी।टॉलीवुड इंडस्ट्री की दो प्रमुख हस्तियों द्वारा इस प्रोजेक्ट का समर्थन किए जाने के कारण, डार्लिंग चर्चा का विषय बनने जा रही है। इस फिल्म में अनन्या नागल्ला, ब्रह्मानंदम और मुरलीधर गौड़ जैसे प्रतिभाशाली कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं।प्राइमशो एंटरटेनमेंट के बैनर तले अश्विन राम द्वारा निर्देशित और के निरंजन रेड्डी और चैतन्य रेड्डी द्वारा निर्मित, डार्लिंग मनोरंजन और हास्य का अनूठा मिश्रण पेश करती है। विवेक सागर द्वारा रचित फिल्म का साउंडट्रैक कहानी में आकर्षण की एक और परत जोड़ने की उम्मीद है।होनहार कलाकारों, एक मजबूत प्रोडक्शन टीम और इंडस्ट्री के दिग्गजों के समर्थन के साथ, डार्लिंग बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाने के लिए पूरी तरह तैयार है, जो अपने हल्के-फुल्के आकर्षण से दर्शकों को लुभाएगी।

वीकेंड पर गर्दा उड़ाने के बाद थर्ड मंडे घटी कल्कि की कमाई

प्रभास स्टार साइंस फिक्शन फिल्म कल्कि 2898 एडी बॉक्स ऑफिस पर जमकर गरज रही है। फिल्म का ताबड़तोड़ कलेक्शन हैरान कर देने वाला है। महाबंपर ओपनिंग करने के साथ कल्कि 2898 एडी ने तीसरे वीकेंड पर भी छप्परफाड़ कमाई की। फिल्म की बॉक्स ऑफिस पर पकड़ मजबूत बनी हुई है। चलिए यहां जानते हैं कल्कि 2898 एडी ने रिलीज के 19वें दिन यानी तीसरे मंडे को कितने करोड़ का कलेक्शन किया है?कल्कि 2898 एडी को दर्शकों ने भरपूर प्यार दिया है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है और जमकर कमाई भी कर रही है। ये फिल्म ना केवल साल 2024 की सबसे ज्यादा नोट छापने वाली फिल्म बन चुकी है बल्कि इसने शाहरुख खान की पठान और रणबीर कपूर स्टारर एनिमल के इंडियन लाइफ टाइम कलेक्शन को भी मात दे दी है। यहां तक कि कल्कि 2898 एडी के कहर के आगे लेटेस्ट रिलीज अक्षय कुमार की सरफिरा और कमल हासन की इंडियन 2 भी नहीं टिक पाई हैं। वहीं प्रभास की फिल्म पर तीसरे वीकेंड पर भी नोटों की बारिश हुई है लेकिन तीसरे सोमवार फिल्म का कलेक्शन का ग्राफ काफी गिर गया है। फिल्म की कमाई की बात करें तो पहले दिन 95.3 करोड़ से महाबंपर ओपनिंग करने वाली कल्कि 2898 एडी की पहले हफ्ते की कमाई 414।85 करोड़ रही। दूसरे हफ्ते फिल्म ने 128.5 करोड़ कमाए। वहीं तीसरे हफ्ते के तीसरे फ्राइडे फिल्म ने 6 करोड़, तीसरे शनिवार 14.35 करोड़ और तीसरे रविवार 16।45 करोड़ का कलेक्शन किया। वहीं अब इस फिल्म की रिलीज के 19वें दिन यानी तीसरे सोमवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं।सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक कल्कि 2898 एडी ने रिलीज के 19वें दिन यानी तीसरे मंडे को 4।3 करोड़ की कमाई की है। जिसमें तेलुगु में फिल्म ने 1.35 करोड़, तमिल में 0.15 करोड़, हिंदी में 2.5 करोड़, कन्नड़ में 0.05 करोड और मलयालम में 0.25 करोड़ की कमाई की है। इसके बाद कल्कि 2898 एडी का 19 दिनों का कुल कलेक्शन अब 584.45 करोड़ रुपये हो गया है। जिसमें फिल्म ने तेलुगु में 267.1 करोड़, तमिल में 33.3 करोड़, हिंदी में 257.1 करोड़, कन्नड़ में 5.05 करोड़ और मलयालम में 21.9 करोड़ की कमाई की है।कल्कि 2898 एडीळ ने तीसरे वीकेंड पर छप्परफाड़ कमाई की थी हालांकि तीसरे मंडे फिल्म की कमाई बॉक्स ऑफिस पर धड़ाम हो गई और ये मुश्किल से 3 करोड़ की कमाई कर पाई। वहीं अब फिल्म का टारगेट शाहरुख खान की जवान के इंडियन लाइफ टाइम कलेक्शन 643.87 करोड़ रुपये है। अब देखने वाली बात होगी कि क्या कल्कि 2898 एडीळ घटती कमाई के साथ जवानळ को धूल चटा पाएगी या नहीं। फिलहाल हर किसी की निगाहें बॉक्स ऑफिस पर टिकी हुई हैं।बता दें कि कल्कि 2898 एडी का निर्देशन नाग अश्विन ने किया है। फिल्म में प्रभास के अलावा दीपिका पाकुदोण, कमल हासन, दिशा पटानी और अमिताभ बच्चन सहित कई कलाकारों ने अहम रोल प्ले किया है। ये फिल्म 600 करोड़ के बजट में बनी फिल्म है और इसे 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था।

कृतिका मलिक ने नॉमिनेशन पर नेजी को कहा बेवकूफ

बिग बॉस ओटीटी 3 में रैपर नेजी ने हाउसमेट कृतिका मलिक को अनएक्सपेक्टेड नॉमिनेशन टास्क में नॉमिनेट किया, इसके बाद कृतिका नेजी पर अपनी भड़ास निकालती नजर आईं। यह सब शो के आगामी एपिसोड में नजर आएगा।चैनल द्वारा इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए प्रोमो में कैप्शन दिया गया है, अनएक्सपेक्टेड नामांकन? नेजी ने क्यों किया कृतिका को नॉमिनेट?प्रोमो की शुरुआत में कृतिका रैपर नेजी को बेवकूफ कहती नजर आती हैं।

कृतिका ने कहा, 11 लोगों के बीच में जो सबसे बेवकूफ आदमी है, वो यह (नेजी) है। उन्होंने कहा: थोड़ी देर में कहेंगे, सॉरी कृतिका जी मुझे उस समय जो लगा मैंने कर दिया।इस पर नेजी ने कहा कि वह सोच रहे थे कि उन्हें वही करना चाहिए जो वह काफी समय से करना चाहते थे।कृतिका ने कहा, यहां मैं नेजी भाई का इतना ध्यान रखती हूं, यहां किसी लड़के का नहीं रखा।कृतिका ने आगे कहा कि आज के बाद बोलना मत की कॉफी या चाय दे दो। इस पर नेजी कहते नजर आते है कि आपने इस वजह से कनेक्शन बनाया था?इस बीच कृतिका के पति अरमान मलिक इस लड़ाई में कूद पड़ते हैं। अरमान ने कहा कि पूरा घर जानता है कि कितना काम करने वाला है तू, अपने में बदलाव ला, तू किसी के लिए कुछ नहीं करता।अपनी दोस्त सना मकबूल से बात करते हुए नेजी ने कहा कि वह कुछ अलग करना चाहते हैं। नेजी ने कहा, कुछ अनप्रिडिक्टेबल करना था मुझे। मजा आना चाहिए... गेम होना चाहिए, यहां चाय पीने नहीं आए हैं।

फिल्म कांतारा चैप्टर 1 में मशहूर अभिनेता जयराम की हुई एंट्री

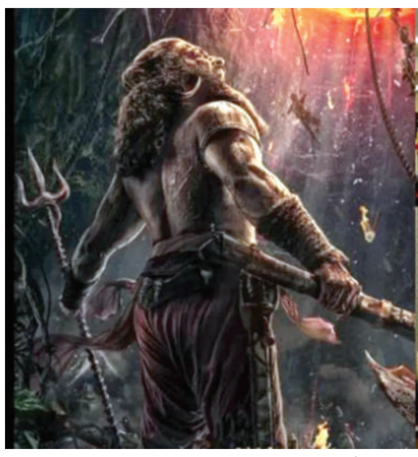

कांतारा साल 2022 की बेहद चर्चित और सफल फिल्म रही थी। फिल्म से ऋषभ शेट्टी रातों-रात पूरे देश में मशहूर हो गए थे। फिल्म का निर्देशन और लेखन के साथ-साथ उन्होंने मुख्य किरदार भी निभाया था। भारतीय लोक कथाओं पर आधारित इस फिल्म को काफी तारीफें मिली थीं। फिल्म के रिलीज के बाद से ही दर्शक इसके दूसरे भाग की मांग करने लगे थे, जिसके बाद निर्माताओं ने इसके दूसरे भाग का एलान भी कर दिया। हालांकि, यह फिल्म पहले भाग की प्रीक्वल होगी। ऋषभ शेट्टी फिलहाल कांतारा-चैप्टर 1 को लेकर व्यस्त हैं। वह इस फिल्म को पहले भाग से अधिक भव्य और बेहतरीन बनाने में कोई कसर छोडऩा नहीं चाहते। पिछले साल मेकर्स के तरफ से इसकी एक झलक भी जारी की गई थी, जिसके बाद दर्शक काफी उत्साहित हो गए थे। टीजर से यह साफ दिख रहा था कि मेकर्स इसे और भी ज्यादा भव्य बनाना चाहते हैं। इस वजह से इस बार फिल्म का बजट भी काफी ज्यादा बढ़ा दिया गया है। अब खबरें आ रही हैं कि कांतारा- चैप्टर 1 में एक बड़े स्टार को शामिल किया गया है। पोर्ट्स के मुताबिक, कांतारा-चैप्टर 1 में मलयालम फिल्मों के स्टार अभिनेता जयराम भी नजर आने वाले हैं। उन्होंने कर्नाटक में फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। वह फिल्म में एक महत्वपूर्ण किरदार में नजर आने वाले हैं। बता दें कि जयराम साउथ फिल्मों के जाने माने कलाकार हैं। हाल में ही वह सुपरस्टार महेश बाबू की फिल्म गुंटूर कारम में नजर आए थे। कांतारा- चैप्टर 1 से जयराम के जुडऩे की खबर तेजी से फैल रही है। उनके फैंस इस से काफी उत्साहित हैं। बताते चलें कि कांतारा 30 सितंबर 2022 को कर्नाटक में रिलीज हुई थी। बॉक्स ऑफिस पर इसकी सफलता को देखते हुए इसे हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम में भी डब किया गया। डबिंग के बाद फिल्म 14 अक्टूबर 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म को दर्शकों का जबर्दस्त प्यार मिला। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी काफी अच्छा कारोबार किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 16 करोड़ में बनी फिल्म ने 400 करोड़ के आसपास की कमाई की थी।

मोनालिसा ने पिंक आउटफिट में गिराई बिजली

भोजपुरी क्वीन मोनालिसा हमेशा अपनी बोल्डनेस और हॉटनेस से इंटरनेट पर कहर बरपाती रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही छा जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।उन्होंने इंस्टाग्राम पर नई सिजलिंग तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें वे पिंक ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। तस्वीरों में मोनालिसा खुले बालों और लाइट मेकअप के साथ पोज देती हुई नजर आ रही हैं। उनके साथ उनकी 2 फीमेल दोस्त भी नजर आ रही हैं।

मोनालिसा का यह लुक उनके फैंस को काफी पसंद आ रहा है। एक्ट्रेस मोनालिसा हमेशा अपनी बोल्ड और स्टनिंग फोटोज शेयर कर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं।वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो अक्सर लोगों के बीच तेजी से वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर कर इंटरनेट का तापमान बढ़ा दिया है।एक्ट्रेस मोनालिसा अपनी इन फोटोज में अपना कर्वी फिगर जमकर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। साथ ही फैंस उनके स्टनिंग लुक्स की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।इन तस्वीरों पर उनके फैंस ने जमकर लाइक्स और कमेंट किए हैं। कुछ फैंस ने उनके लुक की तारीफ की है तो वहीं कुछ ने उनके साथ वाली दो फीमेल दोस्त के बारे में भी पूछा है।

त्रिशा कृष्णन की क्राइम-थ्रिलर सीरीज बृंदा का टीजर रिलीज

साउथ इंडियन फिल्मों में अपनी एक्टिंग के झंडे गाडऩे के बाद अब तृषा कृष्णन भी ओटीटी का रुख कर रही हैं। उनकी वेब सीरीज जल्द ही ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। जिसके बाद तृष्णा कृष्णन भी उन सितारों की लिस्ट में शामिल हो जाएंगी जो बड़े पर्दे के बिग स्टार होने के बाद ओटीटी में आए हैं। तृषा कृष्णन बृंदा नाम की वेब सीरीज के साथ ओटीटी पर दिखाई देंगी। ये एक क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज बताई जा रही है। जिसके प्रोडक्शन का काम पिछले एक साल से जारी था। अब वेब सीरीज की रिलीज डेट का अनाउंसमेंट हो चुका है। फिल्म ट्रेड एनालिस्ट क्रिस्टोफर कंगराज ने वेब सीरीज की रिलीज डेट बताई है। उन्होंने इस बारे में ट्वीट कर जानकारी दी है। जिसके मुताबिक तृषा कृष्णन की वेब सीरीज आने वाले 2 अगस्त को रिलीज होगी। ये वेब सीरीज तृषा कृष्णन के फैंस सोनी लिव पर देख सकते हैं। इसके साथ ही क्रिस्टोफर कंगराज ने वेब सीरीज के टीजर का वीडियो भी शेयर किया है। जिसे देखकर ये अंदाजा लगाया जा सकता है कि वेब सीरीज एक क्राइम थ्रिलर है। जिसमें तृषा कृष्णनन पुलिस की वर्दी पहनी दिखाई देंगी। उनके अलावा बृंदा वेब सीरीज में साई कुमार, अमानी, इंद्रजीत सुकुमारन, रविंद्र विजय और दूसरे सपोर्टिंग एक्टर्स भी नजर आएंगे।तृषा कृष्णन की ये पहली वेब सीरीज एक साथ बहुत सी भाषाओं में रिलीज होगी। इसे तेलुगू, कन्नड़, हिंदी, तमिल, मराठी, मलयालम और बंगाली भाषा में रिलीज करने की तैयारी है। वेब सीरीज को डायरेक्ट किया है सूर्या मनोज वंगाला ने। अब तक मिली जानकारी के अनुसार वेब सीरीज आंध्र प्रदेश के एक केस से जुड़ी होगी।

यूपी उपचुनाव

अब उत्तर प्रदेश में बिछ गई उपचुनाव की बिसात

कौन लड़ेगा और कौन हटेगा, इस पर उठ रहे सवालात

लखनऊ, 17 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। इसे लेकर सियासी हलचल शुरू हो चुकी है। जिन 10 सीटों पर उपचुनाव होना है उनमें से ज्यादातर सीटें उन सीटों के विधायकों के सांसद बनने की वजह से हो रहे हैं। वहीं, एक विधायक के अयोग्य घोषित होने के बाद उपचुनाव की नौबत आई है।

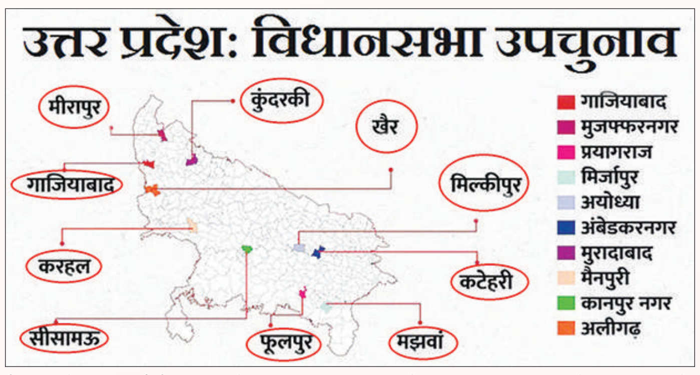

जिन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है, उनमें अलीगढ़ जिले की खैर, अयोध्या की मिल्कीपुर, अंबेडकरनगर की कटेहरी, मुजफ्फरनगर की मीरापुर, कानपुर नगर की सीसामऊ, प्रयागराज की फूलपुर, गाजियाबाद की गाजियाबाद, मिर्जापुर की मझवां, मुरादाबाद की कुंदरकी और मैनपुरी की करहल विधानसभा सीट शामिल है। जिन सीटों पर उपचुनाव होना है 2022 के विधानसभा में इनमें से समाजवादी पार्टी ने सबसे अधिक पांच सीटें जीती थीं। वहीं, भाजपा ने इनमें से तीन सीटें जीतीं थीं। राष्ट्रीय लोक दल और निषाद पार्टी के एक-एक उम्मीदवार इन सीटों पर विजयी हुए थे।

हाल ही में सम्पन्न हुए लोकसभा चुनाव में कई विधायक सांसद निर्वाचित हुए थे। इनमें से पूर्व मुख्यमंत्री और सपा प्रमुख अखिलेश यादव समेत नौ विधायक शामिल हैं। सांसद बनने के बाद इन विधायकों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। वहीं, कानपुर नगर की सीसामऊ सीट 2022 में यहां से जीते सपा के इरफान सोलंकी को अयोग्य करार दिए जाने से रिक्त हो गई है।

उत्तर प्रदेश में जिन 10 सीटों पर उपचुनाव होने हैं उनमें सबसे चर्चित करहल सीट है। यादव बहुल करहल सीट अखिलेश यादव के सांसद बनने से रिक्त हुई है। यहां के विधायक सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव थे जो 2024 के लोकसभा चुनाव में कन्नौज से जीतकर सांसद बन गए हैं। सपा की तरफ से अखिलेश यादव ने 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में करहल सीट पर जीत दर्ज की थी। उस चुनाव में अखिलेश ने भाजपा के एसपी सिंह बघेल को शिकस्त दी थी। यहां से अखिलेश परिवार के तेज प्रताप सिंह यादव को उतारा जाना करीब-करीब तय है। वहीं, भाजपा भी इस चुनाव की तैयारी में जुट गई है। पार्टी ने उपचुनाव के लिए उत्तर प्रदेश सरकार में संस्कृति और पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह को प्रभारी मंत्री बनाया है। इस बीच, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष स्वर्गीय मदन चौहान के पुत्र शिवम चौहान ने पार्टी से टिकट मांगा है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में टिकट मांगना सभी का अधिकार है। अगर पार्टी उनको टिकट देती है तो वह करहल सीट पर ऐतिहासिक जीत दर्ज कराएंगे।

अयोध्या की मिल्कीपुर सीट हाल के लोकसभा चुनाव के बाद सबसे ज्यादा चर्चा में रही। यूपी में भाजपा की सीटें कम होने के साथ अयोध्या जिले की फैजाबाद लोकसभा सीट पर भी हार का सामना करना पड़ा था। सपा उम्मीदवार अवधेश प्रसाद यहां से करीब 54 हजार मतों से जीत गए। लोकसभा का चुनाव जीतने वाले अवधेश प्रसाद 2022 में फैजाबाद जिले की मिल्कीपुर (सुरक्षित) सीट से जीते थे। उन्होंने भाजपा के गोरखनाथ को हराया था। अब उपचुनाव के लिए मिल्कीपुर (एससी) सीट से सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत सपा से टिकट के दावेदार हैं। हालांकि, सपा नेतृत्व नहीं चाहता है कि अवधेश की जीत से बने माहौल को कोई नुकसान पहुंचे, इसलिए उनके बेटे के बजाय किसी अन्य को लड़ाने पर विचार किया जा रहा है। मिल्कीपुर सीट पर सपा के पास कई दावेदार हैं।

दूसरी तरफ भाजपा से पूर्व विधायक गोरखनाथ समेत टिकट के दावेदारों के रूप में कई नाम हैं। इनमें पूर्व विधायक रामू प्रियदर्शी, नीरज कनौजिया, आरएसएस की पृष्ठभूमि से जुड़े रहे जिला महामंत्री काशीराम रावत, राधेश्याम त्यागी, चंद्रभानु पासवान, लक्ष्मी रावत और जिला पंचायत सदस्य बबलू पासी प्रमुख हैं।

अंबेडकर नगर की कटेहरी सीट से सपा के विधायक रहे लालजी वर्मा भी अब लोकसभा के सांसद बन गए हैं। उनके इस्तीफे से कटेहरी सीट पर उप-चुनाव होना है। 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा के लालजी वर्मा में एडीए गठबंधन में शामिल निषाद पार्टी के टिकट पर उतरे अवधेश कुमार द्विवेदी को शिकस्त दी थी। आगामी उपचुनाव के लिए सांसद लालजी वर्मा की बेटी छाया वर्मा को लड़ाने की चर्चा है। सपा की ओर से कटेहरी से किसी ब्राह्मण या मांझी दावेदार को मौका मिल सकता है। दूसरी ओर भाजपा ने उप-चुनाव को लेकर तीन-तीन मंत्रियों-स्वतंत्र देव सिंह, संजय निषाद और दयाशंकर मिश्र दयालु को यहां की जिम्मेदारी सौंपी है। इसके साथ ही यहां भाजपा से चुनाव लड़ने को लेकर अभी से ही तगड़ी दावेदारी शुरू हो गई है। इसमें पूर्व मंत्री धर्मराज निषाद, अवधेश द्विवेदी के अलावा पूर्व जिलाध्यक्ष रमाशंकर सिंह, वरिष्ठ नेता राणा रणधीर सिंह, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सुधीर सिंह मिंटू आदि का नाम मुख्य रूप से शामिल है।

मुरादाबाद की कुंदरकी विधानसभा सीट से विधायक जिया उर रहमान संभल से सपा के सांसद बन गए हैं। जिया उर रहमान के विधायक पद से इस्तीफे के बाद कुंदरकी में उपचुनाव होना है। 2022 विधानसभा चुनाव में सपा के जिया उर रहमान ने भाजपा उम्मीदवार कमल कुमार को हराया था। आने वाले उपचुनाव में सपा कुंदरकी से किसी मुस्लिम चेहरे को उतार सकती है। मुरादाबाद से पूर्व सपा सांसद एसटी हसन भी दावेदारी पेश कर रहे हैं। पूर्व सांसद ने कहा कि अखिलेश कहें तो वह तैयार हैं। जियाउर रहमान के पिता मामलुक उर रहमान और यहां के पूर्व विधायक मोहम्मद रिजवान भी इस सीट पर सपा के दावेदारों में शामिल हैं।

कानपुर नगर की सीसामऊ ऐसी अकेली सीट है जहां मौजूदा विधायक की अयोग्यता के चलते उपचुनाव होना है। तत्कालीन सपा विधायक इरफान सोलंकी को सजा सुनाए जाने के बाद यह सीट रिक्त हुई है। 2022 के चुनाव में सपा की तरफ से उतरे इरफान ने भाजपा के सलिल विश्नोई को हराया था। कहा जा रहा है कि उपचुनाव के लिए सपा इरफान सोलंकी की पत्नी नसीम सोलंकी को टिकट देगी। इस सीट पर भाजपा में टिकट के लिए कई दावेदार हैं। इनमें पार्षद से लेकर पार्टी पदाधिकारी और यहां तक कि कई गैर राजनीतिक लोगों के नाम भी चर्चा में हैं।

गाजियाबाद के भाजपा विधायक अतुल गर्ग इस लोकसभा चुनाव में गाजियाबाद लोकसभा सीट से सांसद बन गए हैं। 2022 में गर्ग गाजियाबाद विधानसभा सीट से जीते थे। उनके सांसद बनने के बाद इस सीट पर उप-चुनाव होना है। गत विधानसभा चुनाव में भाजपा के अतुल गर्ग ने सपा उम्मीदवार विशाल वर्मा को हराया था। चुनाव लड़ने के लिए भाजपा में टिकट पाने के लिए लंबी लाइन है। वहीं विधानसभा उपचुनाव भी लोकसभा की तरह कांग्रेस-सपा गठबंधन के दल भी मिलकर लड़ेंगे। यहां सपा जाट और दलित समीकरणों पर विचार कर रही है।

प्रयागराज में फूलपुर विधानसभा सीट से विधायक प्रवीण पटेल फूलपुर लोकसभा सीट से सांसद चुन लिए गए हैं। प्रवीण के विधायक पद से इस्तीफे के चलते उपचुनाव होगा। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा के प्रवीण पटेल ने सपा उम्मीदवार मोहम्मद मुजतबा सिद्दीकी को हराया था। आने वाले उपचुनाव में इस सीट से भाजपा के दावेदारों की बात करें तो उसमें निवर्तमान सांसद केशरी देवी पटेल के बेटे दीपक पटेल का नाम प्रमुखता से लिया जा रहा है। इसके अलावा इस सीट से विक्रमजीत सिंह मौर्य और पूर्व गंगापार अध्यक्ष कन्हैया लाल पांडेय भी टिकट के दावेदारों में शामिल हैं। सपा में जिन नामों पर चर्चा है उसमें राजेंद्र पटेल, पूर्व सांसद धर्मराज पटेल, पूर्व विधायक मुर्तजा सिद्दीकी और इस बार का लोकसभा चुनाव लड़ चुके अमरनाथ मौर्य का नाम शामिल है।

मुजफ्फरनगर की मीरापुर सीट से राष्ट्रीय लोक दल के चंदन चौहान विधायक थे। चंदन ने इस लोकसभा चुनाव में बिजनौर सीट से अपनी किस्मत आजमाई और सफल भी हुए। चंदन चौहान के विधायक पद से इस्तीफे की वजह से मीरापुर में उप-चुनाव होना है। गत विधानसभा चुनाव में रालोद के चंदन चौहान ने भाजपा उम्मीदवार प्रशांत चौधरी को हराया था। उस चुनाव में रालोद सपा के साथ गठबंधन में लड़ी थी। अब उपचुनाव के लिए बसपा से रालोद में आए चौधरी विजेंद्र सिंह मीरापुर से टिकट के दावेदारों में हैं। विजेंद्र सिंह ने बिजनौर लोकसभा सीट से बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था। उधर सपा की तरफ से मीरापुर सीट पर मुस्लिम, गुर्जर और जाट दावेदारों के नाम पर विचार किया जा रहा है।

मिर्जापुर की मझवां विधानसभा सीट से निषाद पार्टी के विधायक रहे डॉ. विनोद कुमार बिंद भी अब लोकसभा के सांसद बन गए हैं। उनके इस्तीफे से मझवां सीट पर उपचुनाव होना है। 2022 के विधानसभा चुनाव में निषाद पार्टी के टिकट पर उतरे विनोद कुमार बिंद ने सपा के रोहित शुक्ल को शिकस्त दी थी। उपचुनाव के लिए मझवां से निषाद पार्टी अपना उम्मीदवार उतार सकती है। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने कटेहरी और मझवां विधानसभा सीटों पर दावेदारी पेश की है। उधर सपा की तरफ से मझवां में ब्राह्मण या बिंद बिरादरी के नेता को मौका मिल सकता है।

अलीगढ के खैर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के अनूप प्रधान वाल्मीकि विधायक थे। अनूप ने इस लोकसभा चुनाव में हाथरस सीट से अपनी किस्मत आजमाई और सफल भी हुए। उनके विधायक पद से इस्तीफे की वजह से खैर में उपचुनाव होना है। गत विधानसभा चुनाव में भाजपा के अनूप प्रधान वाल्मीकि ने बसपा की उम्मीदवार चारू को हराया था। आगामी उपचुनाव के लिए सपा निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में अच्छा प्रदर्शन कर चुकीं एक नेता के नाम पर विचार कर रही है। भाजपा में भी दा-वेदारों की होड़ है लेकिन अभी किसी नाम पर निर्णय नहीं हुआ है।

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1975 में दिखाई थी संविधान की ताकत

प्रयागराज, 17 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री स्वतंत्र प्रभार अर्जुन राम मेघवाल ने मंगलवार को आपातकाल की घटना को संविधान पर सबसे बड़ी चोट के रूप में याद किया। उन्होंने कहा कि इसी संगमनगरी ने संविधान की रक्षा भी की और उसकी ताकत का भी देश को अहसास कराया है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की सुरक्षित और गरिमामयी 75 वर्ष की यात्रा इसी संविधान के आदर और न्याय की अवधारणा की देन है। इस दौरान उन्होंने रिमोट दबाकर हमारा संविधान हमारा सम्मान पोर्टल को लांच किया।

इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन के कन्वेंशन सेंटर में हमारा संविधान-हमारा सम्मान अभियान के तहत आयोजित क्षेत्रीय स्तर के देश के तीसरे सम्मेलन में केंद्रीय न्याय मंत्री ने समारोह में बार-बेंच के संगम को सराहा। उन्होंने जहां संविधान में कार्यपालिका, न्यायपालिका और व्यवस्थापिक रूपी त्रिवेणी को लोकतंत्र का सबसे खूबसूरत उपहार बताया तो वहीं वह अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद और महाकवि निराला को याद करना नहीं भूले।

उन्होंने कहा कि 1947 में भारत और पाकिस्तान दोनों एक साथ आजाद हुए थे। स्वतंत्रता काल के इस सफर में कहीं गृह युद्ध तो कहीं सैनिक शासन जैसी स्थिति पैदा हुई।

लेकिन, भारत स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में सुरक्षित प्रवेश कर गया है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की यह सुरक्षित यात्रा सिर्फ भारत के संविधान की वजह से पूरी हुई है। हम तरक्की की राह पर विकसित भारत का संकल्प पूरा करने की ओर अग्रसर हैं। न्याय मंत्री मेघवाल ने संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को भी याद किया।

योगी को हटाए जाने की चर्चाओं पर फिलहाल विराम

संगठन और सरकार में हो सकते हैं बदलाव

लखनऊ, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बीते कुछ दिनों से उत्तर प्रदेश की सियासत में किसी बहुत बड़े बदलाव को लेकर सियासी गलियारों में खूब चर्चाएं हो रही हैं। चर्चाओं के इसी दौर में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी की भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात हुई। इस मुलाकात के बाद बीते तकरीबन 12 घंटे से उत्तर प्रदेश की सियासत में भारी फेरबदल की बात हो रही है। हालांकि भारतीय जनता पार्टी के सूत्रों की मानें, तो उत्तर प्रदेश के संगठन और सरकार में कुछ बदलाव तो होने तय हैं। लेकिन जिसकी चर्चा सियासी गलियारों में सबसे ज्यादा हो रही है, उस तरीके का कोई बड़ा चौंकाने वाला फैसला फिलहाल उत्तर प्रदेश में नहीं होने वाला है।

उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के नतीजे के बाद से हार के कारणों पर चर्चा हो रही है। इन्हीं चर्चाओं के बीच उत्तर प्रदेश में बड़े फेरबदल की बात की जा रही थी। लगातार उत्तर प्रदेश के बड़े नेता मुख्यमंत्री से लेकर प्रदेश अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री केंद्रीय नेतृत्व के संपर्क में थे। लेकिन बीते 12 घंटे के भीतर जिस तरीके से उत्तर प्रदेश की सियासत में हलचल मची है, उसे लेकर सबसे ज्यादा चर्चाएं हो रही हैं।

विधानसभा उपचुनाव को लेकर सीएम आवास पर हुई बैठक

योगी ने मंत्रियों को दिया सीटों का जिम्मा

लखनऊ, 17 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी में 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर मुख्यमंत्री आवास पर बैठक हुई जिसमें सरकार और संगठन के लोग शामिल हुए। बैठक में एक सीट की जिम्मेदारी तीन मंत्रियों को दी गई हैं।

बैठक के बाद बाहर निकले कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि उपचुनाव को लेकर चर्चा हुई और सभी की जिम्मेदारी तय की गई।

बैठक में मुख्यमंत्री योगी ने सभी मंत्रियों को अपने प्रभारी क्षेत्र में जब तक चुनाव समाप्त न हो जाएं दो दिन-रात्रि विश्राम के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री की तरफ से सभी प्रभारी मंत्रियों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि हर एक ग्रुप को कार्यकर्ताओं के साथ बात करनी है और सबसे ज्यादा फोकस बूथ को मजबूत करने में करना है।

लोकसभा चुनाव में सांसद बने 9 विधायकों की सीटों समेत सीसामऊ सीट पर उप चुनाव होना है। सपा विधायक के अयोग्य घोषित होने से सीसामऊ सीट रिक्त हुई है। जिन 9 सीटों पर उपचुनाव होने हैं, उनमें मिल्कीपुर, कटेहरी, फूलपुर, मझवां, गाजियाबाद सदर, मीरापुर, खैर और कुंदरकी शामिल हैं।

लोकसभा चुनाव में यूपी में भाजपा को मिली पराजय के बाद पार्टी इन उपचुनाव में बड़ी जीत हासिल कर संदेश देना चाहती है कि भाजपा की पकड़ अभी भी यूपी के मतदाताओं पर मजबूत है। इन चुनाव को विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों से भी जोड़कर देखा जा रहा है। भाजपा में लखनऊ से लेकर दिल्ली तक बैठकों का दौर चल रहा है। मंगलवार को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की थी।

यूपी में सपा के गुंडाराज की वापसी असंभव : मौर्य

लखनऊ, 17 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, भारतीय जनता पार्टी 2027 में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों में 2017 के नतीजों को दोहराएगी। यूपी में समाजवादी पार्टी की गुंडागर्दी की वापसी असंभव है। यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का यह बयान ऐसे समय में आया है जब उनके और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बीच मतभेद की खबरें आ रही थीं । 15 जुलाई को भाजपा की एक दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति में उनके द्वारा दिए गए बयान के बाद से ही यह चर्चा शुरू हो गई थी। यहां पर उन्होंने कहा था कि वह खुद को पहले भाजपा कार्यकर्ता मानते हैं, फिर उसके बाद में उपमुख्यमंत्री। साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संगठन पहले है और रहेगा।

अब बरेली में नहीं होगा सामूहिक धर्मांतरण का कार्यक्रम

बरेली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। कट्टरपंथी एवं विवादित मौलाना तौकीर रजा खां को बरेली में सामूहिक धर्मांतरण कार्यक्रम करने की अनुमति नहीं मिली तो उन्हें अपने कदम पीछे खींचने पड़े। मौलाना का पश्चिमी यूपी से लेकर पूरे देश में कौने-कौने पर विरोध हो रहा था।

साधु-संत भी मुखर होकर मुखर होकर हमला बोल रहे थे और हिंदू संगठन सड़कों पर उतरकर जगह-जगह प्रदर्शन कर रहे थे। भारी फजीहत होते देख मौलाना ने खुद ही कार्यक्रम स्थगित करने की घोषणा कर दी है। हालांकि, उनके खिलाफ माहौल बिगाड़ने के षडयंत्र के मामले में अभी भी कार्रवाई की मांग जोर पकड़ रही है।

बरेली में इत्तहादे मिल्लत काउंसिल नाम से पार्टी चलाने वाले मौलाना तौकीर रजा खां पहले से ही फसादी और विवादित छवि के रहे हैं। बरेली में 2010 में हुए दंगे का उन्हें मास्टर माइंड भी माना जाता है। तत्कालीन बसपा सरकार ने बरेली पुलिस ने दंगे के मामले में मौलाना को गिरफ्तार कर जेल भी भेजा था, लेकिन बाद में उन्हें दबाव में छुड़वा दिया गया था। उसके बाद भी मौलाना भड़काऊ बयानबाजी कर लगातार माहौल गरमाने का प्रयास करते रहते हैं। पिछले साल मौलाना ने बरेली में बगैर अनुमति भीड़ जुटाकर प्रशासन के सामने चुनौती पेश की थी। पुलिस की सख्ती से वह प्रदर्शन तो नहीं कर सके थे, लेकिन भीड़ ने बरेली शहर में कई जगह बवाल काटा था।

मौलाना तौकीर इस बार बरेली के शांत माहौल में गरमी पैदा करने के लिए सावन माह शुरू होने से ठीक एक दिन पहले हिंदू लड़के-लड़कियों का सामूहिक धर्मांतरण कार्यक्रम कराना चाह रहे थे लेकिन प्रशासन ने उन्हें ऐसा करने की बिल्कुल अनुमति नहीं दी।

इस बीच मौलाना की साजिश का पता होते ही हिंदू समाज सड़कों पर उतर आया। उनके खिलाफ बरेली जिला मुख्यालय से लेकर शहर-देहात में भी प्रदर्शन शुरू हो गए। विहिप, हिंदू जागरण मंच, बजरंग दल, नाथ नगरी सुरक्षा समूह मैदान में उतर आए और मौलाना तौकीर के खिलाफ कार्रवाई के साथ उनके प्रस्तावित कार्यक्रम पर रोक लगाने की मांग शुरू कर दी थी।

पिछले साल बरेली में कांवड़ यात्रा के दौरान बवाल की घटना से सबक लेकर प्रशासन पहले से ही फूंक-फूंककर कदम रख रहा था। पुलिस अफसरों ने मौलाना के ऐलान को गंभीरता से लेकर दो टूक कह दिया कि अगर धर्मांतरण कार्यक्रम किया गया तो अवैध धर्मांतरण कानून के तहत आयोजकों पर कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन ने मौलाना तौकीर की पार्टी को कार्यक्रम की अनुमति देने से साफ इंकार कर दिया। ऐसी स्थिति में अगर मौलाना बरेली शहर में धर्मांतरण कार्यक्रम करते तो वह न सिर्फ पुलिस-प्रशासन के निशाने पर आकर कानूनी कार्रवाई झेलते, बल्कि उन्हें मैदान में हिंदू विरोध का भी सामना करना पड़ता।

फजीहत होती देख मौलाना तौकीर ने खुद ही कार्यक्रम से हाथ पीछे खींच लिए। रात में उनकी पार्टी की ओर से प्रशासन को पत्र भेजकर कार्यक्रम नहीं करने की घोषणा कर दी।

सपा-बसपा सरकारों में कई दंगे झेल चुके संवेदनशील बरेली शहर में मौलाना ने कांवड़ यात्रा से पहले सामूहिक इस्लामिक धर्मांतरण कार्यक्रम की घोषणा क्यों की, इसे लेकर विभिन्न संगठन उनके खिलाफ अब भी कार्रवाई की मांग पर अड़े दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने खुराफाती मौलाना तौकीर पर पहले से दर्ज चल रहे मुकदमों की नए सिरे से छानबीन शुरू कर दी है। अखिल भारतीय हिंदू महासभा, पंजाबी संगठन, अधिवक्ता परिषद, भारतीय बजरंग दल समेत तमाम संगठनों ने मौलाना के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर उनकी तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है।

विवादित मौलाना तौकीर रजा खां के खिलाफ पश्चिमी यूपी में साधु-संत भी लामबंद होकर मैदान में उतर आए हैं।

वृंदावन में गोपाल खार स्थित श्रीमद्भागवत मंदिर में आचार्य बद्रीश महाराज की अध्यक्षता में हुई बैठक में मौलाना तौकीर की गतिविधियों पर रोक लगाकर सरकार से कार्रवाई की मांग उठाई गई। धर्म रक्षा संघ के अध्यक्ष सौरभ गौड़ एवं मार्गदर्शक महंत मोहिनी बिहारी शरण ने दू टूक कहा है कि अगर इस्लामिक धर्मांतरण कार्यक्रम हुआ तो सड़कों पर उतरकर आंदोलन किया जाएगा।

आचार्य बद्रीश महाराज ने साफ शब्दों में कहा कि मौलाना तौकीर बरेली का माहौल बिगाड़ने का षडयंत्र कर रहे हैं। इसका हर स्तर पर विरोध किया जाएगा। महामंडलेश्वर स्वामी कृष्णानंद महाराज ने भी इस तरह का कार्यक्रम कहीं भी नहीं होने देने की मांग सरकार से उठाई है।

प्रसिद्ध कथावाचक देवकी नंदन ठाकुर ने भी इस्लामिक कट्टरपंथी मौलाना तौकीर रजा खां को करारा जवाब दिया है। कथाव-ाचक देवकी नंदन ने वीडियो बयान जारी कर कहा कि मौलाना सामूहिक धर्मांतरण कार्यक्रम करेंगे और हिंदू समाज चुप बैठेगा, ये समझने की भूल कोई न करे। कितने ही मुस्लिम युवक-युवतियां सनातन धर्म ग्रहण करने की इच्छा के साथ उनके पास आते रहते हैं, लेकिन वह ऐसे कार्यक्रम करते। मौलाना तौकीर हिंदू समाज की भावनाओं को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे मौलाना पर पुलिस-प्रशासन को कार्रवाई करनी चाहिए। कथावाचक देवकी नंदन ठाकुर ने हिंदू हिंसक बयान को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं को हिंसक बताने वालों को मौलाना तौकीर का षडयंत्र क्यों नहीं दिखाई दे रहा?

हार्दिक से अलगाव के बीच ही बेटे अगसत्य के साथ एयरपोर्ट पर नजर आई नताशा

मुंबई, 17 जुलाई (एजेंसियां)। क्रिकेटर हार्दिक पांड्या के साथ अलगाव की खबरों के बीच ही उनकी पत्नी बेटे अगसत् का हाथ थामे एयरपोर्ट पर नजर आयीं हैं। हार्दिक और नताशा के बीच पिछले काफी समय से सब कुछ ठीक नहीं चल रहा था पर अब ये मतभेद खुलकर सामने आ गये हैं।

ये भी कहा जा रहा है कि दोनों के बीच तलाक हो गया है। हार्दिक के भाई करुणाल पांड्या के एक पोस्ट के बाद दोनों के तलाक की खबरों ने तूल पकड़ लिया है। इससे प्रशंसक भी निराश हैं। वहीं हार्दिक ने अब तक इस मामले में कुछ नहीं कहा है। नताशा का बेटे अगसत्य के साथ मुंबई एयरपोर्ट का वीडियो तेजी से वायरल जमकर वायरल हो रहा है।

इसमें नताशा अपने बेटे और केयर टेकर के साथ नजर आ रही हैं। वीडियो में नजर आ रहा है कि नताशा गाड़ी से उतरती हैं और फिर गाड़ी से दो लगेज निकालकर बेटे अगसत्य के साथ जा रही हैं। इस वीडियो को देखने के बाद प्रशंसक ये जानना चाह रहे हैं कि आखिर नताशा जा कहां रही हैं. उनका लगेज देखकर कुछ प्रशंसक मान रहे हैं कि वह भारत छोड़कर शायद हमेशा के लिए जा रही हैं। वहीं कुछ का कहना है कि रिश्ता खराब होने के बाद वह वापस जा रही होंगी। वहीं कुछ का मानना है कि बेटे के साथ कहीं घूमने जा रही हैं। कुछ का मानना है कि वह अपने अभिभावकों के पास सर्बिया जा रही होंगी। नताशा के हार्दिक के साथ रिश्ते जब से खराब हुए हैं। तभी से वह बेटे के साथ ही ज्यादा से ज्यादा समय बिता रही हैं। नताशा ने सोशल मीडिया पोस्ट में सूटकेस की तस्वीर पोस्ट की है। इसमें साथ ही लिख है। 'यह साल का वह समय है' साथ ही विमान और घर की इमोजी भी शेयर की थी। इसके साथ ही उन्होंने आंसू से भरी एक इमोजी भी साझा की है। कुछ दिनों पहले नताशा ने एक पोस्ट किया था जिसमें वह कहती हैं, 'मेरी तरफ से आपको एक रिमाइंडर दोबारा. भगवान कभी आपकी लाइफ से परेशानियां दूर नहीं करते, वह बस आपके लिए रास्ता बना देते हैं। तभी तय हो गया था कि उनका रिश्ता टूट गया है।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय टीम में विराट और रोहित की जगह कोई नहीं ले सकता- कपिल देव

नई दिल्ली। पूर्व विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव ने कहा है कि अनुभवी जोड़ी विराट कोहली और रोहित

शर्मा सभी प्रारूपों में भारतीय टीम में अपूरणीय हैं और कपिल ने उन्हें सचिन तेंदुलकर और एमएस धोनी के समान कहा है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल में भारत की रोमांचक जीत में 76 रनों की मैच जिताऊ पारी खेलने के बाद कोहली ने टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। बाद में, प्रेस कॉन्फ्रेंस में, रोहित ने भी अपने टी20 करियर को अलविदा कह दिया। कपिल देव, जो पीजीटीआई के अध्यक्ष भी हैं, ने ट्रिनिटी गोल्फ चैम्पियनशिप लीग के दूसरे संस्करण के कर्टेन रेज़र इवेंट के मौके पर कहा, किसी भी प्रारूप में भारतीय टीम में विराट और रोहित की जगह कोई नहीं ले सकता। वे भारतीय क्रिकेट के बहुत बड़े सेवक रहे हैं और यह उनके लिए एक सुखद विदाई थी। विराट ने सभी प्रारूपों में अपना जो कद बनाया है, निश्चित रूप से टी-20 में उनकी कमी खलेगी। दोनों सचिन तेंदुलकर और एमएस धोनी के समान हैं। वे अपूरणीय हैं। कोहली की टी20 यात्रा जून 2010 में शुरू हुई। 14 वर्षों में, उन्होंने 125 टी20 मैचों में 4188 रन बनाए, जिसमें एक शतक और 38 अर्धशतक शामिल थे। खेल के प्रति उनके अथक समर्पण और जुनून ने उन्हें टी20 में दूसरा सबसे ज्यादा रन बनाने वाला खिलाड़ी बना दिया, केवल रोहित, जिनकी सेवानिवृत्ति एक शानदार टी20 करियर के अंत का प्रतीक है, जिसके दौरान वह 159 मैचों में 4231 रन बनाकर प्रारूप के सर्वोच्च स्कोरर बन गए। रोहित के नाम टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक शतकों का रिकॉर्ड भी है, जिसमें उनके नाम पांच शतक हैं। उनकी टी 20 यात्रा 2007 में उद्घाटन टी20 विश्व कप के साथ शुरू हुई, जहां वह भारत की पहली खिताबी जीत में प्रमुख खिलाड़ी थे और, कप्तान के रूप में, उन्होंने अपनी विरासत को और मजबूत करते हुए भारत को दूसरा खिताब दिलाया।

पेरिस ओलंपिक से पहले सुमित नागल ने दिखाया दम, नॉर्डिया ओपन में जीत के साथ शुरुआत की

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने नॉर्डिया ओपन टेनिस के मुकाबले में

इलियास यमेर को हरा दिया। उन्होंने स्वीडन के इस खिलाड़ी को सीधे सेटों में हराकर टूर्नामेंट में जीत के साथ शुरुआत की। नागल ने इससे पहले यमेर के खिलाफ जो दो मैच खेले थे उसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय खिलाड़ी ने अपनी शानदार फार्म जारी रखते हुए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले स्थानीय खिलाड़ी को 6-4 6-3 से पराजित किया। नागल पिछले साल स्प्लिट ओपन (क्रोएशिया) और 2019 में लियोन (फ्रांस) में यमेर से हार गए थे। एटीपी रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 68वें स्थान पर पहुंचने वाले नागल का अगला मुकाबला अर्जेंटीना के विश्व में 36वें नंबर के खिलाड़ी मारियानो नवोन से होगा। नागल पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस बीच रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी एटीपी टूर प्रतियोगिता में पहली बार जोड़ी बनाकर खेलने के लिए तैयार हैं। यह दोनों खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक के पुरुष युगल में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

आंध्र ने महिला और कर्नाटक ने पुरुष जूनियर हॉकी का खिताब जीता

कडप्पा, 17 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के कडप्पा में आयोजित दूसरी हॉकी इंडिया जूनियर महिला और पुरुष साउथ जोन चैंपियनशिप 2024 के छठे दिन हॉकी आंध्र प्रदेश महिला चैंपियन के रूप में उभरी, जबकि हॉकी कर्नाटक ने पुरुषों की चैंपियनशिप जीती। तमिलनाडु और तेलंगाना ने क्रमशः महिला और पुरुष प्रतियोगिताओं में तीसरा स्थान हासिल किया। हॉकी आंध्र प्रदेश ने हॉकी कर्नाटक को हराकर महिला चैम्पियनशिप जीती।महिलाओं की प्रतियोगिता के फाइनल मैच में हॉकी आंध्र प्रदेश ने हॉकी कर्नाटक के खिलाफ 5-0 से जीत के बाद चैंपियनशिप जीती। हॉकी आंध्र प्रदेश ने अंकिता बोम्मु (5) की मदद से शुरुआती बढ़त हासिल की। ललिता कोटारी (24, 29, 60) ने दूसरे क्वार्टर में दो बार स्कोर किया और मैच के अंतिम मिनट में अपनी हैट्रिक पूरी की, जबकि झाँसी बोब्बिली (35) ने भी आंध्र प्रदेश के लिए योगदान दिया।हॉकी कर्नाटक ने तमिलनाडु की हॉकी यूनिट के खिलाफ रोमांचक जीत के बाद खिताब जीता।

एथलेटिक्स में सबसे बड़ा दल भेजेगा भारत, इतने एथलीट लेंगे हिस्सा, नीरज सहित ये होंगे दावेदार

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)।

टोक्यो ओलंपिक में अब कुछ ही दिन शेष हैं और नीरज चोपड़ा की अगुआई में भारतीय एथलेटिक्स दल इन खेलों में अपना दम दिखाने के लिए तैयार है। भारत के इस बार कुल 29 एथलीट ओलंपिक में जाएंगे जो भारत का इन खेलों के इतिहास में एथलेटिक्स का सबसे बड़ा दल है। टोक्यो ओलंपिक में भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता था और एक बार फिर उनसे इस प्रदर्शन को दोहराने की आस रहेगी।

टोक्यो में 25 एथलीट हुए थे शामिल

टोक्यो ओलंपिक में नीरज चोपड़ा की स्वर्णिम सफलता का नतीजा सामने है। पेरिस ओलंपिक के भारतीय दल में इस बार बड़ी संख्या एथलेटिक्स से है। 29 एथलीट पेरिस में शिरकत करने जा रहे ओलंपिक के इतिहास में एथलेटिक्स का सबसे बड़ा दल है। टोक्यो में 25 एथलीटों ने शिरकत की थी। नीरज पर स्वर्णिम सफलता दोहराने का दबाव होगा। विश्व एथलेटिक्स ने वर्ष 2024 के 10 श्रेष्ठ भाला फेंक एथलीटों की सूची जारी कर पूछा कि क्या नीरज इस बार ओलंपिक में स्वर्ण जीतेंगे नीरज इस वर्ष 88.36 मीटर की थ्रो के साथ चौथे स्थान पर हैं।

पुरुष रिले टीम से आस

नीरज के अलावा पुरुषों की चार गुणा चार सौ मीटर रिले टीम से अच्छे प्रदर्शन की आस है। विश्व चैंपियनशिप में रिले टीम पांचवे स्थान पर रही और एशियाई कीर्तिमान भी बनाया। विश्व चैंपियनशिप में दौड़ने वाले राजेश रमेश की टीम में वापसी हुई है। अगर टीम ओलंपिक के फाइनल में पहुंची तो भी बड़ी उपलब्धि होगी।

साबले-पारुल पर 3000 मीटर में होंगी निगाहें

एशियाड चैंपियन अविनाश साबले ने तीन हजार मीटर स्टीपलचेज में 8.09.91 मिनट के साथ नया राष्ट्रीय कीर्तिमान बनाया। उनकी विश्व रैंकिंग 13 है। साबले के लिए फाइनल में पहुंचना बड़ी उपलब्धि होगी। यूपी की पारुल चौधरी 3000 मीटर स्टीपलचेज और 5000 मीटर में भाग ले रही हैं। उनके स्टीपलचेज फाइनल में पहुंचने की उम्मीद है।

महिलाओं से बेहतर प्रदर्शन की रहेगी उम्मीद

एथलेटिक्स में इस बार महिलाओं से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। टोक्यो ओलंपिक में डिस्कस थ्रो में कमलप्रीत कौर फाइनल में पहुंची थी, लेकिन पदक से चूक गई थीं। इस बार भाला फेंक एथलीट अन्नू रानी, पैदलचाल एथलीट पारुल और प्रियंका और चार गुणा 400 मीटर रिले की एथलीट प्राची से ओलंपिक में अच्छे प्रदर्शन की आस है।

पेरिस में भाग लेने वाला एथलेटिक्स दल इस प्रकार है...

पुरुष : अविनाश साबले (3000 मीटर स्टीपलचेज), नीरज चोपड़ा, किशोर जेना (भाला फेंक), तेजिंदर पाल तूर (शॉटपुट), प्रवीण चित्रावेल, अबुबाकर (ट्रिपल जंप), सर्वेश कुशारे (ऊंची कूद), अक्शदीप, विकास सिंह, परमजीत सिंह (20 किलोमीटर पैदल चाल), मोहम्मद अनस, मोहम्मद अजमल, अमोज जैकब, संतोष, राजेश रमेश, मिजो चाको (4 गुणा 400 मीटर रिले), सूरज पंवार (मिश्रित पैदलचाल मैराथन), जेस्विन एल्ड्रिन (लंबी कूद)।

महिला : किरन पाहल (400 मीटर), पारुल (3000 मीटर स्टीपलचेज, 5000 मीटर), ज्योति (100 मीटर बाधा दौड़), अनु रानी (भाला फेंक), ज्योतिका, शुभा, विद्या रामराज, पूवम्मा, प्राची (चार गुणा 400 मीटर रिले), प्रियंका गोस्वामी (पैदलचाल), अंकिता ध्यानी (5000 मीटर)।

श्रीलंका दौरे के लिए जल्द होगी भारतीय टीम की घोषणा, सूर्या हो सकते हैं टी20 कप्तान

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। गौतम गंभीर का कार्यकाल टीम इंडिया के श्रीलंका दौरे के साथ शुरू हो जाएगा। कोच की कमान संभालते ही गंभीर एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, श्रीलंका दौरे के लिए टीम की घोषणा हो सकती है। सपोर्टिंग स्टाफ सहित टीम के कप्तान को लेकर गंभीर ने बीसीसीआई को कई सुझाव दिए हैं। टी20 विश्व कप 2024 चैंपियन बनने के बाद टीम इंडिया में बदलाव का दौर शुरू हो चुका है। शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे को 5 मैचों की टी20 सीरीज में 4-1 से हराया। अब टीम का अगला मिशन श्रीलंका दौरा है, जहां तीन टी20 और इतने ही वनडे मैचों की सीरीज खेली जानी है। इस सीरीज के साथ बतौर मुख्य कोच गौतम गंभीर का कार्यकाल टीम इंडिया के साथ शुरू होगा। जानकारी के अनुसार, इस दौरे के लिए टी20 टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव को सौंपी जा सकती है। टी20 विश्व कप जीतने के बाद रोहित शर्मा ने इस प्रारूप से संन्यास का ऐलान कर दिया था। जिसके बाद भारतीय टीम को नए कप्तान की तलाश है। हालांकि नए कप्तान की दावेदारी की रेस में हार्दिक ही सबसे आगे चल रहे हैं। सूर्यकुमार को नई जिम्मेदारी दिए जाने के पीछे हार्दिक की इंजरी की समस्या बड़ी वजह मानी जा रही है। हालांकि, सूर्यकुमार पहले भी भारतीय टीम की कप्तानी कर चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज और दक्षिण अफ्रीका दौरे पर टी20 सीरीज में भी सूर्यकुमार के हाथ में ही भारतीय टीम का नेतृत्व था।

चोट के कारण मेसी अनिश्चित काल के लिए मैदान से बाहर

नई दिल्ली, 17 जुलाई। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी कोपा अमेरिका के फाइनल में चोटिल होकर बाहर चले गए थे। लेकिन अर्जेंटीना ने उनके बिना भी एक रोमांचक मुकाबले में जीत दर्ज की। खास बात ये है कि मेसी सही से चल भी नहीं पा रहे थे लेकिन इसके बावजूद वो बेंच से उठकर गए और टीम के साथ जीत का जश्न मनाया।

हालांकि, मेसी की चोट को लेकर उनके फैंस काफी परेशान हैं। उनके दाहिने टखने में बहुत अधिक सूजन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय है।

इस बीच मेजर लीग सॉकर क्लब इंटर मियामी ने पुष्टि की है कि उनके कप्तान को दाहिने टखने के लिगामेंट में चोट लगी है। उनकी वापसी की कोई तय तारीख नहीं होगी। लेकिन आने वाले कुछ हफ्तों में इस पर चीजें साफ होंगी।

इंटर मियामी के बयान में कहा गया, मेडिकल जांच के बाद, यह निर्धारित किया गया है कि लियोनेल मेसी को दाहिने टखने के लिगामेंट में चोट लगी है। कप्तान की उपलब्धता समय-समय पर किए जाने वाले आकलन और उनकी रिकवरी की प्रगति के आधार पर निर्धारित की जाएगी।

मियामी के कोच मार्टिनो ने पत्रकारों से कहा, मेसी की काफी चोट लगी है, उनका टखना मुड़ गया था। इसलिए जांच की आवश्यकता है और रिपोर्ट की प्रतीक्षा करनी होगी। स्थिति की गंभीरता का पता लगाने के लिए परीक्षण किए जाएंगे। हमें काइनेसियोलॉजिस्ट वाल्टर इंसाउराल्ड के माध्यम से सूचित किया जाता है, जो राष्ट्रीय टीम के भी काइनेसियोलॉजिस्ट हैं।

मेस्सी अमेरिका में अपने कार्यकाल के दौरान शानदार फॉर्म में रहे हैं। आठ बार बैलन डीओर विजेता ने 12 एमएलएस मैचों में 12 गोल किए हैं और 13 गोल में मदद की है।

बता दें, अर्जेंटीना ने फ्लोरिडा के हार्ड रॉक स्टेडियम में मार्टिनेज के अतिरिक्त समय के गोल की बदौलत कोलंबिया को 1-0 से हराकर अपना रिकॉर्ड 16वां कोपा अमेरिका खिताब हासिल किया।

पेरिस में पदक का रंग बदलने के लिए तैयार हैं हॉकी खिलाड़ी ललित, ग्रुप को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली, 17 जुलाई।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने टोक्यो 2020 में लंबा इंतजार खत्म करते हुए कांस्य पदक जीता था। टीम हालांकि 1980 मॉस्को ओलंपिक के बाद से स्वर्ण पदक नहीं जीत सकी है और टीम के अनुभवी फॉरवर्ड खिलाड़ी ललित उपाध्याय को यकीन है कि भारत इस बार पदक का रंग बदलने में सफल रहेगा। ललित 41 साल बाद पदक जीतने वाली पुरुष हॉकी टीम के सदस्य रहे थे।

भारतीय टीम पेरिस ओलंपिक से पहले मानसिक दृढता के लिए स्विटजरलैंड के माइक होर्न्स बेस में तीन दिवसीय शिविर के बाद अब नीदरलैंड में अभ्यास मैच खेलेगी। भारत के लिए 168 मैचों में 45 गोल कर चुके ललित ने कहा, हमें पता है कि उम्मीदें बढ़ी हुई हैं क्योंकि लंबे समय बाद हमने ओलंपिक पदक जीता था। हमें भी खुद से पूरी उम्मीद है कि पदक का रंग बदलेंगे। हमने पिछले चार साल में फिटनेस पर भी काफी मेहनत की है जो मैदान पर नजर आ रही है। फिटनेस में हम दुनिया की शीर्ष टीमों के समकक्ष हैं। युवा खिलाड़ियों के साथ सीनियर्स की फिटनेस का स्तर भी जबरदस्त है।

भारत को मिला है कठिन ग्रुप - भारतीय हॉकी टीम को पेरिस ओलंपिक में पूल चरण में ही आस्ट्रेलिया, बेल्जियम, अर्जेंटीना जैसे दिग्गजों का सामना करना है। भारत को पेरिस ओलंपिक में पूल बी के पहले मैच में 27 जुलाई को न्यूजीलैंड से, 29 जुलाई को रियो ओलंपिक 2016 चैंपियन अर्जेंटीना, 30 जुलाई को आयरलैंड, एक अगस्त को टोक्यो ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम और दो अगस्त को पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया से खेलना है।

कठिन पूल मिलने से परेशान नहीं हैं ललित - ललित ने कहा, ओलंपिक में पूल पर ध्यान देना बेमानी है क्योंकि सभी टीमें पूरी तैयारी के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने आती हैं। हम मैच दर मैच रणनीति बनाएंगे और हर मैच में सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करेंगे। टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने वाली भारतीय टीम के 11 खिलाड़ी पेरिस में भी खेलेंगे जबकि पांच खिलाड़ियों का पहला ओलंपिक है। ललित ने हालांकि कहा कि युवा खिलाड़ी भी इतना खेल चुके हैं कि ओलंपिक का दबाव आसानी से झेल लेंगे। उन्होंने कहा, ये लड़के एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीत चुके हैं जहां ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने का काफी दबाव होता है लिहाजा ओलंपिक का दबाव भी झेलने में सक्षम हैं।

टोक्यो में मिली निराशा, मानसिक द्वंद से पार पाकर किया प्रवेश, ऐसा रहा अंजुम मोदगिल का सफर

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)।

टोक्यो ओलंपिक में भारतीय निशानेबाजों का सफर अच्छा नहीं रहा था और उसे अंजुम मोदगिल भी शामिल थीं। अंजुम पिछले साल एशियाई खेल और विश्व चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं बना सकी थीं। इससे वह काफी निराश हो गई थीं, लेकिन उन्होंने मानसिक द्वंद से पार पाकर पेरिस खेलों में प्रवेश किया। मोदगिल ने स्वीकार किया कि विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में नहीं चुने जाने के बाद उनकी आंखें खुल गई।

इसके बाद उन्होंने अपनी मानसिक दृढ़ता और अभ्यास पर ध्यान दिया। टोक्यो ओलंपिक में किया था निराश मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के महत्व को समझते हुए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) ने एक हेल्पलाइन शुरू की है जो ओलंपिक के दौरान सभी खिलाड़ियों को मानसिक स्वास्थ्य को लेकर परामर्श देगी। विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी मोदगिल ने विश्व चैंपियनशिप और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीते हैं लेकिन टोक्यो ओलंपिक में वह अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई थीं। वह 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में 15वें और 10 मीटर एयर राइफल में 18वें स्थान पर रही थीं। पेरिस ओलंपिक में वह केवल 50 मीटर 3 पोजीशन में भाग लेंगी।

टोक्यो का अनुभव काम आएगा

अंजुम ने कहा, टोक्यो के बाद तीन साल मेरे लिए उतार-चढ़ाव वाले रहे। मैंने मुश्किल दौर देखा और मैं मजबूत वापसी करना चाहती थी। टोक्यो का अनुभव निश्चित रूप से पेरिस में काम आएगा। मैंने वास्तव में कोटा और ट्रायल्स का फायदा उठाया। महासंघ ने मुझे उम्मीद नहीं खोने के लिए कहा था। मैं जिस दौर से गुजर रही थी, वह उससे अच्छी तरह वाकिफ थे। विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के लिए टीम में जगह नहीं बनाने के बाद मैं मजबूत वापसी करने के लिए आश्वस्त थी। मैंने केवल अपने खेल पर ध्यान दिया और मैं ट्रायल्स में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को लेकर सकारात्मक थी। मुझे अपने मजबूत पक्ष पता थे और मैं जानती थी कि दबाव में कैसे खेलना है।

इसका मुझे फायदा मिला। मोदगिल ने कहा, टोक्यो ओलंपिक के एक साल बाद मैंने विश्व कप में कुछ पदक जीते और मैं विश्व में नंबर एक खिलाड़ी बनी। मैंने मानसिक रूप से मजबूत बनने पर ध्यान दिया। यह मेरे लिए सकारात्मक कदम था। अब मैं बात करने में नहीं हिचकिचाती जो पेरिस ओलंपिक से पहले सकारात्मक बदलाव है। मैंने समय का उपयोग बेहतर बनने और यह पता लगाने के लिए किया कि मेरे लिए क्या बेहतर है। सभी महासंघों और आइओसी का मानसिक स्वास्थ्य के बारे में समझना महत्वपूर्ण है। एक खिलाड़ी के मानसिक स्वास्थ्य के बारे में समझ रखना महत्वपूर्ण होता है। इसलिए पेरिस ओलंपिक के दौरान मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन शुरू करना सकारात्मक कदम है।

संपादकीय

दबाव में प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में अधिक दबाव और तनाव में रहेंगे। बुनियादी कारण यह है कि भाजपा के पक्ष में सामान्य बहुमत नहीं है, लिहाजा गठबंधन का सहारा लेना पड़ा है। पहले दो कार्यकालों में अकेली भाजपा को लबालब बहुमत हासिल था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने एनडीए को बरकरार रखा और कैबिनेट में भी स्थान दिया था। अब स्थितियां ऐसी नहीं हैं कि प्रधानमंत्री के करिश्मे और प्रभाव से ही सब कुछ संचालित होता रहे। चुनाव लडऩा और जीतना 'बायें हाथ का खेल' समझा जाए। बेशक देश के 20 से अधिक राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों में भाजपा-एनडीए की सरकारें हैं। संसद के दोनों सदनों में सर्वाधिक सांसद हैं। विधायक भी सबसे अधिक हैं। इनके बावजूद प्रधानमंत्री का दबाव और तनाव में रहना तार्किक न लगे, लेकिन हालात ऐसे ही बनते जा रहे हैं। सबसे पहले तेलुगूदेशम पार्टी (टीडीपी) को ही लें, जिसके 16 लोकसभा सांसदों का समर्थन मोदी सरकार के स्थायित्व के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। टीडीपी अध्यक्ष एवं आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू बीते दिनों दिल्ली प्रवास पर थे। उन्होंने सरकार से एक लाख करोड़ रुपए का आर्थिक पैकेज तुरंत मांगा था। उसमें से 50,000 करोड़ रुपए उन्हें अविलंब चाहिए थे, क्योंकि आंध्र की नई राजधानी अमरावती और दूसरे रूटीन के खर्चों के लिए उन्हें धन की आवश्यकता थी। आंध्र भारी कर्ज के बोझ तले दबा है। चंद्रबाबू की इस मांग पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने असमर्थता जताई कि इतने अतिरिक्त धन की व्यवस्था देखनी पड़ेगी। नायडू ने प्रधानमंत्री से मिल कर आग्रह किया कि एक कमेटी बनाई जाए, जिसकी अध्यक्षता उन्हें सौंपी जाए। चंद्रबाबू के ये तेवर ही मोदी सरकार पर दबावों की शुरुआत हैं। बिहार में 'विशेष राज्य के दर्जे' की मांग मजबूत होती जा रही है। घटक दलों के नेताओं के बयान आ रहे हैं कि यह बिहार का बुनियादी अधिकार है। बिहार से जद-यू के 12 सांसद हैं। उन्हें भी जानकारी है कि यह दर्जा दिया जाना कानूनन संभव नहीं है, क्योंकि वित्त आयोग इस व्यवस्था को 2014 में ही निरस्त कर चुका है। बहरहाल गठबंधन में दरार, दरकने और टूटने के कोई आसार नहीं हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर गठबंधन में अलगाव आने लगता है, तो राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन कैसे और कब तक बरकरार रह सकता है? संसद का बजट सत्र 22 जुलाई से शुरू हो रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को सदन में बजट पेश करेंगी। उसके मद्देनजर भारतीय मजदूर संघ, भारतीय किसान संघ और स्वदेशी जागरण मंच ने अपने-अपने मांग-पत्र वित्त मंत्री को सौंपे हैं। ये सभी संगठन आरएसएस के हैं, लिहाजा उनकी मांगों को यूं ही नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ऐसे कई और भी संगठन होंगे, जो बजट में अपनी मांगों को पूरा कराना चाहते होंगे! इसके अलावा, राजनीति और चुनावों के अलग तनाव और दबाव हैं। आम चुनाव, 2024 से लेकर हालिया 13 उपचुनावों तक जनादेश 'भाजपाई' नहीं रहा है। लोकसभा में भाजपा के 63 सांसद पराजित हुए हैं और 10 उपचुनाव विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के पक्ष में रहे हैं। भाजपा के हिस्से मात्र दो जीत ही आई हैं। अभी तो उप्र में कई सीटों पर उपचुनाव होने हैं। इसी अक्तूबर-नवंबर में हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड राज्यों में विधानसभा चुनाव होंगे। भाजपा का वर्चस्व दांव पर है। अब लगता है कि ध्रुवीकरण, दलबदलुओं, हिंदुत्व, सांप्रदायिकता आदि से चुनाव जीते नहीं जा सकते। अब भाजपा को रणनीति बदलनी पड़ेगी। अब भाजपा को पूरी ताकत, दिमाग, विचारधारा और काडर के सहयोग से चुनाव लडऩे होंगे, तभी राजनीतिक हैसियत बरकरार रह सकती है। हालांकि जो चुनाव होने हैं, वे देश की सत्ता को बिल्कुल भी प्रभावित नहीं करेंगे। यदि राज्यों में भी हार होती है, तो उनसे भाजपा की ताकत क्षीण ही होती है। अब यह भी विमर्श का बिंदु बन गया है कि प्रधानमंत्री मोदी का करिश्मा पुराना पड़ता जा रहा है, लिहाजा उनका प्रभाव भी सीमित होने लगा है। अब जनता मोदी के नाम पर ही वोट नहीं देती, ऐसा स्पष्ट लगता है। मोदी सरकार 80 करोड़ से अधिक गरीबों में मुफ्त अनाज बांट रही है, लेकिन वे भाजपा को वोट नहीं दे रहे हैं।

पहले दो कार्यकालों में अकेली भाजपा को लबालब बहुमत हासिल था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने एनडीए को बरकरार रखा और कैबिनेट में भी स्थान दिया था। अब स्थितियां ऐसी नहीं हैं कि प्रधानमंत्री के करिश्मे और प्रभाव से ही सब कुछ संचालित होता रहे। चुनाव लडऩा और जीतना 'बायें हाथ का खेल' समझा जाए। बेशक देश के 20 से अधिक राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों में भाजपा-एनडीए की सरकारें हैं। संसद के दोनों सदनों में सर्वाधिक सांसद हैं। विधायक भी सबसे अधिक हैं। इनके बावजूद प्रधानमंत्री का दबाव और तनाव में रहना तार्किक न लगे, लेकिन हालात ऐसे ही बनते जा रहे हैं। सबसे पहले तेलुगूदेशम पार्टी (टीडीपी) को ही लें, जिसके 16 लोकसभा सांसदों का समर्थन मोदी सरकार के स्थायित्व के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। टीडीपी अध्यक्ष एवं आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू बीते दिनों दिल्ली प्रवास पर थे। उन्होंने सरकार से एक लाख करोड़ रुपए का आर्थिक पैकेज तुरंत मांगा था।

बीजेपी यूपी में 80 सीटें जीतने का सपना पाले हुए थी, वह 33 सीटों पर सिमट गई

तीन साल में योगी आदित्यनाथ कितने बदल पाएंगे हालात

अजय कुमार

लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को उत्तर प्रदेश में काफी नुकसान उठाना पड़ा। यूपी की वजह से केंद्र में मोदी की पूर्ण बहुमत की सरकार नहीं बन पाई, जो बीजेपी यूपी में 80 सीटें जीतने का सपना पाले हुए थी, वह 33 सीटों पर सिमट गई। बीजेपी का ग्राफ इतनी तेजी से गिरा की अब तो विपक्षी नेता खासकर राहुल गांधी और अखिलेश यादव तो दिल्ली में मोदी को सबक सिखाने के पश्चात तीन साल बाद 2027 में योगी को भी धूल चटाने की बात करने लगे हैं। 2027 में उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव होने हैं और तब योगी की प्रतिष्ठा दांव पर होगी। 2027 के चुनाव में जहां राहुल गांधी और अखिलेश यादव बढ़े हुए मनोबल के साथ मैदान में उतरेंगे, वहीं बीजेपी को 2024 के नतीजे कचोटते रहेंगे, जबकि भारतीय जनता पार्टी 2024 जैसे चुनावी नतीजे 2027 विधानसभा चुनाव में नहीं देखना चाहती है। इसीलिये बीजेपी आलाकमान के साथ-साथ सीएम योगी आत्यिनाथ उन मुद्दों की धार कुंद करने में लग गये हैं जिसके सहारे कांग्रेस-सपा गठबंधन ने बीजेपी को आईना दिखाया था।

लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन ने संविधान, दलित ओबीसी आरक्षण, बेरोजगारी, महंगाई को बीजेपी के खिलाफ सबसे मजबूत चुनावी हथियार बनाया था। अबकी से राहुल के मुंह से अडानी-अंबानी, नोटबंदी, राफेल विमान खरीद भ्रष्टाचार, चौकीदार चोर है, जैसे तमाम जुमले सुनने को नहीं मिले थे। राहुल गांधी के साथ-साथ अखिलेश यादव भी अपनी जनसभाओं में दो ही बातें दोहराते रहे, पहला मोदी को 400 सीटें मिली तो वह संविधान बदल देंगे, दूसरा दलितों और ओबीसी को मिलने वाला आरक्षण खत्म कर दिया जायेगा। इसके अलावा राहुल की महिलाओं को 8500 रूपये प्रति माह देने की गांरटी ने भी बीजेपी का खेल बिगाड़ दिया। चुनाव बाद भी जिस तरह से राहुल गांधी संविधान की किताब लिये घूम रहे हैं उसकी काट के लिये अब मोदी सरकार ने इमरजेंसी के 50 वर्ष पूरे होने के मौके पर कांग्रेस को घेरना शुरू कर दिया है। मोदी के मंत्री से लेकर छोटे-बड़े सभी नेता लगातार बता रहे हैं कि 1975 में किस तरह से तत्कालीन इंदिरा गांधी की सरकार ने इमरजेंसी लगाकर संविधान की आत्मा को तार-तार कर दिया था। सदन में तो इमरजेंसी के खिलाफ निंदा प्रस्ताव तक पास हो गया। सबसे खास बात यह रही कि मोदी सरकार जब इमरजेंसी के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाई तो इसके खिलाफ कांग्रेस सदन में अकेले ही खड़ी नजर आई। राहुल के सबसे मजबूत साथी समझे जाने वाले सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी इमरजेंसी मुद्दे पर कांग्रेस के साथ नहीं गये।

बहरहाल, आम चुनाव में इंडी गठबंधन के कुछ दमदार और असरदार साबित हुए मुद्दों की धार को मोदी सरकार कम करने में लगी है तो दूसरी ओर गठबंधन के कुछ मुद्दों की हवा निकालने के लिये योगी सरकार ने अपने कंधों पर जिम्मेदारी ले रखी है। योगी ने इसके लिये अभी से सरकार के पेंच कसना शुरू कर दिये हैं। संगठन स्तर पर भी काम चल रहा है। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 के शुरुआती तीन-चार महीनों में सम्पन्न होना है। इस हिसाब से सरकार के पास तीन साल से भी कम का समय बचा है। यह तय माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव से सबक लेते हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी खराब छवि वाले विधायकों का टिकट काटने में भी आलाकमान परहेज नहीं करेगा। गौरतलब हो, हाल में सम्पन्न लोकसभा चुनाव में बीजेपी को उम्मीद से काफी कम सीटें मिली थीं। चुनाव आयोग ने जो आकड़े जारी किये हैं उसके अनुसार यूपी में 80 लोकसभा सीटें जिसके अंतर्गत 403 विधान सभाएं आती हैं,वहां अबकी से बीजेपी 162 विधान सभा क्षेत्रों में समाजवादी और कांग्रेस गठबंधन के प्रत्याशी से पिछड़ गई थी। इन 162 विधान सभा क्षेत्र के विधायकों पर भी गाज गिर सकती है।

वहीं 2027 में विपक्ष एक बार फिर से बेरोजगारी को मुद्दा नहीं बना पाये इसके लिये योगी ने सभी खाली पड़े रिक्त पदों को भरने के लिये बम्पर नौकरियां निकाली हैं। अभी एक लाख नौकरियां निकाले जाने की बात कही जा रही है जिसका आंकड़ा 2027 के विधानसभा चुनाव की तारीख नजदीक आने तक पांच लाख तक पहुंच सकता हे। इसी के साथ पेपर लीक की घटनाओं पर अंकुश लगाने और इसमें लिप्त अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिये भी एसटीएफ तेजी से काम कर रही है। बेरोगारी और पेपर लीक की घटनाओं के चलते युवा वर्ग केन्द्र और राज्य सरकारों के खिलाफ काफी आक्रोशित है। उधर, इन युवाओं को गुस्से को विपक्ष हवा-पानी देने का काम कर रहा है। ऐसी ही एक मोदी सरकार की एक और योजना अग्निवीर भी सरकार के लिये बढ़ा मुद्दा बना हुआ है। विपक्ष लगातार इसे खत्म करने की मांग कर रहा है। इस योजना का दुष्प्रभाव मोदी सरकार लोकसभा चुनाव में देख भी चुकी है। कुल मिलाकर योगी सरकार बम्बर नौकरियां निकाल कर विपक्ष को उसकी बेरोजगारी वाली सियासत से 'बेरोजगार' करना चाहती है।

बात सरकार से हटकर संगठन स्तर की कि जाये तो लोकसभा चुनाव में यूपी से मिली चोट भाजपा को बेचैन किए हुए हैं। योगी की छवि पर भी प्रश्न चिन्ह लगा है। केंद्र में तीसरी बार मोदी सरकार के गठन के बाद भाजपा के जिम्मेदार अब यूपी में पार्टी के ग्राफ गिरने के कारणों की पड़ताल पर लगा है। पार्टी स्तर पर प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चैधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल ने वोट में आई गिरावट को लेकर चर्चा की। तय किया गया है कि भाजपा के पक्ष में कम मतदान की जांच होगी। दरअसल, यूपी के चुनाव परिणाम से भाजपा के स्थानीय से लेकर शीर्ष नेतृत्व में हड़कंप मचा हुआ है। पिछले चुनाव की तुलना में इस बार करीब नौ फीसदी कम वोट मिले हैं। अब इन्हीं वोट का पता लगाने को लेकर माथापच्ची शुरू हो गई है कि आखिर यह वोट भाजपा से छिटक कर कहां गया। इसका पता करने के लिए टास्क फोर्स का गठन किया गया है। इसमें संगठन के पदाधिकारियों के अलावा स्थानीय जनप्रतिनिधियों को शामिल किया जाएगा। फोर्स के सदस्य गांव-गांव जाकर यह पता लगाएंगे कि भाजपा के कोर वोटर माने जाने वाले ओबीसी और दलितों में सेंध किस दल ने लगाया है।

बीजेपी का ग्राफ इतनी तेजी से गिरा की अब तो विपक्षी नेता खासकर राहुल गांधी और अखिलेश यादव तो दिल्ली में मोदी को सबक सिखाने के पश्चात तीन साल बाद 2027 में योगी को भी धूल चटाने की बात करने लगे हैं। 2027 में उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव होने हैं और तब योगी की प्रतिष्ठा दांव पर होगी। 2027 के चुनाव में जहां राहुल गांधी और अखिलेश यादव बढ़े हुए मनोबल के साथ मैदान में उतरेंगे, वहीं बीजेपी को 2024 के नतीजे कचोटते रहेंगे, जबकि भारतीय जनता पार्टी 2024 जैसे चुनावी नतीजे 2027 विधानसभा चुनाव में नहीं देखना चाहती है।

दृष्टि कोण

माता-पिता के लिए सुरक्षा कानून

माटी कहे वुमार से एक दिन ऐसा आयेगा, हंस चुगेगा दाना तिनका, कौआ मोती खाएगा! मत पेंवें अपने माँ-बाप को अनाथालय या वृद्धाश्रम में! उनकी सेवा कीजिए! अपने माता-पिता का आदर कीजिए व उन्हें सुरक्षित रखिए यह कानून ही नहीं, सन्तान का धरमिक व नैतिक कर्तव्य भी है। माता-पिता के लिए सुरक्षा कानून हर धर्म में माता-पिता का अत्यधिक महत्व होता है, यहाँ तक कि उन्हें भगवान से भी ऊपर का दर्जा दिया जाता है। हिदू धर्म में माता-पिता की आराधना, ईंश्वर की अराधना से ऊपर है। मदर मेरी की ईंसा मसीह से अधिक पूजा की जाती है। परंतु आधुनिकीकरण व तात्कालिक समाज में अनेक ऐसे संकेत आये हैं, जहाँ माता-पिता की अवेहलना ही नहीं, परंतु उन पर अनेक प्रकार के भावनात्मक, शारीरिक और वित्तीय अत्याचार भी किए जा रहें हैं। वुरान-पाक में लिखा है कि, माँ के पैरों के नीचे जन्नत है। माँ के नाम एक वृक्ष का उद्बोधन नरेंद्र मोदी सरकार ने किया है। माँ को विश्वभर में सवरेपरि माना गया है। दादी माँ' फिल्म में मजरुह सुल्तानपुरी द्वारा लिखित गीतः उस को नहीं देखा हमने कभी, पर इसकी ज़रूरत क्या होगी, ऐ माँ, ऐ माँ तेरी सूरत से अलग, भगवान की सूरत क्या होगी, क्या होगी, उस को नहीं देखा हमने कभी..; हम अक्सर सुनते आ रहे हैं। ऐसा नहीं है कि सभी संतान माँ-पिता का शोषण करती है, परंतु इसमें 70™ वृद्धि हुईं है। शायद नईं पीढ़ी पर, टीवी सीरिअल का भी प्रभाव हुआ होगा? इन्हीं कारणों से भारतीय संसद ने मेंटिनेंस एंड वेल्पेयर ऑफ पेरेंट्स एंड सीनियर सिटिज़नज एक्ट (माता-पिता व वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम - 2007) लागू किया है। उद्योगिक सिघानिया परिवार के वरिष्ट सदस्य, विजयपत सिघानिया, रेमंड वंपनी के पूर्व चेयरमैन व संस्थापक' के पुत्र, गौतम सिघानिया की न्यायिक कशमकश से हृदय बहुत पीड़ित हुआ है। पुत्र-मोह में विजयपत सिघानिया ने अपने 35™ वंपनी के शेयर गौतम को भेंट, 'गिफ्ट डीड' द्वारा दे दिए। फ़िर मुंबईं स्थित, अति-अमीर भारतीय गगनचुंबी इमारत, सिघानिया का 'जे.के हाउस'; अरबपतियों के घरों में सबसे आलीशान माना जाता है। फ़िर 'जे.के हाउस' की मरम्मत व नवीनीकरण के आश्वासन से, विजयपत सिघानिया और अपनी माँ को, गौतम सिघानिया ने घर से बेघर कर दिया। एक अरबपति इंसान गालियाँ के धक्के खाता सालों से टीवी व समाचार पत्रों में नज़र आ रहा है। मुंबईं हाईं कोर्ट की मध्यस्थता से गौतम सिघानिया, अपने माता-पिता को मकान का किराया व महीना भत्ता दे रहा है। वैसे माननीय बॉम्बे उच्च न्यायालय को इस मामले में वन टाइम सेटलमेंट' करवा देनी चाहिए। कहां विजयपत व उनकी पत्नी इस वृद्धावस्था में आहात और अपमानित होते रहेंगें? अब तो यह समस्या, समाज में बहुत अधिक प्रचालित हो गईं है। हर घर में बेटे-बहु, माता-पिता के मरने से पहले ही; वे अपना हिस्सा मांगने लगते हैं? ना देने पर माँ-पिता के साथ आपराधिक व निर्ममता से व्यवहार किया जाता है। इन सभी सामाजिक-आर्थिक वुण्ठाओं के कारण भारत सरकार को, सामाजिक कल्याण के उद्देश्य से संसद व राज्यों की विधानसभाओं ने यह कानून बनाया है। सामाजिक ताने-बाने को तारतार किया जा रहा है, जहाँ मातापिता पर असंख्य अपराध किये जाते हैं और वे सामाजिक भय से चुप- चाप घुट घुट कर जी रहें हैं। मातापिता के खिलाफ अपराधों के भयानक मामलों को ध्यान में रखते हुए, सामाजिक न्याय और कल्याण मंत्रालय ने माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007' को लागू किया। हालाँकि यह एक एसी तलवार है जिसे तेज़ धार देने की आवश्यकता है। एक ऐसा देश जो श्रवण-पुत्र और भगवान राम जैसे, मर्यांदा पुरुषोत्तम, आदर्श बच्चों की कहानियों से भरपूर है, जो अपने माता-पिता की इच्छाओं को पूरा करने के लिए सभी हदों से आगे चले गए। अब कोर्ट-कचहरी में अनेक मात-पिता घूम रहे हैं! कितने शर्म की बात है? अदालतों ने आदेश दिए हैं कि, हर बेटे का नैतिक व कानूनी दायित्व है, कि वे अपने माँ-पिता का भरण-पोषण करें। अधिनियम की धारा 4(2) बच्चों पर यह दायित्व डालती है कि वे वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण करें ताकि वे सामान्य जीवन जी सवें। दिसंबर 2022 में, 'सुदेश चिकारा बनाम रामती देवी' केस में सुप्रीम कोर्ट ने माना कि बुनियादी ज़रूरतों व सुविधाओं को प्रदान करना आवश्यक है। यह एक संपत्ति को स्थानांतरित करने के अधिनियम की धारा 23 के लागू होने के लिए अनिवार्य है। 19 मार्च 2024 भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, जस्टिस डॉ. धनंजय यशवंत चंद्रचूड, ने सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों को संबोधित करते हुए उन्हें प्राथमिकता के आधार पर; उन मामलों की पहचान करने और उनका निपटारा करने की सलाह दी, जिनमें 65 वर्ष से अधिक आयु के व्यत्ति शामिल हैं।

कुछ अलग

बड़े किसान आंदोलन की तैयारी

संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने बृहस्पतिवार को ऐलान किया कि वह न्यूनतम समर्थन मूल्य (एनएसपी) की कानूनी गारंटी और कृषि त्रण माफी सहित अन्य लंबित मांगों को लेकर फिर से आंदोलन शुरू करेंगे और प्राधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा लोकसभा में नेता प्रातिपक्ष राहुल गांधी को एक ज्ञापन सौंपेंगे। वर्ष 2020-21 के किसान आंदोलन का नेतृत्व करने वाले एसकेएम ने अपनी आम सभा की बैठक के एक दिन बाद यह घोषणा की। इस बार शायद संगठन दिल्ली वूच नहीं करेंगे। एसकेएम में अलग-अलग किसान संगठन शामिल हैं। संगठन के नेताओं ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्राधानमंत्री विपक्ष के नेता और राज्यसभा तथा लोकसभा के सदस्यों से मुलाकात करने तथा उन्हें किसानों की मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपेंगे। इसके लिए 16 से 18 जुलाईं के बीच का समय मांगा जाएगा। यह पूछे जाने पर कि क्या किसान फिर से दिल्ली वूच करेंगे। एसकेएम नेताओं ने कहा कि इस बार वे देशव्यापी विरोध प्रादर्शन पर ध्यान वेंद्रित कर रहे हैं, विशेष रूप से महाराष्ट्र, झारखंड, जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में जहां विधानसभा चुनाव होने हैं। उन्होंने कहा कि हर बार विरोध का एक ही तरीका इस्तेमाल करना जरूरी नहीं है। हम पूरे देश में विरोध प्रादर्शन करेंगे। एसकेएम नेताओं ने दावा किया कि किसान आंदोलन का ही असर है कि हालिया लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पाटा (भाजपा) को विभिन्न राज्यों में 159 ग्रामीण बहुल क्षेत्रों में संसदीय सीटों में हार का सामना करना पड़ा। संवाददाता सम्मेलन के बाद जारी किए गए बयान में एसकेएम ने कहा, आम सभा में भारत सरकार और वृषि विभाग के सचिव द्वारा हस्ताक्षरित नौ दिसम्बर 2021 के समझौते को लागू करने और किसानों की आजीविका को प्राभावित करने वाली अन्य प्रामुख मांगों को लेकर आंदोलन शुरू करने का पैसला किया है। संगठन ने कहा कि नौ अगस्त को एसकेएम अपनी मांगों के समर्थन में देशभर में प्रादर्शन करके भारत छोड़ो दिवस को कारपोरेट भारत छोड़ो दिवस के रूप में मनाएंगे। एसकेएम ने मांग रखी है कि भारत को डब्ल्यूटीओ से बाहर आना चाहिए। एसकेएम ने यह भी कहा कि 2020-21 के विरोध प्रादर्शन के दौरान मारे गए लोगों के सम्म्मान में दिल्ली की टिकरी और सिधू बॉर्डर पर मेमोरियल बनाए जाने चाहिए। इन बॉर्डरों पर आंदोलनकारियों ने अपने आंदोलन के हिस्से के रूप में एक साल से अधिक समय तक डेरा डाला था। साथ ही 2021 में उत्तर प्रादेश में लखीमपुर खीरी हिसा में मारे गए किसानों के मुआवजे के लिए भी दबाव डाला था। बुधवार को पंजाब-हरियाणा हाईंकोर्ट ने हरियाणा सरकार को सिधू बॉर्डर खोलने का आदेश दिया है। हमारा मानना है कि हम वृषि प्राधान देश हैं इसलिए किसानों की जरूरतों और मांगों की अनदेखी नहीं की जा सकती। मगर उन्हें भी इस विरोध से बचना चाहिए। अड़ियल रुख दिखाने की बजाए सरकार को भी छोटे किसानों के हितों की रक्षा में कोईं कोताही नहीं बरतनी चाहिए।

देश दुनिया से

क्या भारत 2025 तक टीबी को खत्म कर सकता है?

टीबी उन्मूलन के लिए पूरी दुनिया में प्रयासों में तेजी लाई जा रही है। भारत और हिमाचल प्रदेश में भी इससे छुटकारा पाने के लिए टीबी उन्मूलन कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जहां विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 2030 तक दुनिया को टीबी मुक्त करने का लक्ष्य रखा है, वहीं भारत ने 2025 तक टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य रखा है। भारत को टीबी मुक्त करने के लिए केंद्र, राज्य और स्वयं सहायता संगठनों द्वारा विभिन्न स्तरों पर कार्य किए जा रहे हैं। लेकिन इन कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार और लोगों तक पहुंच न होने के चलते भारत का 2025 तक टीबी मुक्त होना संभव नहीं लग रहा है। 2024 आधा गुजर चुका है और पूरी दुनिया के 26 फीसदी से अधिक टीबी के रोगी भारत में देखे जा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि भारत में टीबी के मामले कम नहीं हो रहे, लेकिन टीबी मुक्त होने के लिए टीबी के मामलों में जिस गति से कमी आनी चाहिए, वह नहीं हो पा रही है। यही हाल पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में भी देखा जा रहा है। भले ही पिछले चार वर्षों में हिमाचल प्रदेश टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के आयोजन में पूरे देश में पहला स्थान हासिल कर रहा हो, लेकिन इसके बावजूद प्रदेश में हर साल लगभग 15 हजार टीबी के मामले देखे जा रहे हैं। साक्षरता में दूसरे स्थान पर रहने वाले हिमाचल प्रदेश में पर्याप्त जागरूकता न होने के चलते अभी भी टीबी के प्रति अंधविश्वास और भ्रांतियां कम नहीं हो पा रही हैं, जिससे टीबी को पूरी तरह खत्म करने में अनेकों चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। प्रदेश में पोषणयुक्त खाद्यान की कमी, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, जागरूकता की कमी, ग्रामीण क्षेत्रों में टेस्टिंग की सुविधा न होने के चलते टीबी हर साल पहाड़ के 1000 के करीब लोगों की जानें लील रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि टीबी का पोषणयुक्त आहार और लोगों के स्वास्थ्य के हालात के साथ सीधा संबंध है। जिन क्षेत्रों में पोषणयुक्त आहार मिलते हैं वहां पर लोगों के स्वास्थ्य के हालात अच्छे होते हैं और ऐसे क्षेत्रों में टीबी जैसे संक्रामक रोग का प्रसार अधिक नहीं देखा जाता है। जबकि पोषणयुक्त आहार न मिलने के चलते स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों से जूझने वाले क्षेत्रों में इस संक्रामक रोग का प्रसार अधिक देखा गया है। नेशनल फेमिली हेल्थ सर्वे-5 के मुताबिक हिमाचल प्रदेश में 6 से 59 माह तक के 55 फीसदी बच्चों में एनीमिया, 53 फीसदी महिलाओं में भी एनीमिया, 15 से 49 वर्ष तक की 13.9 फीसदी महिलाओं का बॉडी मास इंडेक्स सामान्य से कम पाया गया। वहीं 30 फीसदी महिला और पुरुषों में मोटापे की समस्या पाई गई है। सर्वे में निकलकर आए यह आंकड़े न सिर्फ चौंकाने वाले हैं, बल्कि इन्हें देखते हुए समय रहते सतर्क होने की भी जरूरत है। लोगों के स्वास्थ्य हालात में सुधार के लिए पोषणयुक्त आहार की उपलब्धता के लिए सरकारों को प्रयासों में तेजी लानी चाहिए ताकि इनकी वजह से टीबी सहित अन्य बीमारियों से लडऩे के लिए लोगों में इम्यूनिटी तैयार हो सके। पोषण विशेषज्ञ के अनुसार टीबी के मरीजों को प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन और मिनरल्स से युक्त आहार लेना चाहिए। मांस, मछली, अंडे, दूध, दही, पनीर, फल और सब्जियां शामिल होने चाहिए। प्रोटीन की मात्रा 1.2 से 1.5 ग्राम प्रति किलोग्राम आइडियल बॉडी वेट के अनुसार होनी चाहिए। साथ ही विटामिन डी, ई, सी, ए और बी कॉम्प्लेक्स, सेलेनियम, जिंक, फोलिक एसिड और कैल्शियम का सेवन भी जरूरी होता है। इसके अलावा टीबी के मरीजों को एंटीबायोटिक दवाओं के साथ-साथ मल्टी विटामिन, मल्टी मिनरल्स और पर्याप्त मात्रा में ऊर्जा, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और फाइबर का सेवन करना चाहिए। संक्रमित व्यक्ति को सही वजन बनाए रखने के लिए सामान्य से 20-30 फीसदी अधिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है। प्रदेश में कई लोगों के पास पर्याप्त पोषक तत्वों से युक्त खाद्यान तक पहुंच नहीं है। गरीबी, कृषि उत्पादकता में कमी और खाद्य वितरण प्रणाली की कमियों के कारण कई लोग पर्याप्त पोषण नहीं ले पा रहे हैं। पोषणयुक्त आहार की कमी से टीबी रोगियों का स्वास्थ्य और उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित होती है। इससे उनकी बीमारी का इलाज और स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करना कठिन हो जाता है। सरकार को गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों को पोषक खाद्यान उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाने चाहिए। खाद्य वितरण प्रणाली में सुधार किया जाना चाहिए। टीबी के मरीजों को नियमित और पर्याप्त मात्रा में दवाएं और पोषक आहार उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार जरूरी है। इन उपायों से टीबी के प्रकोप को कम करने और मरीजों के स्वास्थ्य में सुधार लाया जा सकता है। सरकार, स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय समुदाय को मिलकर काम करना होगा। इसके अलावा हिमाचल में कई दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच नहीं है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पतालों में स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं की कमी है। टीबी के मरीजों को नियमित चिकित्सा सेवाएं, दवाइयां और पोषण सहायता मिलनी चाहिए। इसके अलावा समाज को भी आगे आकर टीबी के रोगियों के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार अपनाना चाहिए।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 2030 तक दुनिया को टीबी मुक्त करने का लक्ष्य रखा है, वहीं भारत ने 2025 तक टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य रखा है। भारत को टीबी मुक्त करने के लिए केंद्र, राज्य और स्वयं सहायता संगठनों द्वारा विभिन्न स्तरों पर कार्य किए जा रहे हैं। लेकिन इन कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार और लोगों तक पहुंच न होने के चलते भारत का 2025 तक टीबी मुक्त होना संभव नहीं लग रहा है। 2024 आधा गुजर चुका है और पूरी दुनिया के 26 फीसदी से अधिक टीबी के रोगी भारत में देखे जा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि भारत में टीबी के मामले कम नहीं हो रहे, लेकिन टीबी मुक्त होने के लिए टीबी के मामलों में जिस गति से कमी आनी चाहिए, वह नहीं हो पा रही है। यही हाल पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में भी देखा जा रहा है।

आप का नजरिया

हारे तो हम

कितनी मिट्टी खोदी होगी, कितने अवसर दफन हुए होंगे, जब जनादेश के गणित में उपचुनावों की मंडी में हम, आप और हमारा संताप हाजिरी लगा रहा था। इस बार हिमाचल के उपचुनाव एक कड़वी दास्तान, महंगी सहूलियत और लोकतांत्रिक विडंबना माने जा सकते हैं। राजनीतिक जरूरतें कितनी बढ़ गईं कि एक साथ नौ विधानसभा क्षेत्रों में फिर से मतदाताओं की कतारें लग गईं। सवाल अनेक, दोष एक कि हमें मतदाता और बेशकीमती मत के बावजूद हार, हताशा और हतप्रभ होने के लिए राजनीतिक चरित्र हमेशा पहले से और भौंडा, अप्रीतिकर और असंगत हो गया। ये उपचुनाव कितने जमा व कितने के भ्रम में कहता, सुनाता और लोरियों के मौसम में हमारी चेतना सुलाता रहा। हम जागे नहीं, सोए-सोए वोट देते रहे, क्योंकि देश में चौथे ऐसे प्रदेश के बाशिंदे हैं जहां प्रतिव्यक्ति राज्य की उधारी बढ़ रही है। आखिर हिमाचल में उपचुनावों में 6 जमा तीन का फार्मूला था क्या और परिणामों में छह बनाम तीन हुआ क्यों। क्या सत्ता सशक्त हुई या राजनीतिक गुरूर बढ़ा। क्या विपक्ष ताकतवर हुआ या सियासी मुकाम मिट्टी में मिल गया। जो भी हो, होशियार सिंह, केएल ठाकुर, रवि ठाकुर, देवेंद्र भुट्टो, चैतन्य शर्मा और राजेंद्र राणा भले-चंगे विधायक होते, मगर शेखियों ने हिमाकत ऐसी की कि जमी जमाई दौलत व इज्जत लुट गई। कहना न होगा कि हिमाचल को उपचुनाव की न जिरह, न तर्क पसंद आए, वरना कल के नायक आज खलनायक न होते। हिमाचल में कुछ सरमायेदारों ने राजनीति का वशीकरण किया, लेकिन इन उपचुनावों में सुजानपुर से राजेंद्र राणा और देहरा से होशियार सिंह का हारना उस दौलत और शोहरत का हारना भी है, जिसे इन दोनों ने अर्जित किया। अब परिणामों के पटाक्षेप में साढ़े तीन साल की सत्ता को ठीकठाक बहुमत और विपक्ष को सुनाने का पूर्ण हक मिल गया, जबकि तीन सीटें बढ़ाकर भी भाजपा के महल में कई चिराग गुल हैं। उपचुनावों में सारा वीर रस मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ले गए, क्योंकि उनकी सरकार और उनका परिवार लाभान्वित है। कांग्रेस जितनी व जिस सूरत में उन्हें चाहिए थी, मिल गई। राज्यसभा चुनाव में खंजर चुभोने वाले अधिकांश चेहरे निपटाए जा चुके हैं, लेकिन सियासत के कई अर्थ उन्हें स्वीकार करने होंगे। हमीरपुर से आशीष शर्मा और इंद्रदत्त लखनपाल जीत कर विधानसभा में लौट रहे हैं। तीन ऐसे विधायक लौट रहे हैं जो कल तक कांग्रेस की बोली और कांग्रेस की हां में हां मिलाते थे। शोर अब इतना न बढ़ जाए कि जनता की नींद हराम होने लगे। रोष इतना न बढ़ जाए कि हिमाचल लोकसभा बनाम विधानसभा में बंट जाए। आर्थिक चुनौतियों के बीच पिछले चुनावों के बाद लोकसभा से उपचुनावों तक कांग्रेस के वादे बढ़ गए हैं। हर चुनाव शेखचिल्ली होता है। पिछले ने गारंटियों की माला पहनाई थी, तो उपचुनावों ने आरती उतारी है। यहां रिश्तों की दुहाई, मायके की कमाई और दलबदलुओं की लड़ाई थी, इसलिए जनता ने इंतखाब किया या बदला लिया, लेकिन अब विकास के गहनों का मुकाबला विकास के घुंघरुओं से है। घुंघरू कहीं भी, कभी भी बज सकते हैं और बजते आए हैं, लेकिन विकास के मंचन में अब सरकार की बारी है।

केंद्रीय बजट 2024 से पहले वित्त मंत्री की मौजूदगी में हलवा समारोह का आयोजन

नई दिल्ली,17 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्रीय बजट 2024 के लिए बजट तैयार करने की प्रक्रिया के अंतिम चरण में वित्त मंत्रालय यानी नॉर्थ ब्लॉक में हलवा सेरेमनी का आयोजन किया गया। हलवा समारोह का आयोजन केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण की उपस्थिति में नॉर्थ ब्लॉक में किया गया। बजट तैयार करने की लॉक-इन प्रक्रिया शुरू होने से पहले हर साल एक परंपरा के तहत हलवा समारोह या हलवा सेरेमनी का आयोजन किया जाता है। बजट पेश होने से पहले क्यों होता है हलवा समारोह वित्त मंत्री की ओर से बजट से ठीक पहले एक हलवा समारोह का आयोजन किया जाता है। यह हलवा समारोह इस बात का परिचायक होता है कि बजट को अंतिम रूप दिया जा चुका है और इसके छपने का काम शुरू हो चुका है। इस समारोह में बड़ी संख्या में बजट तैयार करने वाले अधिकारी और कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया जाता है। दरअसल, वित्त मंत्रालय के बजट विभाग के जितने भी अधिकारी बजट बनाने के कार्य में जुटे होते हैं, उन्हें संसद में बजट पेश होने तक अपने परिवारों से संपर्क नहीं करने दिया जाता। ऐसे में सरकार उनकी मेहनत को लेकर आभार प्रकट के लिए हलवा समारोह का आयोजन करती है। हलवा सेरेमनी एक परंपरागत कार्यक्रम है जिसे बजट की छपाई से पहले मनाया जाता रहा है। कहा जाता है लंबे समय तक चलने वाली बजट बनाने की प्रक्रिया की समाप्ति के बाद मीठा खाकर बजट की छपाई को औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाई जाती है। वित्त मंत्री कड़ाही को हिलाती हैं और अधिकारियों को हलवा परोसकर बजट के लिए हरी झंडी दिखाई जाती है। यह समारोह वित्त मंत्रालय के नॉर्थ ब्लॉक के बेसमेंट में होता है, जहां बजट की छपाई के लिए एक विशेष प्रिंटिंग प्रेस मौजूद है। बजट तैयार करने के दौरान बरती जाती है पूरी गोपनीयता कहते हैं कि संसद में बजट पेश होने से पहले करीब 10 दिनों तक बजट से जुड़े वित्त मंत्रालय के अधिकारी और कर्मचारी नॉर्थ ब्लॉक के बेसमेंट में ही रहते हैं। जहां पूरी गोपनीयता रखी जाती है। दावों के मुताबिक मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों पर इंटेलिजेंस ब्यूरो की चौबीसों घंटे निगरानी रहती है, उन्हें प्रियजनों से संपर्क करने की भी अनुमति नहीं होती।

न्यूज ब्रीफ

रियलमी ने स्मार्टवॉच एस2 के साथ एआई इकोसिस्टम का किया विस्तार

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के चलते अब वियरेबल टेक्नोलॉजी का परिदृश्य बदलाव के दौर से गुजर रहा है।वियरेबल टेक्नोलॉजी ने शुरुआत में फिटनेस ट्रैकिंग और नोटिफिकेशन जैसे फीचर्स के लिए लोकप्रियता हासिल की, लेकिन जैसे-जैसे ये आम होते गए, उपभोक्ताओं की दिलचस्पी कम होती गई। अब एडवांस कैपेबिलिटी की डिमांड बढ़ी, जिसने इंडस्ट्री में क्रांति लाने के लिए एआई की ओर प्रेरित किया। यह बिजनेस वर्ल्ड में एक बड़े ट्रेंड को दर्शाता है: एआई अब कॉन्सेप्ट नहीं है, बल्कि टेक ब्रांड के लिए प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए महत्वपूर्ण घटक है। एआई वियरेबल मार्केट में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जिसके 2024 में 62.7 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। यह उछाल हेल्थ, फिटनेस और पर्सनलाइज्ड टेक्नोलॉजी में उपभोक्ताओं की बढ़ती दिलचस्पी से प्रेरित है। दूरदर्शी ब्रांड इस बदलाव को पहचान रहे हैं और उपभोक्ता की बढ़ती डिमांड को पूरा करने और मार्केट शेयर हासिल करने के लिए एआई सॉल्यूशन में निवेश कर रहे हैं। कई वियरेबल्स में वास्तविक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बजाय केवल बेसिक एल्गोरिदम शामिल होते हैं। वास्तव में आगे बढ़ने के लिए, वियरेबल्स में एआई को अपने वर्तमान फॉर्म से आगे बढ़कर इंटेलिजेंस इंटरेक्शन प्रदान करने की आवश्यकता है। इसका मतलब है कि सिंपल डेटा कलेक्शन और एनालिसिस से आगे बढ़कर निजी जानकारी, पूर्वानुमान क्षमताएं और हमारे जीवन के साथ सहज एकीकरण प्रदान करना। ब्रांड जो वास्तव में एआई सॉल्यूशन को सफलतापूर्वक लागू कर सकते हैं, वे इस तेजी से विकसित हो रहे परिदृश्य में महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त कर सकते हैं। रियलमी वियरेबल टेक्नोलॉजी में एआई एकीकरण की आवश्यकता को पहचानता है और अपने अपकमिंग रियलमी वॉच एस2 के साथ महत्वपूर्ण कदम की ओर आगे बढ़ रहा है। अपने स्मार्टफोन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ऑफ थिंग्स (एआईओटी) प्रोडक्ट के साथ टेक इंडस्ट्री में हलचल मचाने के लिए जाने जाने वाले रियलमी का इतिहास सभी के लिए अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी को सुलभ बनाने का है।

वनप्लस नोर्ड 4 फोन को लेकर जानकारी वायरल

नई दिल्ली । भारत में लॉन्च इवेंट से पहले वनप्लस नोर्ड 4 फोन को लेकर काफी जानकारियां सोशल मीडिया पर वायरल हुई है। हालिया लीक से पहले एक 'एक्स' पोस्ट में इस फोन की कीमत का भी खुलासा किया था। इन लीक्स पर कपंनी ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। एक्स अकाउंट 'वनप्लस क्लब' पर एक स्पेक्स शीट डाली गई है। यह वन प्लस नॉर्ड का आधिकारिक हैंडल नहीं है। लीक में दावा किया गया है कि वनप्लस नोर्ड 4 में 6.74-इंच यू8 प्लस ओलेड डिस्प्ले हो सकता है जिसमें 120 एचझेड रिफ्रेश रेट और 2,150 निट्स की पीक ब्राइटनेस मिलेगी। यह क्वालकॉम स्नैपड्रेगन 7 प्लस जेन 3 प्रोसेसर द्वारा संचालित हो सकता है, जिसमें एलपीडीडीआर5एक्स रैम और यूएफएस 4.0 स्टोरेज हो सकता है। फोन एंड्रायड 14 पर चल सकता है। नोर्ड 4 में 50-मेगापिक्सल का मुख्य सोनी सेंसर कैमरा हो सकता है जिसमें ओआईएस सपोर्ट मिल सकता है। एक 8-मेगापिक्सल का अल्ट्रावाइड रियर कैमरा इसमें लगा हो सकता है और सेल्फी के लिए 16-मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा भी दिया जा सकता है।

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर बनेगा सोलर पार्क, एक लाख उपभोक्ताओं को मिलेगी बिजली

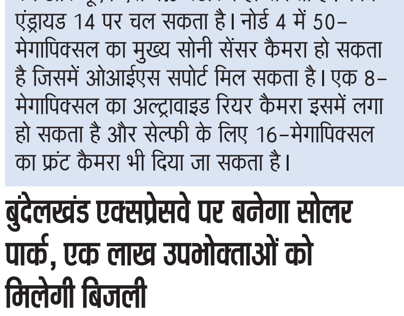

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के करीब 1,700 हेक्टेयर में सोलर पार्क विकसित किया जाएगा। इसे उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज़ इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीडा) की देखरेख में बीओओ (बिल्ड, ओन एंड ऑपरेट) मॉडल पर विकसित किया जाएगा। पिछले साल अगस्त में यूपीडा की ओर से प्री-फिजिबिलिटी के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट आमंत्रित किया गया था, जिसमें नौ संस्थाओं की ओर से प्रेजेंटेशन दिया गया था। इनमें से मेसर्स ग्लोबल एनर्जी एलायंस फॉर पीपल एंड प्लैनेट ने इसी साल फरवरी में अपनी विस्तृत रिपोर्ट यूपीडा के अधिकारियों के सामने पेश की थी, जिसे हाल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष यूपीडा के अधिकारियों ने प्रस्तुत किया था। मुख्यमंत्री योगी पूरे क्षेत्र को सोलर फार्म के रूप में स्थापित करके इसे सोलर एक्सप्रेसवे बनाना चाहते हैं।

आम आदमी पर महंगाई की मार जारी, क्यों बढ़ रही खाने-पीने की चीजों की कीमतें

नई दिल्ली,17 जुलाई (एजेंसियां)।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक जून में थोक महंगाई दर बढ़ गई है। 3.36 फीसदी पर पहुंच गई है। थोक महंगाई को कहते हैं, माने होलसेल प्राइस इंडेक्स। पिछले चार महीनों से लगातार इजाफा हो रहा है।

इस स्टोरी में हम आपको महंगाई की असली तस्वीर तो दिखाएंगे ही, साथ में ये भी बताएंगे कि पेट्रोल और डीजल की महंगाई का आप पर कितना असर होता है, या कितना असर हो सकता है एक अप्रैल 2024 भारतीय वित्त वर्ष का पहला दिन। अरहर की दाल का औसत रेट 149.23 रुपए था। चीनी 44.44 रुपए की एक किलो थी। सरसों का एक लीटर तेल 135.67 रुपए का था, आलू 24.76 रुपए किलो थे, प्याज 32.38 रुपए और टमाटर 32.97 रुपए किलो थे. ये जो दाम आपने सुने हैं ये औसत दाम थे। ये आंकडे उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय की वेबसाइट पर दिए गए हैं। अब इसी वेबसाइट पर 15 जुलाई के औसत दामों पर नजर डालते हैं. अरहर की दाल 168.75 पर पहुंच गई है, चीनी 45.03 पर, सरसों का तेल 140.82 पर, आलू 37.14 रुपए किलो, प्याज 44.67 रुपए किलो और टमाटर 68.52 रुपए किलो पर पहुंच गए हैं। मुझे उम्मीद है कि ये आंकडे देखने के बाद आपको महंगाई दिख भी रही होगी और महसूस भी हो रही होगी और ये तो एक बानगी मात्र है। इसी वेबसाइट पर और भी कई चीजों के दाम दिए गए हैं। अब इसके आगे की बात जानिए। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने भी कुछ आंकड़े जारी किए हैं। इनके मुताबिक जून में थोक महंगाई दर बढ़ गई है। 3.36 फीसदी पर पहुंच गई है। थोक महंगाई को कहते हैं, माने होलसेल प्राइस इंडेक्स। पिछले चार महीनों से लगातार इजाफा हो रहा है। मार्च में ये 0.53 फसदी थी। अप्रैल में ये 1.26 फीसदी थी, मई में 2.61 फीसदी और अब जून में 3.36 फीसदी। अब सवाल ये कि थोक महंगाई क्यों बढ़ रही है और जवाब ये कि खाने-पीने की चीजें महंगी हो गई हैं। सरकारी आकंडे तस्दीक करते हैं कि आलू से लेकर प्याज तक और टमाटर से लेकर तमाम सब्जियां महंगी हो गई हैं। तमाम दालें महंगी हो गई हैं। थोक महंगाई के बाद बात करते हैं रिटेल महंगाई की। 12 जुलाई को रिटेल महंगाई के आंकड़े आए थे। जून के महीने में रिटेल महंगाई भी बढ़ गई। 5.08 प्रतिशत पर पहुंच गई। अप्रैल में ये आंकडा 4.85 प्रतिशत का था। और मई में रिटेल महंगाई 4.75 प्रतिशत पर थी। रिपोर्ट बताती है कि खाने-पीने की चीजें महंगी होने की वजह से रिटेल महंगाई बढ़ गई है। खाद्य महंगाई दर 8.69 से बढ़कर 9.36 प्रतिशत पर पहुंच गई है। यही नहीं शहरी महंगाई के साथ-साथ ग्रामीण महंगाई भी बढ़ती जा रही है। रिटेल महंगाई हो या फिर थोक महंगाई। दोनों में एक चीज कॉमन है। दोनों रिपोर्ट एक बात पर मुहर लगाती हैं। वो ये कि खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ रहे हैं। खाने-पीने की चीजें महंगी हो रही हैं। लेकिन कभी आपने ये सोचा है कि कोई चीज महंगी क्यों होती है और सस्ती कब हो जाती है. दरअसल महंगाई का पूरा गणित काम करता है मांग और सप्लाई के फॉर्मूले पर। अगर किसी चीज की मांग बहुत अधिक है और सप्लाई कम है तो उस चीज के दाम बढ़ जाएंगे। वहीं अगर किसी चीज की सप्लाई अधिक है और मांग बहुत ज्यादा नहीं है तो ऐसे में उस चीज के दाम कम हो जाएंगे। यानी सब्जियों और दालों की मांग तो ज्यादा है लेकिन सप्लाई उतनी नहीं है। और यही कारण है कि इन चीजों के दामों में उछाल आ गया है। लेकिन आखिर ऐसा क्या हो गया कि सब्जियों और दालों की सप्लाई प्रभावित हो गई एक बड़ी वजह है उत्पादन में कमी आना। लेकिन उत्पादन में कमी क्यों आई है। दरअसल पिछले काफी वक्त से मौसम ने किसानों का साथ कम दिया है। दालों और अनाजों पर मौसम का असर हुआ है। पिछले करीब एक साल से देश में अलनीनो की स्थिति रही थी। और अब लगातार हो रही बारिश ने भी उत्पादन पर असर डाला है। यही हाल कमोबेश सब्जियों का भी है। सब्जियों का उत्पादन भी काफी प्रभावित हुआ है। इसके बाद बारी आती है सप्लाई की। सप्लाई भी प्रभावित हुई है और इसकी सबसे बड़ी वजह है मानसून। देश के कई हिस्सों में भारी बारिश है। पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की खबरें रोजाना सामने आ रही हैं। देश का एक बड़ा इलाका बारिश और बाढ़ की चपेट में है। सड़कें और पुल टूटने की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। जलभराव और जलजमाव की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। ऐसे में खाने-पीने की चीजों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाना परेशानी वाला काम हो गया है। सड़कों पर, हाइवे पर, खाने-पीने से लदे ट्रकों को लाना-ले-जाना खासा परेशानी भरा हो गया है। बारिश की वजह से जाम की स्थिति भी पैदा होती हैं। इस वजह से पेट्रोल-डीजल की खपत ज्यादा होती है। यानी ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट बढ़ जाती है। यानी सप्लाई बिगड़ गई है, ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट बढ़ गई है, और इसका असर हो रहा है आपकी और हमारी जेब पर। एक और बात अगर पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ती हैं तो भी चीजों के दाम बढ़ जाते हैं और इसके कम होने पर दामों में नरमी आ जाती है। जब बात चल ही रही है तो आपको बता दूं कि 15 जुलाई को ही पाकिस्तान सरकार ने एक नया फरमान जारी किया है इसके मुताबिक वहां पर पेट्रोल के रेट 275 रुपए लीटर और हाई स्पीड डीजल के रेट 283 रुपए लीटर हो गए हैं। अब हो सकता है कि बहुत जल्द आपको एक बार फिर पाकिस्तान से आटे की लूट वाले वीडियो देखने को मिल जाएं। अब जब महंगाई से अपना हाल बेहाल है तो शायद बदहाल पाकिस्तान को देखकर कुछ सुकून मिले। महंगाई के आंकड़े जब बदलेंगे, तब फिर से आपको बताएंगे।

एप्पल ने 8 बिलियन डॉलर की मजबूत बिक्री को छुआ, इस तेजी ने चीन और वियतनाम जैसे देशों को कर दिया परेशान

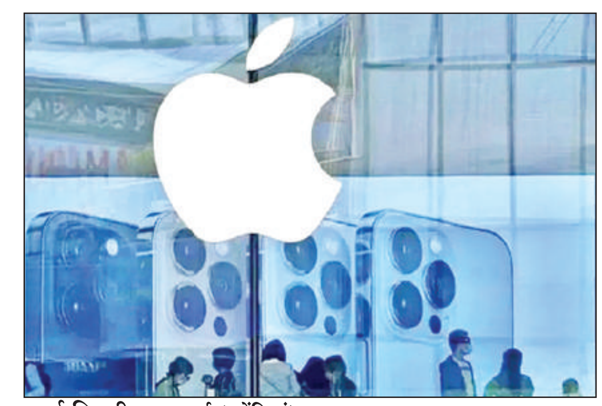

नई दिल्ली,17 जुलाई (एजेंसियां)।

टेक दिग्गज कंपनी एप्पल ने वित्त वर्ष 2024 में भारत में लगभग 8 बिलियन डॉलर की मजबूत बिक्री को छुआ है, जो लगभग 33 प्रतिशत की वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) है। भारत द्वारा उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना लागू करने के कारण घरेलू विनिर्माण में आई तेजी ने चीन और वियतनाम जैसे देशों को परेशान कर दिया है। दोनों ही देश चीन और वियतनाम इस मामले में लड़खड़ा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार दुनिया के दूसरे सबसे बड़े स्मार्टफोन बाजार में प्रीमियमीकरण की सोच के कारण आईफोन की बिक्री में तेजी आई है। न केवल बेहतरीन घरेलू बिक्री, क्यूपर्टिनो बेस्ड कंपनी ने निर्यात में भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है। घरेलू विनिर्माण को मिल रहे शानदार समर्थन और मजबूत वितरण के कारण इस साल आईफोन शिपमेंट में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने का अनुमान है।

काउंटरप्वाइंट रिसर्च के अनुसंधान निदेशक तरुण पाठक ने बताया कि प्रीमियमाइज़ेशन के शुरू होने के साथ ही एप्पल को एक बार फिर अपने उपकरणों और निवेश प्रस्तावों के माध्यम से इसका लाभ उठाने का सही समय मिल गया है। इसके अतिरिक्त, ब्रांड मजबूत हुआ है और कंपनी इसका भी आनंद ले रही है और देश में अपने नेटवर्क का विस्तार कर रही है, जिससे इसे बढ़ने में मदद मिल रही है। भारत द्वारा पीएलआई योजना को बढ़ावा देने के कारण मोबाइल फोन निर्यात में वित्त वर्ष 2024 में काफी वृद्धि हुई। इसकी वजह से चीन और वियतनाम जैसे मोबाइल बनाने वाले दिग्गज देश भारत से पीछे रह गए। चीन से मोबाइल फोन का निर्यात वित्त वर्ष 2023 में 136.3 बिलियन डॉलर से घटकर वित्त वर्ष 2024 में 132.5 बिलियन डॉलर हो गया। इसी तरह, नवीनतम उद्योग आंकड़ों के अनुसार, वियतनाम में वित्त वर्ष 2023 में 31.9 बिलियन डॉलर से घटकर पिछले वित्तीय वर्ष 2024 में 26.27 बिलियन डॉलर हो गया। उद्योग के अनुमान के अनुसार, मोबाइल फोन का उत्पादन 2014-15 में 18,900 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में अनुमानित 4.10 लाख करोड़ रुपये हो गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जो हमारे....

था और आपने भी नारा दिया था कि सबका साथ, सबका विकास, लेकिन अब मैं ऐसा नहीं कहूंगा। इसकी जगह मैं कहूंगा, जो हमारे साथ, हम उनके साथ। बंद करिए ये सबका साथ, सबका विकास का नारा। हमें अल्पसंख्यक मोर्चे की भी जरूरत नहीं है।शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि हम जीतेंगे, हम हिंदुओं को बचाएंगे और संविधान को बचाएंगे। इसके बाद शुभेंदु अधिकारी ने जय श्रीराम के नारे लगाए और भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी तालियां बजाकर उनका स्वागत किया। लोकसभा चुनाव में भाजपा को छह सीटों का नुकसान उठाना पड़ा और पिछले लोकसभा चुनाव में 18 सीटें जीतने वाली भाजपा इस बार 12 पर सिमट गई। पश्चिम बंगाल भाजपा के नेताओं का कहना है कि स्पष्ट नीतियों के अभाव के कारण भाजपा की हर जगह दुर्गति हो रही है।हाल ही में शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव और हालिया उपचुनाव में 50 लाख हिंदुओं को वोट नहीं देने दिया गया। उन्होंने कहा कि बंगाल में लोकतंत्र मर चुका है। अधिकारी ने एक पोर्टल भी लॉन्च किया है, जिस पर वो लोग पंजीकरण कर सकते हैं, जिन्हें वोट नहीं देने दिया गया। शुभेंदु अधिकारी ने इन लोगों के लिए कानूनी लड़ाई लड़ने का भी ऐलान किया है। बंगाल के राजनीतिक समीक्षक मानते हैं कि पश्चिम बंगाल की विषम स्थितियों की जानकारी होते हुए भी केंद्रीय नेतृत्व ने सिर्फ राजनीति की, कोई कार्रवाई नहीं की। इसका संदेश बंगाल के लोगों में अच्छा नहीं गया। भाजपा के इस रवैये को बंगाल के लोगों ने कमजोर निर्णय लेने वाले संगठन के तौर पर देखा। पश्चिम बंगाल भाजपा की कार्यसमिति की बैठक में जिस तरह नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शुभेंदु अधिकारी का समर्थन किया, उससे यह साफ हो गया कि केंद्रीय नेतृत्व के ढुलमुल रवैये के खिलाफ पार्टी में आक्रोश बढ़ रहा है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा, अब हम तय करेंगे कि जो हमारा साथ देगा, हम भी उसका साथ देंगे। उन्होंने अल्पसंख्यक मोर्चे को भी तत्काल बंद करने की मांग की। शुभेंदु अधिकारी ने भाजपा नेताओं के सामने दोनों हाथ जोड़कर कहा, अब हम ये नहीं कहेंगे, सबका साथ - सबका विकास।

शुभेंदु ने कहा कि हम जीतेंगे, हम हिंदुओं को बचाएंगे और संविधान को बचाएंगे। मैंने राष्ट्रवादी मुसलमानों के बारे में बात की। आप सभी ने नारा दिया सबका साथ, सबका विकास। हम संविधान को बचाएंगे। अधिकारी ने जय श्रीराम का नारा लगाते हुए कहा कि हम जीतेंगे और हिंदुओं को बचाएंगे। हम तय करेंगे कि जो हमारा साथ देगा, हम उनका साथ देंगे।लोकसभा चुनाव में भाजपा को भारी नुकसान के बाद समीक्षा बैठक में भाजपा नेताओं ने माना कि मुस्लिम वोटरों ने एकजुट होकर टीएमसी को वोट दिया। इसका उसे फायदा मिला है। दूसरी तरफ हिंदू वोटों में विभाजन दिखा। शुभेंदु अधिकारी ने अपने भाषण से साफ किया कि भाजपा अब बंगाल में हिंदू वोटों को साधने की कोशिश करेगी। संदेशखाली जैसी घटनाओं से भी उसने यह कोशिश की थी, लेकिन अब इस एजेंडे पर वह आक्रामक हो सकती है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 के लोकसभा चुनाव में सबका साथ, सबका विकास का नारा दिया था। इसके बाद यह भाजपा का प्रमुख नारा बन गया। इसमें सभी सरकारी योजनाओं को सभी वर्गों तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। भाजपा की नजर इस नारे के जरिए अल्पसंख्यक वोट बैंक पर थी। लेकिन भाजपा को इस नारे का कोई फायदा नहीं मिला। पश्चिम बंगाल के चुनाव में मुस्लिम वोटर्स का बड़ा हिस्सा भाजपा को रोकने के लिए तृणमूल कांग्रेस को वोट दे रहा है।

जनसंख्या असंतुलन....

जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन की सरकार जाने वाली है।

असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने कहा, जनसांख्यिकी में बदलाव मेरे लिए एक बड़ा मुद्दा है। असम में मुस्लिम आबादी आज 40 प्रतिशत तक पहुंच गई है। 1951 में यह 12 प्रतिशत थी। हमने कई जिले खो दिए हैं। यह मेरे लिए कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है। यह मेरे लिए जीवन और मृत्यु का सवाल है। झारखंड के बारे में भी सरमा ने कहा, झारखंड में भी कानून नहीं लागू हो रहा है। आदिवासी बेटियों के साथ घुसपैठ करके शादी कर रहे हैं, लेकिन इस पर सरकार को पाबंदी नहीं लगा रही। बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर उन्होंने कहा कि वो पहले पश्चिम बंगाल आते हैं फिर झारखंड बिहार और छत्तीसगढ़ आते हैं।

हिमंत ने कहा कि इंटरनेशनल बॉर्डर से जब घुसपैठिए आते हैं, तब उन्हें रोकने का काम बीएसएफ का होता है, लेकिन जब एक बार घुसपैठिए अंदर आ चुके हैं, तब ये राज्य सरकार की जिम्मेदारी होती है। झारखंड हाईकोर्ट ने भी राज्य सरकार को घुसपैठी आ गए हैं। सीएम हिमंत ने कहा कि झारखंड की वर्तमान सरकार को उखाड़ फेंका जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार घुसपैठियों के संरक्षण में जुटी है। भगवान बिरसा मुंडा, सिद्धो-कान्हू की धरती घुसपैठियों की धर्ती बन रही है। संताल परगान की डेमोग्राफी बदल गई है। सरमा ने कहा, लव जेहाद, लैंड जिहाद चरम पर है। आदिवासी बेटियों से बांग्लादेशी घुसपैठ करके शादी कर रहे हैं और जमीन पर कब्जा कर रहे हैं।

दिल्ली में भी....

देते हुए कहा कि दिल्ली में इस तरह की वारदात न हो पाए। इसके अलावा पुलिस आयुक्त ने कहा कि स्टाफ को जल्द से जल्द सक्रिय किया जाए। पिछले साल की तरह इस वर्ष भी सुरक्षा के पुख्ता कदम उठाए जाएं।

स्पेशल सेल के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि गैंगस्टर या आतंकी टारगेट किलिंग कर सकते हैं। इसके कुछ इनपुट मिले हैं। साथ ही खालिस्तान समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू 15 अगस्त पर जगह-जगह खालिस्तान समर्थक पोस्टर लगाकर देश का माहौल खराब करने की कोशिश करेगा। पन्नू की ओर से दिल्ली का माहौल खराब करने की तैयारियों के खुफिया इनपुट मिले हैं।

तेलंगाना को देश....

है। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व मंत्री और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता हरीश राव ने कहा था कि अगर कर्ज माफी हुई तो वह इस्तीफा दे देंगे। कई लोगों ने इस तरह की माफी की व्यवहार्यता पर संदेह किया, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि ईमानदारी से सब कुछ संभव है।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने तेलंगाना की 60 साल पुरानी आकांक्षा को पूरा किया है। उन्होंने मंत्रियों, विधायकों, कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से गांव, मंडल तथा निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर ऋण माफी के लिए अभियान चलाने का आग्रह किया। उन्हें याद दिलाया कि वे वोट मांगने के लिए गांवों में गए थे और अब उन्हें ग्रामीणों को बताना चाहिए कि ऋण माफ कर दिया गया है।

तेल टैंकर ...

हमारा दूतावास ओमानी अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है। नाविकों के लिए खोज और बचाव अभियान, ओमान समुद्री सुरक्षा केंद्र (ओएमएससी) द्वारा समन्वित किया जा रहा है। भारतीय नौसेना भी खोज और बचाव अभियान में शामिल हो गई है।इज़राइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से अदन की खाड़ी और लाल सागर में समुद्री जहाजों पर लगातार हमले हो रहे हैं। ये हमले ईरान समर्थित हूती विद्रोही कर रहे हैं। इसके चलते अमेरिका और ब्रिटेन संयुक्त रूप से हूती विद्रोहियों के खिलाफ कार्रवाई कर चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद व्यापारिक जहाजों पर हमले नहीं रुक रहे हैं। हूती विद्रोहियों के हमले के चलते अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट बुरी तरह से प्रभावित हुआ है और इसकी वजह से कई व्यापारिक जहाज अफ्रीका होते हुए लंबा रास्ता तय कर रहे हैं। इसकी वजह से महंगाई बढ़ी है और अगर लाल सागर और अदन की खाड़ी में व्यापारिक जहाजों पर हमले नहीं रुके तो हालात और ज्यादा खराब हो सकते हैं।

भाजपा कार्यकर्ताओं ...

जिले के कप्तान नीरज जादौन को

कैसे झेल पाएंगे। इसके जवाब में भाजपा विधायक श्याम प्रकाश ने अफसरों को लुटेरा बताया और यह भी कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं का कोई भी काम बिना रिश्वत दिए न हुआ है और न होगा। हालांकि विधायक ने मोदी और योगी को व्यक्तिगत तौर पर ईमानदार बताया।

ऐसा पहली बार नहीं है जब विधायक श्याम प्रकाश ने अपनी सरकार को कटघरे में खड़ा किया हो। पिछले साल उन्होंने एक बैठक के दौरान टिप्पणी की थी कि उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार में किसान और प्रधान दोनों परेशान हैं। उन्होंने कहा था कि किसान घुमंतू जानवरों से परेशान हैं और प्रधान अपने सचिवों से परेशान हैं। विधायक श्याम प्रकाश ने कोरोना काल में भी कहा था कि ऑक्सीजन की कमी से सैकड़ों लोग तड़प-तड़प कर मर गए।इस साल मई के महीने में भी गुजरात में भाजपा के राज्यसभा सांसद राम मोकरिया ने कुछ ऐसा ही बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि राज्य में कोई भी अफसर बिना जेब गर्म किए काम नहीं करता। उन्होंने स्वीकार किया था कि राज्य में भ्रष्टाचार बढ़ गया है। एक गुजराती दैनिक को दिए इंटरव्यू में सांसद ने कहा था कि उन्होंने फायर एनओसी लेने के लिए डिप्टी फायर अफसर को 70000 की रिश्वत दी थी और जब वह सांसद बन गए थे तो डिप्टी फायर अफसर ने यह रकम उन्हें वापस कर दी थी।कुछ दिन पहले भाजपा के ही एक विधायक रमेश चंद्र मिश्रा ने कहा था कि उत्तर प्रदेश के मौजूदा हालात में भाजपा की स्थिति ठीक नहीं है और अगर केंद्रीय नेतृत्व ने बड़े फैसले नहीं लिए तो 2027 के विधानसभा चुनाव में फिर से भाजपा की सरकार बनने की स्थिति नहीं दिखाई देती। इसके साथ ही भाजपा के एक पूर्व मंत्री मोती सिंह का भी वीडियो वायरल हुआ था जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में कभी भी थानों और तहसीलों में इतना भयंकर भ्रष्टाचार नहीं देखा।सवाल यह है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग लड़ने की बात कहने वाली भाजपा के अपने ही विधायक और पूर्व मंत्री क्यों अपनी ही सरकार के शासन में भ्रष्टाचार होने की बात कह रहे हैं? जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पिछले कुछ सालों में कई सार्वजनिक कार्यक्रमों और चुनावी सभाओं में स्पष्ट रूप से कह चुके हैं कि उनकी सरकार भ्रष्टाचार खत्म करके रहेगी और इसके लिए कदम उठा रही है। विपक्ष के नेताओं पर जब केंद्रीय जांच एजेंसियां सीबीआई, ईडी, आईटी की छापेमारी होती है तब भी भाजपा की ओर से यही तर्क दिया जाता है कि पार्टी का भ्रष्टाचार के मुद्दे पर जीरो टॉलरेंस है। लोकसभा चुनाव 2024 में प्रचार के दौरान भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता को भरोसा दिलाया था कि उनकी सरकार के तीसरे कार्यकाल में भ्रष्टाचार पर और तेज प्रहार होगा और यह उनकी गारंटी है।

इस बीच उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता तीरथ सिंह रावत का एक बयान सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। इस बयान में तीरथ सिंह रावत कहते हैं कि सभी से बातचीत करके, सलाह मशविरा करके आगे बढ़ना चाहिए और किसी पर कुछ थोपा नहीं जाना चाहिए। तीरथ सिंह रावत कहते हैं कि जनता आगे बढ़ गई है और नेता पीछे रह गए हैं।इसी क्रम में यह भी बताते चलें कि उत्तर प्रदेश के लोकसभा चुनाव में इस बार भाजपा का प्रदर्शन खराब रहा है और एनडीए के सहयोगी दलों के साथ मिलकर राज्य की सभी 80 लोकसभा सीटें जीतने का दावा करने वाली पार्टी को 29 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 18 जुलाई, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

एसबीआई ने पेडल फॉर द प्लैनेट साइक्लोथॉन का किया आयोजन

हैदराबाद, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एसबीआई हैदराबाद सर्कल ने कर्मचारियों के बीच स्थिरता पहल उपायों को बढ़ावा देने के लिए पीवी ज्ञान भूमि, नेकलेस रोड, हैदराबाद में साइक्लोथॉन का आयोजन किया। 2023 बैच के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के साथ-साथ वरिष्ठ अधिकारियों ने भी इस कार्यक्रम में बहुत उत्साह के साथ भाग लिया। इस आयोजन का विषय हमारी भूमि और हमारे भविष्य की देखभाल के लिए पेडल फॉर द प्लैनेट रहा।

इस कार्यक्रम को हैदराबाद सर्कल के मुख्य महाप्रबंधक राजेश कुमार और सर्कल के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर बोलते हुए राजेश कुमार ने कहा कि एसबीआई और उसके कर्मचारी हमेशा भारत की स्थिरता की यात्रा में साथी होने पर गर्व करते हैं, चाहे वह कृषि क्षेत्र हो, उद्योग हों, बुनियादी ढांचा हो, शिक्षा हो, विज्ञान और प्रौद्योगिकी हो। हाल ही में एसबीआई में शामिल हुए युवा अधिकारियों के मन में स्थिरता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए, हैदराबाद सर्कल ने पेडल फॉर द प्लैनेट थीम के साथ साइक्लोथॉन गतिविधि शुरू की है। उन्होंने कहा कि कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए, सर्कल नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ाने और कार्बन ऑफसेटिंग को बढ़ाने में भाग ले रहा है। बैंक की आकांक्षा जलवायु वित्त में भारत का नेतृत्व करने की है। 2055 तक नेट शून्य उत्सर्जन के मार्ग के साथ, यानी, एसबीआई गठन के शताब्दी वर्ष पर। बैंक 2030 तक कार्बन तटस्थता प्राप्त करने के स्वैच्छिक रूप से परिकल्पित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपने परिचालन के कार्बन पदचिह्न को कम करेगा।

राजेश कुमार ने कहा कि, सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में हरित पहल के एक भाग के रूप में हमारे बैंक का मिशन घरेलू सकल अग्रिमों के 7.5% को हरित अग्रिम बनाना है। इसे प्राप्त करने के लिए हमारा बैंक आवास ऋण परियोजना के हिस्से के रूप में रूफटॉप सोलर फोटोवोल्टिक सिस्टम के वित्तपोषण पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। आवासीय आवास परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने के लिए स्थिरता पहल के तहत भवन डिजाइन के एक भाग के रूप में जल प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन और सौर फोटोवोल्टिक को लागू करने के लिए बैंक 25 बीपीएस की ब्याज दर रियायत की पेशकश कर रहा है।इसके अलावा, बैंक ग्रीन कार लोन, सस्टेनेबिलिटी लिंक्ड लोन जैसे सूर्य शक्ति सोलर फाइनेंस, बायोफ्यूल प्रोजेक्ट्स को फाइनेंस, एसएटीएटी (किफायती परिवहन की दिशा में टिकाऊ वैकल्पिक) योजना के तहत कंप्रेस्ड बायोगैस को बढ़ावा दे रहा है। बैंक ने ग्रीन एडवांस का 25% बहुपक्षीय/डीएफआई/ग्रीन बॉन्ड/सस्टेनेबिलिटी-लिंक्ड इंस्ट्रूमेंट्स/ग्रीन लोन/घरेलू ग्रीन डिपॉजिट आदि से ग्रीन लाइन ऑफ क्रेडिट द्वारा वित्त पोषित करने की परिकल्पना की है। बैंक को हरित क्षेत्रों, नवीकरणीय/स्थिरता परियोजनाओं के लिए ऋण देने की उम्मीद है। आने वाले वर्षों में वृद्धि होगी और इस दिशा में, बैंक ने फंडिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ग्रीन रुपी टर्म डिपॉजिट योजना शुरू की है। इसके अलावा, हमारा सर्कल व्यवसाय को आसान बनाने और कागज के उपयोग को कम करके स्थिरता के एजेंडे को मजबूत करने के लिए योनो, ग्रीन पिन जेनरेशन प्रक्रिया, डिजिटलीकरण के माध्यम से वर्चुअल डेबिट कार्ड के निर्माण को प्रोत्साहित कर रहा है। हमारे सर्कल ने ऊर्जा बचत तकनीकों, वर्षा जल संचयन, सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना, पर्यावरण अनुकूल सामग्री के उपयोग और अपनी इमारतों और बुनियादी ढांचे के लिए आईजीबीसी प्रमाणीकरण का अभ्यास करके हरित पहल को अपनाया। प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिए हाईटेक सिटी मेट्रो स्टेशन, एलएचओ और प्रशासनिक कार्यालयों में पीईटी बोतल क्रशर स्थापित किया गया है। सतत विकास लक्ष्य के हिस्से के रूप में, हम नवीकरणीय सौर ऊर्जा और वर्षा जल संचयन के उत्पादन को बढ़ावा देते हैं। हमारे पास पूरे सर्कल में 32 विभिन्न स्थानों पर 1.4 एमडब्ल्यूपी सौर ऊर्जा संयंत्रों की कुल स्थापित क्षमता है, जो प्रति वर्ष 16,80,000 यूनिट का उत्पादन कर रही है। ग्रीन पावर (सौर, पवन, भू-तापीय, बायोगैस, बायोमास और जलविद्युत ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों से उत्पन्न बिजली) का उपयोग 3 स्थानों (एलएचओ, एसबीआईएलडी हैदराबाद और एसबीआईएलडी सिकंदराबाद) में किया जाता है जो पर्यावरण-अनुकूल वातावरण में योगदान देता है। बैंक अपने भवनों/परिसरों में ईवी चार्जर स्थापित करके ई-वाहनों के उपयोग को भी प्रोत्साहित करता है। विभिन्न बैंकों की अपनी इमारतों में भूदृश्य गतिविधियों के माध्यम से हरित शीर्ष/आवरण बढ़ाया जा रहा है। सर्कल के महाप्रबंधक प्रकाश चंद्र बरोर और रवि कुमार वर्मा ने युवा पीढ़ी को हमारी प्रकृति और ग्रह की सुरक्षा के लिए स्थिरता प्रथाओं को विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

रोटरी क्लब ऑफ हैदराबाद सेंटिनियल ने 20वां इंस्टॉलेशन दिवस मनाया

हैदराबाद, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बंजारा हिल्स स्थित होटल तबला में रोटरी क्लब ऑफ हैदराबाद सेंटिनियल का 20वां इंस्टॉलेशन दिवस मनाया गया। इस सभा में भाजपा नेता माधवी लता को मुख्य अतिथि के रूप में तथा गेस्ट ऑफ़ आनर के रूप में इंस्टॉलेशन ऑफ़िसर पीडीजी के.प्रभाकर और रोटेरियन सीता को आमंत्रित किया गया। इस नए वर्ष 2024-25 का कार्यभार अध्यक्ष रामराज खत्री ने इस वर्ष के अध्यक्ष पराग शाह और पंकज कुमार संघी ने नए सचिव विजय सारथी को सौंपा तथा इस वर्ष के असिस्टेंट गवर्नर गोविंद अग्रवाल रहेंगे। माधवी लता ने अपने संबोधन में सभी रोटरी क्लब ऑफ़ हैदराबाद सेंटिनियल के मेंबर्स को बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी और कहा कि आगे भी यह क्लब बड़े उन्नति से चलता रहे और लोगों की सेवा करता रहे। पूर्व अध्यक्ष रामराज ख़तरी ने सभी का धन्यवाद किया तथा पंकज कुमार संघी ने साल भर का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। तत्पश्चात नव निर्वाचित अध्यक्ष पराग शाह ने सभी का स्वागत किया तथा स्कूल में 5000 नोटबुक देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर पराग शाह, विजय सारथी, रामराज ख़तरी, पंकज कुमार संघी, अशोका काबरा, डॉक्टर देवेन्द्र, महेश सिंघानिया, अनिल डनडू, आशीष अवस्थी, नितिन अग्रवाल, दिवाकर, अमित गुप्ता, वेंकटराम रेड्डी, अनिल कौत्ता, गोविंदा पैलोड, पारस जोशी, रजनीश सिंघानिया, वैभव सिंघानिया, राजेश अग्रवाल, सुधीर पित्ती, दीपक पित्ती आदि उपस्थित रहे।

पू.श्री विजयलताजी म.सा आदि ठाणा 3 का हुआ भव्य चातुर्मासिक मंगल प्रवेश

हैदराबाद, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ सिकंदराबाद के तत्वावधान में 2024 का चातुर्मास महासतीजी उपप्रवर्तिनी श्री विजयलताजी म.सा आदि ठाणा 3 का चतुर्मासिक मंगल प्रवेश आज भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। महासतीजी प.पु पानकंवरजी महिला स्थानक पॉट मार्केट, सिकंदराबाद में प्रातः अल्पाहार 7.30 बजे से 8 बजे तक रहा जिसके लाभार्थी सम्पतराजजी सोहनलालजी विक्रमजी अभिषेकजी मखाना की और से रखा गया। 8.30 बजे भव्य शोभा यात्रा प्रारम्भ होकर मारुति विधि जैन स्थानक मे मंगल प्रवेश हुआ।

इस चातुर्मास की सुभकमनाएं देने के लिए आचार्य श्री राजतिलकजी म.सा के सुशिष्य श्री मोक्ष तिलकजी म.सा एवम भावचंद्रजी म.सा की शुशिष्य साध्वी श्री भविताश्रीजी म.सा आदि ठाणा 3 का सान्निध्य मिला जिससे चतुर्विघ संघ की स्थापना हुई। सर्व प्रथम आज की सभा श्री विजयलताजी म.सा द्वारा मंगलाचरण से प्रारम्भ हुई। प्रतिभा बहू मंडल द्वारा मंगल गीत एवम स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। पुण्यश्रीजी म.सा ने अपना उद्बोधन भक्ति गीत से शुरू करते हुए बताया की भव्य मंगल प्रवेश का अर्थ भाव्यता से धर्म आराधना का समय प्रारंभ होना है। इस चातुर्मास में तप और आराधना से आत्म को शुद्ध करना है। साध्वी श्री प्रज्ञाश्रीजी म.सा ने भी गीत के माध्यम से चातुर्मास काल में तप साधना का बिगुल बजाया।

माता मारुदेवी महिला मंडल से शोभाजी बोहरा ने अपने भाव व्यक्त करते हुए कहा कि आप के चातुर्मास से सभी के मन में हर्षोल्लास का वातावरण स्थानक भवन में छा गया है।

सुनिता गांधी ने अपने विचार व्यक्त हुए कहा कि आप निरंतर 8 वर्षो से दक्षिण भारत के विभिन्न नगरों में चातुर्मास करते हुए सिकंदराबाद पधारे हैं। संतोष गुगलिया ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। साध्वी श्री नमनश्रीजी ने चातुर्मास की मंगल शुभ कामनाएं प्रेषित की।

संघ के अध्यक्ष गौतमचंद गुगालिया ने मंच पर आसीन सभी साधु साध्वी के आहार विहार की सुख साता पूछते हुए त्रय नगर से पधारे विभिन्न संघों के पदाधिकारी एवं श्रावक, श्राविकाओ का स्वागत एवं अभिनन्दन किया। जिन गुरु भगवंतो का सान्निध्य प्राप्त हुआ उन सभी का आभार प्रकट किया। त्रय नगर में होने जा रहे विभिन्न चातुर्मास के लिए बधाई दी। इस चातुर्मास काल में होने जा रहे अलग अलग तप साधना कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी।

रविवार 11 अगस्त को होने वाला रोडजी म.सा का पुण्य स्मृति पर्व का कार्यक्रम भाग्यनगर गौशाला मे रहेगा। मंच का संचालन कार्याध्यक्ष शांतिलाल बोहरा, महामंत्री सुरेन्द्र कटारिया वा कोषाध्यक्ष विजयराज डूंगरवाल ने किया। पंडित रत्न ज्ञानमुनिजि म.सा आदि ठाणा 2 ने चातुर्मास मंगल प्रवेश के अवसर पर अपनी शुभकामनाएं भेजी। इस अवसर पर त्रय नगर के प्रसिद्ध उद्योगपति स्व. मांगीलालजी सुराणा के सुपुत्र देवेन्द्रजी सुराणा द्वारा चातुर्मास सुचिका का विमोचन किया गया। शुभकामनाए प्रेषित करने वालो में कोरा संघ के अध्यक्ष संजय कटारिया, ग्रेटर हैदराबाद काचीगुड़ा संघ के संघपति स्वरूपचंद कोठारी, मलकपेट संघ के प्रधान संयोजक पारस दोषी, डबीरपुरा संघ के महामंत्री सुरेश बोहरा, मारेडपल्ली संघ के महामंत्री पारसमल पोकरणा, गुरू सेवा समिति से गौतमचंद मुथा, श्रमणोपाशक संघ के अध्यक्ष किशोर मुथा, चैतन्यपुरी संघ के अध्यक्ष अशोक नाबरिया, बोलाराम संघ के अध्यक्ष अभय सुराणा, लाल बाजार संघ के अध्यक्ष प्रवीण सुराणा, चैतन्यपुरी से अशोक नाबरिया, श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ एवम श्री सकल जैन संघ, डेयरी फार्म रोड सिकंदराबाद के अध्यक्ष श्रीपाल देशरला, गौतमचंद लोढ़ा, पूनम बोहरा इन सभी ने चातुर्मास की बधाई और शुभकामनाएं दी। सिकंदराबाद संघ के संघपति संपतराज कोठारी ने सभी को आह्वान किया कि चातुर्मास में अधिक से अधिक धर्म साधना में जुड़कर इस चातुर्मास को यशस्वी बनाए। शनिवार 20 जुलाई से चातुर्मास प्रारंभ होगा और प्रवचन गुरुवार 18 जुलाई 2024 से प्रतिदिन प्रातः 9.15 बजे से 10.15 तक रहेगा।

इस अवसर पर जैन सेवा संघ के अध्यक्ष योगेश सिंघवी, डबीरपूरा संघ के कार्याध्यक्ष पारसमल कटारिया, काचीगुड़ा संघ के संयोजक विनोद कीमती, मलकपेट संघ के अध्यक्ष सुरेशजी गादिया, काचीगुड़ा संघ के पुर्व अध्यक्ष कांतिलाल नाहर, मारेडपल्ली संघ के महामंत्री महावीर गांधी, बोलाराम संघ के महामंत्री जितेन्द्र सुराणा,गौतमचंद चोरडिया, कोरा संघ के निवर्तमान अध्यक्ष बिजयराज श्रीमाल वह अन्य कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सिकंदराबाद के संघपति संपतराज कोठारी, वरिष्ठ प्रमुख सलाहकार महावीरचंद अलिजार, पारसमल डूंगरवाल, वरिष्ठ प्रमुख मार्गदर्शक पारसमल कोठारी, अध्यक्ष गौतमचंद गुगालिया, कार्याध्यक्ष शांतिलाल बोहरा, स्वगताध्यक्ष कांतिलाल लोढ़ा, प्रमुख सलाहकार डायचंद दक, सुभाषचंद डूंगरवाल, प्रमुख

मार्गदर्शक, सज्जनलाल डूंगरवाल, उपाध्यक्ष गौतमचंद तातेड, सोहनलाल मखाना, इंदरचंद बांठिया, महामंत्री सुरेन्द्र कटारिया, कोषाध्यक्ष विजयराज डूंगरवाल, मार्गदर्शक नवरतनमल बोहरा, महेन्द्र लुंकड, प्रकशचंद दक, मंत्री सुशील बोहरा, नवीन अलीजार,सहमंत्री अरूण सांखला, कार्यकारिणी सदस्य गौतम गुलेच्छा, अनिल ललवानी, विमल पितलिया, राजेन्द्रकुमार बोहरा, श्रेयांस तालेड़ा, महेश दक, अजीत कोठारी, महावीर कोठारी,मनोनित सदस्य दिनेश सहलोत, राजेन्द्र डूंगरवाल, मोतीलाल पोकरणा, ताराचंद अलिजार, रमेश गुगलिया, राजेश डूंगरवाल, महेन्द्र बांठिया, प्रकाश देवड़ा, प्रकाशचंद बी. डंक, अभिषेक अलिजार , अनिल कोठारी वह अन्य कई सदस्य उपस्थित थे।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने हैदराबाद के एआईजी अस्पताल में इलाज करा रहे एलबी नगर विधायक सुधीर रेड्डी से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली।

20 को काशी के लिए रवाना होगी गौरव यात्रा

गुरु पूर्णिमा पर होगा त्रिवेणी संगम स्नान

हैदराबाद, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नारनौल अग्रवाल समिति हैदराबाद सिकंदराबाद के तत्वावधान में इतिहास में पहली बार भक्तों के मंगल कामना के साथ गौरव यात्रा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह यात्रा 20 जुलाई को हैदराबाद से दानापुर एक्सप्रेस द्वारा प्रारंभ होगी तथा 21 जुलाई को काशी वाराणसी पहुंचेगी। 21 जुलाई तथा 22 जुलाई को गंगा स्नान, काशी विश्वनाथ दर्शन तथा गंगा आरती के दर्शन के पश्चात 23 जुलाई को अयोध्या में श्री सरयू जी स्नान, सरयू जी महा आरती तथा प्रभु श्री रामलला जी के दर्शन कर 24 जुलाई को मनकापुर रेलवे स्टेशन से हैदराबाद के लिए रवाना होकर 25 जुलाई को हैदराबाद में वापसी होगी।इस यात्रा के मध्य 21 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर सभी यात्रियों भक्तगणों के लिए तीर्थराज प्रयाग में त्रिवेणी संगम में स्नान पूजन

का विशेष आयोजन किया जा रहा है। गौरव यात्रा 2024 में सम्मिलित होने वाले भक्तों के लिए गुरुवार को समिति अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल द्वारा आईडी कार्ड जारी कर भक्तों को आईडी कार्ड दिया गया श्र इस आईडी कार्ड में भक्तों के आने-जाने की व्यवस्था तथा काशी व अयोध्या में ठहरने की व्यवस्था की पूर्ण जानकारी उपलब्ध है। इस अवसर पर मुख्य रूप से नारनौल अग्रवाल समिति अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, पवन अग्रवाल, प्रेमचंद अग्रवाल एवं अन्य भक्तजन उपस्थित रहे।

अग्रसेन बैंक के तीसरी बार सर्वसम्मति से निर्वाचित चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया का सम्मान राजस्थानी समाज मुरलीनगर के सदस्यों लक्ष्मी नारायण मालपाणी, विश्वनाथ अग्रवाल, शिवकुमार भालवाले, घनश्यामदास लड्डा एवं उमेश कुमार अग्रवाल द्वारा उनके बंजारा हिल्स स्थित कार्यालय में शाल, पुष्प गुच्छ एवं मिष्ठान से किया किया गया। राजस्थानी समाज द्वारा सभी नव निर्वाचित निदेशक मण्डल को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

तेलंगाना में गमगीन माहौल में मनाया गया मुहर्रम

हैदराबाद, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में बुधवार को पैगंबर मोहम्मद के पोते हजरत हुसैन की शहादत में मुसलमानों ने मुहर्रम के जुलूस निकाले।

शिया संप्रदाय और अन्य मुसलमानों ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में विभिन्न कर्बला मैदानों में अलम लेकर जुलूस निकाले। हैदराबाद के पुराने शहर में एक विशाल बीबी का अलम जुलूस निकाला गया, जिसमें एक हाथी पर अलम रखा गया।

सिकंदराबाद में रानीगंज के पास हुसैनसागर झील के किनारे कर्बला मैदान की ओर भी अलम जुलूस निकाले गये। तेलंगाना के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन ने एक संदेश में कहा, मुहर्रम पवित्र पैगंबर के पोते हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद दिलाता है, जिन्होंने सच्चाई की खोज में निस्वार्थ भाव से अपना जीवन बलिदान कर दिया।

मुहर्रम का सार अच्छाई और त्याग को याद करने में निहित है। हमें मुहर्रम की भावना का अनुकरण करने का प्रयास करना चाहिए। मानवतावाद और इस्लाम के त्याग, शांति तथा न्याय के आदर्शों को अपनाना चाहिए।

हैदराबाद पुलिस ने मुहर्रम के मद्देनजर हैदराबाद और सिकंदराबाद के कई इलाकों में यातायात प्रतिबंध लागू किये हैं। मुहर्रम के व्यवस्थित और शांतिपूर्ण आयोजन को सुनिश्चित करने के लिये कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गयी।

तेलंगाना में अगले चार दिनों में भारी बारिश के आसार

हैदराबाद, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर अगले चार दिनों के दौरान भारी से बहुत भारी बारिश होने के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र ने बुधवार को यह जानकारी दी।

दैनिक मौसम रिपोर्ट में अगले पांच दिनों के दौरान राज्य में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने का अनुमान जताया गया है। इसी अवधि के दौरान तेलंगाना के सभी जिलों में अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने और 30-40 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाओं के साथ आंधी आने की संभावना है।

अगले सात दिनों के दौरान तेलंगाना के अधिकांश स्थानों या कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान है। राज्य में दक्षिण पश्चिम मानसून सक्रिय हो गया है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के निज़ामाबाद जिले में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा हुई।

इसी अवधि के दौरान मुलुगु जिले में कुछ स्थानों पर और तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम जिले में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा हुई।

पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में कई जगहों पर बारिश हुई।

कांग्रेस में शामिल हुए विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों में जल्द ही होंगे उपचुनाव : हरीश राव

संगारेड्डी, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि राज्य में जल्द ही उन निर्वाचन क्षेत्रों में उपचुनाव होंगे जहां बीआरएस विधायक कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। बुधवार को पटनचेरु विधानसभा क्षेत्र के रामचंद्रपुरम में पार्टी कैडर को संबोधित करते हुए, राव ने कहा कि बीआरएस दलबदलुओं को अयोग्य ठहराने के लिए जरूरत पड़ने पर उनके खिलाफ लड़ाई को सुप्रीम कोर्ट तक ले जाएगा। यह बताते हुए कि बीआरएस ने पहले ही इस संबंध में उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की थी, उन्होंने कहा कि दिशानिर्देशों का पालन करते हुए विधायकों की अयोग्यता पर निर्णय लेने के लिए स्पीकर गद्दाम प्रसाद के पास तीन महीने का समय था। कांग्रेस में शामिल होने के लिए पटनचेरु विधायक गुडेम महिपाल रेड्डी की आलोचना करते हुए राव ने कहा कि बीआरएस ने उन्हें तीन बार पटनचेरु से विधायक के रूप में चुनाव लड़ने का मौका दिया था।

पूरे पार्टी नेतृत्व और कैडर ने लगातार तीन बार उनकी जीत के लिए काम किया। मुझे नहीं पता कि उन्होंने यह निर्णय कैसे लिया, हालांकि उन्हें बीआरएस से बहुत फायदा हुआ। उन्होंने कहा कि बीआरएस ने पिछले 24 वर्षों में कई संघर्ष देखे हैं। जब पूर्व मुख्यमंत्री, दिवंगत वाईएस राजशेखर रेड्डी सत्ता में थे, तब कई बीआरएस (तत्कालीन टीआरएस) विधायक कांग्रेस में शामिल हो गए थे, जब कुछ ने कहा था कि पार्टी जीवित नहीं रहेगी। हालांकि, पार्टी तेलंगाना को राज्य का दर्जा दिलाने के लिए राख से उठी और 10 वर्षों तक सफलतापूर्वक राज्य पर शासन किया। कठिन समय के दौरान पार्टी कैडर को एकजुट रहने का आह्वान करते हुए राव ने कहा कि पार्टी नेतृत्व स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान उन्हें पर्याप्त अवसर देने के अलावा कैडर की रक्षा करेगा। उन्होंने उनसे आह्वान किया कि वे सिर्फ एक विधायक के पार्टी छोड़ने से आत्मविश्वास न खोएं।

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के शब्दों को याद करते हुए, राव ने कहा कि मुख्यमंत्री ने, जब विपक्ष में थे, तो लोगों से वफादारी बदलने वाले विधायकों पर पथराव करने के लिए कहा था। अब, वही रेवंत रेड्डी विपक्षी पार्टी के विधायकों का कांग्रेस में स्वागत कर रहे हैं। इससे पहले, हरीश राव ने मांग की कि राज्य सरकार फसल ऋण माफी पर मौजूदा जीओ में संशोधन करके एक नया जीओ जारी करे। मूल जीओ में कहा गया है कि राशन कार्ड छूट के लिए पात्रता मानदंड होंगे, उन्होंने कहा कि जीओ में संशोधन करना होगा क्योंकि मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया था कि छूट उन लोगों को भी दी जाएगी जिनके पास राशन कार्ड नहीं हैं। ऐसा इसलिए था क्योंकि मुख्यमंत्री के मौखिक बयान के अलावा सरकार ने इस संबंध में कोई जीओ जारी नहीं किया था, इसलिए अधिकारी इस पर विचार नहीं कर सकते थे।

आवारा कुत्तों ने 18 माह के बच्चे को नोच-नोच कर मार डाला

हैदराबाद, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पुलिस ने बुधवार को बताया कि एक और भयावह घटना में, हैदराबाद में आवारा कुत्तों के झुंड ने एक 18 महीने के लड़के को मार डाला।

घटना मंगलवार रात जवाहर नगर इलाके में उस समय हुई जब बच्चा अपने घर के बाहर खेल रहा था। एक आवारा कुत्ता बच्चे पर झपटा और उसे खींचकर ले गया। अन्य आवारा कुत्तों ने भी उस असहाय बच्चे पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बच्चे की चीख सुनकर उसके माता-पिता भरत और लक्ष्मी बाहर आए और आवारा कुत्तों को भगाया। बुरी तरह घायल विहान को अस्पताल ले जाया गया लेकिन उसने पहले ही दम तोड़ दिया था। पीड़ित परिवार की शिकायत पर जवाहर नगर पुलिस ने मामला दर्ज किया। परिवार सिद्दीपेट से शहर आ गया था। हैदराबाद के उत्तरपूर्वी भाग का क्षेत्र कई प्रवासी परिवारों का घर है और यह ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के लैंडफिल का स्थल भी है। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने घटना पर दुख व्यक्त किया है. उन्होंने अधिकारियों को आवारा कुत्तों के आतंक के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने उनसे शिकायतें प्राप्त करने के लिए एक कॉल सेंटर या टोल-फ्री नंबर स्थापित करने को कहा।

तालीपेरु में प्रवाह बढ़ा, खदानों में पानी भरने से कोयला उत्पादन प्रभावित

कोठागुडेम, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पिछले कुछ दिनों से ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में बारिश के कारण जिले के चेरला के पास तालीपेरु परियोजना में पानी का प्रवाह बढ़ रहा है। सिंचाई अधिकारियों ने बुधवार को 16,698 क्यूसेक अतिरिक्त पानी को डाउनस्ट्रीम में छोड़ने के लिए 12 गेट खोल दिए हैं। परियोजना का पूर्ण जलाशय स्तर 74 मीटर है तथा वर्तमान स्तर 673.55 मीटर है। प्रवाह की मात्रा 19,540 क्यूसेक है।

जिले के चेरला, पिनापाका, अश्वपुरम और मनुगुर मंडलों में भारी बारिश हुई, जबकि डुम्मुगुडेम, कराकागुडेम, बर्गमपैड, भद्राचलम, गुंडाला और अल्लापल्ली में पिछले 24 घंटों में मध्यम बारिश हुई।

भारी बारिश के कारण एससीसीएल की खुली खदानों में कोयला उत्पादन प्रभावित हुआ क्योंकि बारिश का पानी खदानों में घुस गया। खम्मम जिले के चिंताकानी, नेलाकोंडापल्ले, मुदिगोंडा, कोनिजेरला, सिंगरेनी और कुसुमंची में पिछले 24 घंटों में मध्यम बारिश हुई।

लगातार बारिश से मंचेरियाल में कोयला उत्पादन में आई गिरावट

मंचेरियाल, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य के स्वामित्व वाली सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने बुधवार को लगातार बारिश के बाद श्रीरामपुर क्षेत्र में स्थित ओपनकास्ट परियोजनाओं के परिसर में बारिश का पानी जमा होने के कारण कोयला उत्पादन में गिरावट देखी।

प्रमुख कोयला कंपनी के अधिकारियों ने कहा कि ओपनकास्ट परियोजनाएं बारिश के पानी से भर गईं, जिससे मंगलवार आधी रात से बुधवार सुबह तक श्रीरामपुर और मंदमरी इलाकों में कोयला खनन का काम प्रभावित हुआ। परियोजनाओं में कोयला उत्पादन में 5,000 से 10,000 मीट्रिक टन के बीच गिरावट दर्ज की गई। अधिकारियों ने बताया कि नुकसान से बचने के लिए ओवरबर्डन को हटाया गया। जिले के कुछ हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश दर्ज की गई। कन्नेपल्ली मंडल में 81.3 मिमी बारिश हुई। कोटापल्ली और वेमनपल्ली मंडलों के दूरदराज के इलाकों का संपर्क मार्ग बाढ़ में डूब जाने से टूट गया है। हालांकि, न तो किसी के हताहत होने और न ही संपत्ति के नुकसान की सूचना मिली।

किसानों की कर्जमाफी करने का राज्य सरकार का निर्णय ऐतिहासिक : पी.श्रीनिवास

हैदराबाद, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के राजस्व विभाग के मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार ने किसानों को ऋण राहत प्रदान करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है, क्योंकि किसान देश की रीढ़ हैं।

श्री रेड्डी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने विधानसभा में कहा था कि एक लाख रुपये की कर्जमाफी संभव नहीं है लेकिन मौजूदा मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दो लाख रुपये तक के कर्जमाफी करके असंभव को संभव बना दिया है, जो एक क्रांतिकारी फैसला है। पिछली सरकार के दौरान राज्य की अर्थव्यवस्था कमजोर हो गई थी, फिर भी वित्तीय चुनौतियों के बावजूद मौजूदा प्रशासन ने किसानों से अपना वादा निभाया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने घोषणा की थी कि 15 अगस्त तक किसानों का कर्ज माफ कर दिया जाएगा, लेकिन सरकार ने किसानों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए इस वादे को एक महीने पहले ही पूरा कर दिया है। अठारह जुलाई को एक लाख रुपये तक किसानों के ऋण खातों में पैसे जमा कर दिए जाएंगे। उन्होंने इसे राज्य के इतिहास का एक महत्वपूर्ण दिन बताया। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि 16 साल पहले केंद्र की कांग्रेस सरकार ने किसानों के 72 हजार करोड़ रुपये के कृषि ऋण और ब्याज माफ किए थे। ऋण माफी का उद्देश्य किसानों का समर्थन करना और उनके पीछे मजबूती से खड़ा होना है।

मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि तेलंगाना में कृषि को और अधिक लाभदायक बनाया जाना चाहिए और सरकार किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। 60 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है, इसलिए राज्य की खुशहाली कृषि क्षेत्र की सफलता पर निर्भर करती है। सरकार की प्राथमिकता कृषि का विकास है, जिसका उद्देश्य खेती को एक लाभदायक और प्रतिष्ठित गतिविधि बनाना है। उन्होंने कहा कि अंतिम लक्ष्य किसानों को सशक्त बनाना और फसल ऋण माफी योजना जैसी पहलों के माध्यम से उन्हें समृद्ध बनाना है, जो एक महत्वपूर्ण शुरुआत है।

किसान भवन में ऋण माफी समारोह का आयोजन आज

मदनूर, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। संयुक्त मदनूर मंडल कृषि अधिकारी राजू ने बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि तेलंगाना सरकार के आदेश के अनुसार गुरुवार को किसान भवन में ऋण माफी समारोह का आयोजन किया गया है जिसमें 1 लाख रुपये से कम के कर्ज माफ होंगे। गुरुवार दोपहर 2 बजे से 3 बजे तक मुख्यमंत्री द्वारा सीधे ऋण माफी योजना का उद्घाटन एवं लाभार्थियों से आमने-सामने संवाद किया जाएगा।

संयुक्त मदनूर मंडल के किसानमदनूर और लिम्बर किसान भवन के माध्यम से कार्यक्रम देख सकते हैं और वीडियो कॉन्फ्रेंस (ऑडियो-विजुअल माध्यम) के माध्यम से ऋण माफ किए गए किसानों के खातों में सीधे पैसा जमा होंगे। जिस दिन कर्जमाफी का पैसा जारी होगा, उस दिन किसान आयोजन स्थलों पर कर्जमाफी लाभार्थियों के साथ जश्न मनाएंगे। इस कार्यक्रम में प्रगतिशील किसान, बैंक प्रतिनिधि, मंत्री, विधायक, एमएलसी और जन प्रतिनिधि इन समारोहों में भाग लेंगे।

आंध्र प्रदेश में तीन नए हवाई अड्डों की योजना : पुरंदेश्वरी

अमरावती, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सांसद और राज्य भाजपा अध्यक्ष डी पुरंदेश्वरी ने कहा कि आंध्र प्रदेश में तीन नए हवाई अड्डों की योजना बनाई गई है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, केंद्र और राज्य दोनों में एनडीए के सत्ता में होने से, हम कुप्पम, दगडार्थी और मुलापेट में नए हवाई अड्डों की योजना बनाने में सक्षम हैं। राजमुंदरी सांसद ने कहा कि आंध्र प्रदेश में सकारात्मक विकास हुआ है। उन्होंने कहा, यह विकास न केवल कनेक्टिविटी बढ़ाता है, बल्कि आर्थिक प्रगति को भी बढ़ावा देता है। चित्तूर जिले में कुप्पम मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू का विधानसभा क्षेत्र है, जिनकी तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में एक प्रमुख भागीदार है। अन्य दो हवाई अड्डों की योजना नेल्लोर जिले के दगडर्थी और श्रीकाकुलम जिले के मुलापेटा में बनाई गई है। राज्य में एनडीए के सत्ता में आने के बाद विजयनगरम जिले के भोगापुरम में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के काम में भी तेजी आई है।तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के के. राममोहन नायडू के नागरिक उड्डयन मंत्री बनने के साथ ही भोगापुरम में काम पूरे जोरों पर हैं। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी पिछले सप्ताह भोगापुरम का दौरा किया था और जीएमआर को जून 2026 तक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का निर्माण पूरा करने का निर्देश दिया था।डेवलपर ने आश्वासन दिया है कि वह दिसंबर 2026 तक इस परियोजना को पूरा करने का प्रयास करेगा। सीएम नायडू ने कहा कि हवाई अड्डे का शीघ्र पूरा होना सरकार के एजेंडे में शीर्ष पर है, क्योंकि यह विकास उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा और विशाखापत्तनम के अलावा श्रीकाकुलम और विजयनगरम दोनों जिलों में त्वरित प्रगति सुनिश्चित करेगा।

कर्नाटक : उद्योग जगत की हस्तियों ने निजी नौकरियों में आरक्षण विधेयक का किया विरोध

बेंगलुरु, 17 जुलाई (एजेंसियां)।

कर्नाटक के प्रमुख कारोबारी हस्तियों राज्य के सरकार की ओर से हाल ही में प्रस्तावित निजी नौकरी आरक्षण विधेयक की तीखी आलोचना की है और इसे राज्य की आर्थिक वृद्धि के लिए भेदभावपूर्ण और हानिकारक बताया है।

इंफोसिस के पूर्व सीएफओ मोहनदास पई ने निजी नौकरी आरक्षण विधेयक का कड़ा विरोध करते हुए इसे भेदभावपूर्ण, प्रतिगामी और असंवैधानिक बताया। श्री पई ने विधेयक की तुलना फासीवाद से करते हुए निजी क्षेत्र की भर्ती समितियों में सरकारी अधिकारियों के विचार और अनिवार्य भाषा परीक्षण की आलोचना की।उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इस विधेयक को रद्द कर देना चाहिए। यह भेदभावपूर्ण, प्रतिगामी और संविधान के खिलाफ है। क्या सरकार प्रमाणित करेगी कि हम कौन हैं? यह पशु फार्म की तरह एक फासीवादी विधेयक है। अविश्वसनीय है कि कांग्रेस इस तरह का विधेयक ला सकती है – क्या एक सरकारी अधिकारी निजी क्षेत्र की भर्ती समितियों में बैठेगा? लोगों को भाषा की परीक्षा देनी होगी?

बायोकॉन की अध्यक्ष किरण मजूमदार-शॉ ने प्रौद्योगिकी क्षेत्र पर प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, एक तकनीकी केंद्र के रूप में, हमें कुशल प्रतिभा की आवश्यकता है और हालांकि इसका उद्देश्य स्थानीय लोगों के लिए नौकरियां प्रदान करना है, हमें इस कदम से प्रौद्योगिकी में हमारी अग्रणी स्थिति को प्रभावित नहीं करना चाहिए। ऐसी चेतावनी होनी चाहिए जो इस नीति से अत्यधिक कुशल भर्ती को छूट दे।एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) के सह-अध्यक्ष आरके मिश्रा ने कर्नाटक सरकार के अदूरदर्शी कदम के रूप में विधेयक की आलोचना की, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि स्थानीय आरक्षण को अनिवार्य करने और कंपनियों में सरकारी अधिकारियों की नियुक्ति से भारतीय आईटी और जीसीसी डर जाएंगे।

उन्होंने कहा, स्थानीय आरक्षण अनिवार्य करें और निगरानी के लिए हर कंपनी में एक सरकारी अधिकारी नियुक्त करें। यह अदूरदर्शी है, इससे भारतीय आईटी और जीसीसी डर जाएंगे। ये टिप्पणियां कर्नाटक के आर्थिक परिदृश्य, विशेषकर आईटी और जैव प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों पर विधेयक के संभावित नकारात्मक प्रभाव के बारे में उद्योग जगत के नेताओं के बीच बढ़ती चिंताओं के मद्देनजर आई हैं।

श्री बालाजी राजस्थानी मंडल ट्रस्ट के चुनाव सम्पन्न

हैदराबाद, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री बालाजी राजस्थानी मंडल ट्रस्ट के चुनाव अमीरपेट स्थित बालाजी भवन में सम्पन्न हुए।

जिसमें सर्वसम्मति से राजेश काबरा को चैयरमेन, वाईस चेयरमेन पवन लोहिया, मैनेजिंग ट्रस्टी महेन्द्रसिंह राजपुरोहित, कोषाध्यक्ष प्रेमसिंह राजपुरोहित नियुक्त किये गए। ट्रस्टी भंवरसिंह राजपुरोहित, वासुदेव काबरा एव उत्तमसिंह राजपुरोहित, आनन्द सोनी उपस्थित थे।

किले में नजरबंद किए गए राजा उदय प्रताप बोले

हिंदुओं का दमन कर रही है भाजपा सरकार

प्रतापगढ़, 17 जुलाई (एजेंसियां)। कुंडा के भदरी किले में हाउस अरेस्ट किए गए राजा उदय प्रताप सिंह ने सरकार पर हिंदुओं का दमन करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि किसी का साथ मिले या न मिले, वह हिंदुत्व के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। हम हिंदुत्व के लिए जो कर सकते हैं करते रहेंगे। राजा उदय प्रताप सिंह जनसत्ता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कुंडा के विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के पिता हैं।

राजा उदय प्रताप सिंह ने कहा कि वह प्रशासन के रवैये के खिलाफ धरने पर बैठने जा रहे थे। शेखपुर में मुहर्रम पर एक फाटक लगाया गया था। उससे पांच सौ मीटर दूर दूसरा फाटक लगा दिया गया। इसके विरोध में वह धरने पर बैठने जा रहे थे। जिस पर उनको बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि वह हिंदुत्व को बचाने के लिए अपना संघर्ष जारी रखें। कहा कि यदि हिंदू समाज नही जागा तो मिट जाएगा यह तय है। हिंदू समाज जागृत नहीं हुआ तो फ्रांस, जर्मनी और इंग्लैंड जैसे हालात यहां भी होने में देरी नहीं है। उदय प्रताप सिंह ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि भाजपा की सरकार प्रदेश और केंद्र दोनों जगह पर है, बावजूद इसके हिंदुओं की सुनवाई नहीं हो रही है। इसका ही परिणाम भाजपा को लोकसभा में मिला है और सीटें कम हुई हैं। भाजपा का यही ढर्रा रहा तो आने वाले चुनाव में और भी खराब स्थिति होगी।

कुंडा विधायक राजा भैया के पिता उदय प्रताप सिंह समेत 11 समर्थकों को प्रशासन ने 68 घंटों के लिए हाउस अरेस्ट किया है। पुलिस ने दोनों पक्ष से 500 लोगों को नोटिस थमाया है। एसडीएम, सीओ लगातार शेखपुर से लेकर भदरी तक चक्रमण कर रहे हैं। राजा भैया के पिता उदय प्रताप सिंह मुहर्रम के दिन शेखपुर में पड़ने वाले हनुमान मंदिर पर भंडारे का आयोजन करते हैं। कई साल पहले मुहर्रम के जुलूस के दौरान एक बंदर की मौत हो गई थी। जिसकी बरसी पर वह भंडारे का एलान कर देते हैं। समर्थकों के साथ मंदिर में पूजा पाठ भी करते हैं।

ताजिया निकालने के रास्ते में भंडारे के आयोजन की खबर से ही तनाव बढ़ जाता है। जिसे लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से एहितयात के तौर पर कदम उठाया जाता है। पहले भी राजा भैया के पिता को हाउस अरेस्ट किया जा चुका है। सोमवार को पुलिस प्रशासन ने भदरी महल के बाहर गेट पर नोटिस चस्पा करते हुए उदय प्रताप सिंह को हाउस अरेस्ट कर लिया। महल के बाहर पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई। इसके अलावा 17 जुलाई रात की नौ बजे तक राजा भैया के पिता उदय प्रताप सिंह के अलावा जितेंद्र सिंह नौबस्ता, रवि सिंह महाराजपुर, निर्भय सिंह बेंती, भवानी विश्वकर्मा पूरे नेवली ताजपुर, आनंदपाल विश्वकर्मा बढ़ईपुर, रमाकांत मिश्रा शेखपुर आशिक, केशरी नंदन पांडेय सरिया प्रवेश पुर, जुगनू विश्वकर्मा गोपालगंज शाहपुर, मोहन जी पन्ना रोड केसर भवन जार्ज टाउन प्रयागराज, अनिल प्रजापति उर्फ गया शेरगढ़, जमुना मौर्या बाबूगंज भी नजर बंद रहेंगे। तीन दिनों तक सभी अपने घर पर ही रहेंगे।

कुंडा कोतवाली क्षेत्र के मझिलगांव में मुहर्रम को लेकर ताजियादारों द्वारा मजहबी गेट प्रयागराज लखनऊ हाईवे के किनारे बनाया गया था। इसको लेकर कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह राजा भइया के पिता उदय प्रताप सिंह ने रविवार को एक्स पर पोस्ट कर मझिलगांव में बने मजहबी गेट को सरकारी जमीन पर बनाने का आरोप लगाया था। इसके बाद तहसील प्रशासन में हड़कंप मच गया। तहसील प्रशासन ने उनकी पोस्ट को संज्ञान में लेते हुए राजस्व कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। पता चला कि जिस जगह गेट बनाया गया है, वह राष्ट्रीय राजमार्ग की जमीन है। इस पर प्रशासन ने उसे हटाने का निर्देश दिया। इसके बाद गेट को सरकारी जमीन से हटाकर उसे और छह फीट पीछे करा दिया गया। इंस्पेक्टर सत्येंद्र सिंह का कहना है गेट एनएच की जमीन पर बना था, उसे हटवा कर पीछे करा दिया गया है।

मुहर्रम के पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के लिए कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह के पिता उदय प्रताप सिंह को प्रशासन ने हाउस अरेस्ट कर रखा है। ऐसे में अपने ससुर के समर्थन में राजा भैया की पत्नी भानवी सिंह ने सीएम से हस्तक्षेप की मांग की है। भानवी सिंह ने कहा, दाऊ साहब को हर बार मुहर्रम के पहले हाउस अरेस्ट करना उचित नहीं है। हमारे बुजुर्ग ससुर बड़े महाराज ने हिंदुत्व और मानवता के लिए बहुत काम किया है। आखिर उनसे किसको डर है। हिंदुत्व के पोषक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी आप प्रशासन को निर्देश दें कि भदरी रियासत का अपमान और दाऊ साहब का अपमान कोई न करे।

केआरएमबी ने तेलंगाना को 5.4 टीएमसी, आंध्र प्रदेश को 4.5 टीएमसी पानी किया आवंटित

हैदराबाद, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अगस्त के अंत तक अपनी आपातकालीन पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिए तेलंगाना और आंध्र प्रदेश द्वारा रखे गए ताजा मांगपत्रों का जवाब देते हुए, कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड ने उन्हें क्रमशः 5.4 टीएमसी और 4.5 टीएमसी आवंटित करते हुए रिलीज ऑर्डर जारी किए हैं। चूंकि नागार्जुन सागर में पानी की उपलब्धता 9.914 टीएमसी की कुल आवश्यकता से बहुत कम थी, इसलिए केआरएमबी ने मांग को पूरा करने के लिए श्रीशैलम परियोजना से पानी लेने का फैसला किया था। एनएसपी में उपलब्ध पानी, 500 फीट के महत्वपूर्ण टेक पॉइंट से ऊपर (510 फीट के एमडीडीएल से 10 फीट नीचे) मात्र 4.78 टीएमसी रखा गया था।

बोर्ड ने श्रीशैलम परियोजना से 5.705 टीएमसी लेने का निर्णय लिया। यह 800 फीट (एमडीडीएल 834 फीट) के महत्वपूर्ण उठाव स्तर से ऊपर की शुद्ध उपलब्धता थी। अधिकारियों ने कहा कि 10 प्रतिशत वाष्पीकरण हानि को ध्यान में रखते हुए, नागार्जुन सागर बांध में पानी (श्रीशैलम से छोड़ा गया) की शुद्ध प्राप्ति 5.134 टीएमसी होगी। श्रीशैलम से छोड़ा जाने वाला पानी इस शर्त पर होगा कि इसे बिजली घरों के माध्यम से भेजा जाएगा ताकि बिजली उत्पादन का लाभ भी प्राप्त हो सके। बेसिन में होने वाली भारी कमी को ध्यान में रखते हुए, निकाले गए पानी का उपयोग विवेकपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए।

तेलंगाना के इंजीनियर-इन-चीफ ने कलवाकुर्थी लिफ्ट सिंचाई योजना के तहत मांग को पूरा करने के लिए ताजा मांगपत्र रखा, जिसके लिए पलेयर और उदयसमुद्रम जलाशयों के साथ-साथ पीने के पानी की जरूरतों के अलावा, श्रीशैलम परियोजना से सीधे निकासी की जानी चाहिए। एचएमडब्ल्यूएसएसबी एपी गुंटूर, पलनाडु, बापटला और प्रकाशम जिलों में पीने के पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिए पानी चाहता था।

मल्काजगिरि के सांसद ईटेला राजेंदर ने गुरुवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन से मुलाकात की और अपने क्षेत्र से संबंधित रेल विकास योजनाओं पर चर्चा की।

पुलिस लॉक अप में बंद दोस्त के साथ रील फिल्माने पर तीन पर मामला दर्ज

हैदराबाद,17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुलिस स्टेशनों के भीतर बहुप्रचारित निगरानी का मजाक उड़ाते हुए, एक व्यक्ति पुलिस स्टेशन में गया और लॉक अप में बंद एक संदिग्ध का वीडियो बनाया। बाद में उन्होंने सामग्री को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया। यह घटना पुराने शहर के बंदलागुडा पुलिस स्टेशन में हुई। वीडियो में एक शख्स लॉकअप के अंदर नंगे पैर खड़ा होकर लॉकअप के बाहर मौजूद एक युवक से बात करता नजर आ रहा है। दृश्य को फिल्मी स्पर्श देने के लिए पृष्ठभूमि में संगीत बजाया जाता है। वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया गया और गैरजिम्मेदारी के लिए पुलिस पर गुस्सा जाहिर करते हुए वायरल हो गया। बंडलगुडा पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा, वीडियो फिल्माने और इसे सोशल मीडिया पर साझा करने के आरोप में तीन लोगों सैयद मुनीरुद्दीन बुबाशिर, शेख सुलेमान और मुबारक बिन अब्दाद के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

महालक्ष्मी योजना को बेहतर बनाया जाएगा: उत्तम

हैदराबाद,17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने बुधवार को कहा कि अधिक लाभार्थियों को शामिल करने के लिए महालक्ष्मी योजना को बेहतर बनाया जाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक पात्र महिला को लाभ मिले।

बुधवार को बुद्ध भवन में तेलंगाना राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष के रूप में नेरेला शारदा के शपथ ग्रहण समारोह में बोलते हुए उन्होंने कहा कि 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने की पहल से प्रत्येक घर की लगभग 40 लाख महिलाओं को प्रति माह 700 रुपये से अधिक की बचत का लाभ हुआ।

पूरे तेलंगाना में प्रतिदिन 14 लाख से अधिक महिलाएं आरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा सेवा का उपयोग कर रही थीं। उन्होंने कहा, महालक्ष्मी योजना के तहत, टीजीएसआरटीसी ने महिला यात्रियों को लगभग 55 करोड़ शून्य टिकट जारी किए थे।

महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर पुलिस के साथ मुठभेड़ में 12 नक्सली ढेर

गढ़चिरौली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। अधिकारियों ने कहा कि बुधवार को छत्तीसगढ़ सीमा के पास महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पुलिस और कमांडो के साथ मुठभेड़ में कम से कम 12 नक्सली मारे गए और दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। गढ़चिरौली के पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने कहा कि वांडोली गांव में दोपहर में सी60 कमांडो और नक्सलियों के बीच भारी गोलीबारी हुई और छह घंटे तक जारी रही। उन्होंने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल से माओवादियों के 12 शवों के अलावा 3 एके-47, 2 इंसास राइफल, एक कार्बाइन और एक एसएलआर सहित सात ऑटोमोटिव हथियार बरामद किए हैं। मारे गए नक्सलियों में से एक की पहचान टीपागढ़ दलम के प्रभारी डीवीसीएम लक्ष्मण अत्राम उर्फ विशाल अत्राम के रूप में हुई। नीलोत्पल ने कहा, महाराष्ट्र के गृह मंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने सी60 कमांडो टीमों और गढ़चिरौली पुलिस के लिए 51 लाख रुपये के इनाम की घोषणा की है। माओवादियों की पहचान और इलाके की सर्चिंग जारी है। एसपी ने बताया घायलों में सी 60 के एक सब-इंस्पेक्टर और एक जवान शामिल हैं। वे खतरे से बाहर हैं, उन्हें घटनास्थल से हटा दिया गया है और नागपुर ले जाया गया है।

आरपीएफ दमरे ने विभिन्न ऑपरेशनों के तहत किया शानदार प्रदर्शन

हैदराबाद, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आरपीएफ का मुख्य उद्देश्य रेलवे संपत्ति की सुरक्षा में अपराधियों के खिलाफ अथक लड़ाई जारी रखना, यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। रेलवे संपत्ति और यात्रियों के जीवन की सुरक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डालने में भी आरपीएफ हमेशा सबसे आगे रहती है। रेलवे संपत्ति की सुरक्षा, यात्री सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करने और सरकारी पुलिस और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय में यात्रियों को सहायता प्रदान करने के लिए आरपीएफ ने कई अभियान शुरू किए हैं और जून-2024 के दौरान उल्लेखनीय प्रदर्शन दर्ज किया है।

ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत आरपीएफ/एससीआर ने 38 अपराधियों को गिरफ्तार किया है और उनके खिलाफ 45 मामले दर्ज करने के साथ 20.63 लाख रुपये की चोरी की संपत्ति बरामद की है। ऑपरेशन अमानत के तहत, आरपीएफ कर्मियों ने यात्रियों के सामान को सुरक्षित रखने में मदद की और उन्हें सही मालिकों को सौंप दिया। आरपीएफ ने 50 लाख रुपये से अधिक मूल्य के यात्रियों के 193 से अधिक सामान बरामद किए। आरपीएफ ने रेलवे के माध्यम से मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए ऑपरेशन नारकोस शुरू किया है। इस अभियान के तहत आरपीएफ ने 12 लोगों की गिरफ्तारी के साथ 71 लाख रुपये से अधिक मूल्य का गांजा जब्त किया है। ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत, आरपीएफ/एससीआर ने देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता वाले उन बच्चों की पहचान करने और उन्हें बचाने का नेक काम किया, जो विभिन्न कारणों से अपने परिवार से खो गए अथवा अलग हो गए हैं। आरपीएफ/एससीआर द्वारा 100 बच्चों (86 लड़के + 14 लड़कियां) को बचाया गया है। आरपीएफ ने ऑपरेशन आहट लॉन्च किया है। इस मिशन के तहत, आरपीएफ/एससीआर ने 27 लड़कों और 01 लड़की को 18 तस्करों के चंगुल से बचाया है।

ऑपरेशन जीवन रक्षा के तहत आरपीएफ/एससीआर ने 01 पुरुष की जान बचाई और यात्री को मौत के मुंह से बचा लिया। ऑपरेशन सतर्क के तहत आरपीएफ ने 02 व्यक्तियों की गिरफ्तारी के साथ ट्रेनों के माध्यम से अवैध रूप से ले जाई जा रही 88,090 रुपये की शराब जब्त की और बाद में उत्पाद शुल्क विभाग को सौंप दिया, जिसने अपराधियों के खिलाफ 04 मामले दर्ज किए। दलालों की गतिविधियों पर अंकुश लगाने और आम आदमी को रेलवे टिकट उपलब्ध कराने के लिए आरपीएफ ने ऑपरेशन उपलब्ध शुरू किया है। आरपीएफ/एससीआर द्वारा 12 दलालों की गिरफ्तारी के साथ 1,29,340 रुपये मूल्य के 51 लाइव टिकटों की जब्ती के साथ 11 मामले दर्ज किए गए। सीसीटीवी तकनीक का उपयोग करके आरपीएफ/एससीआर ने 03 अपराधियों को पकड़ा और 1,60,000 रुपये मूल्य की चोरी की गई यात्री संपत्ति बरामद की और आगे के अभियोजन के लिए संबंधित एजेंसियों को सौंप दिया। आरपीएफ ने रेलवे संपत्ति के खिलाफ गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए ऑपरेशन रेल सुरक्षा शुरू किया है। 3,89,762 रुपये मूल्य की चोरी हुई रेलवे संपत्ति की बरामदगी के साथ 52 मामलों का पता लगाया गया।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME AND DOB

I, No 14686414F Hav Jameer Ahamad Syed R/o Qtrs No-477/6, Ammuguda Army Lines, Secunderabad, Telangana State have changed my Mother name from JAREENA* to *SYED JAREENA and DOB from 01/07/1966 to 01/01/1965 add my service documents before Notary C Samuel Advocate Secunderabad dated 17/07/2024.

CHANGE OF NAME

I, HELEN ANANDHI M is legally wedded spouse of No-14664924H Hav L Antony Xavier, presently residing at H.No-7/260 Kalaignar Nagar,Vill &PO- Marambadi, Dist-Dindigul, State-Tamil Nadu, PIN-624709, have changed my name from M HELEN ANANDHI to HELEN ANANDHI M and date of birth is 02/06/1989 add in my Husband service documents Before Notary C Samuel Advocate, Secunderabad dated 17/07/2024.

CHANGE OF NAME

I, No-14664924H Hav L Antony Xavier, presently residing at H.No-7/260 Kalaignar Nagar,Vill &PO-Marambadi,Dist-Dindigul, State-Tamil Nadu, PIN-624709, have changed my Daughter name from A JONAS EVANJALIN to JONAS EVANJALIN A and date of birth is 27/11/2014 add in my service documents Before Notary C Samuel Advocate, Secunderabad dated 17/07/2024.

शुभ लाभ का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/- | Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive..........
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10x10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS Hyderabad Balanagar

A PROJECT BY
BASAI GROUP

hmda Growing Global

TG RERA APPROVED

Telangana Real Estate Regulatory Authority (TG RERA) is granted certificate under section 5 to the following project.

Pushpa Residency-1 (Regn. No. P02200008353) | Pushpa Residency-2 (Regn. No. P02200008349)

PUSHPA RESIDENCY-1

Quality Living Starts Here

Ready to occupy @ Thumkunta << SHAMIRPET

TYPICAL FLOOR PLAN

- 2 Bhk
- Parking 2 wheeler & 4 Wheeler
- 100% Vaastu

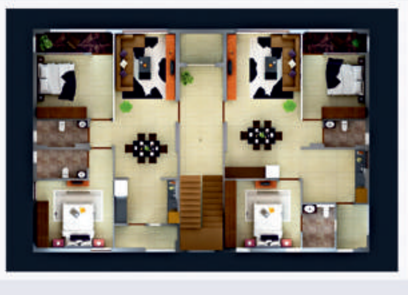

SCAN FOR SITE LOCATION

Everyone love to live in a beautiful & luxurious home where elders are happy & children grow up in a healthy environment. To experience the comfort of a spacious flat in a good neighbourhood, where fresh air & abundant water & the blissful silence of environment invites your family to live in comfort. Pushpa Residency is a prestigious project by Basai Group who have executed several successful projects. Their strength in the construction field can be gauged by the quality and dedication they bring to every project. we work hard to ensure customer satisfaction ... So why to wait now we provide you the luxurious flat in Thumkunta, Shamirpet .

FOR DETAILS
+91 77991 23471
98853 00700
Email : pushparesidency1@gmail.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.